फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई-पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें - www.bhedinazar.com

फरीदाबाद, शनिवार 18 अक्टूबर 2025

दिल्ली, हरियाणा, चड़ीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

वर्ष : 15 अंक : 289 Email : bhedinazardaily@gmail.com RNI NO. HAR/HIN/2011/43680 Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

किन्नरों के साथ अब नहीं चलेगा कोई भेदभाव

● जॉब से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं तक रखी जाएगी नजर

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, एक विशेष समिति गठित

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक बड़े फैसले में ट्रांसजेंडरों को समान अधिकार सुनिश्चित करवाने के लिए बहुत बड़ी पहल की है। शुक्रवार को सर्वोच्च अदालत ने किन्नरों को रोजगार के समान मौके, इलाज का समान अवसर सुनिश्चित करवाने और लैंगिक भेदभाव से बचाने के लिए समर्पित समिति गठित की है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला एक ट्रांसवुमन को मुआवजे का आदेश देने के साथ आया है, जिसकी दो राज्यों में टीचर के रूप में नियुक्ति इस वजह से नहीं हो पाई, क्योंकि वह किन्नर है। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के अनुसार सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने थर्ड जेंडर के भविष्य को सुरक्षित रखने के महत्व पर जोर देते हुए यह फैसला सुनाया है। इसी के साथ अदालत ने उन्हें समान अवसर, सुरक्षा और समावेशी चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए एक समिति गठित की है। यह समिति उनके समान अधिकार सुनिश्चित करवाने के काम की निगरानी करेगी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कहा गया है कि समिति समान अवसर, समावेशी स्वास्थ्य

सुविधा, जेंडर की पुष्टि नहीं करने वाले लोगों की सुरक्षा देखेगी। हमने याचिकाकर्ता को इस वजह से मुआवजा दिया है कि कैसे उसे सेवा से हटा दिया गया। हमें उम्मीद है कि इससे थर्ड जेंडर का भविष्य सुरक्षित होगा। हमने गाइडलाइंस तैयार की हैं और कोई भी संस्था जिनके पास गाइडलाइंस नहीं है, वे केंद्र की ओर से नीति लाए जाने तक इसका पालन करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार इस समिति की अगुवाई रिटायर्ड जस्टिस आशा मेनन करेंगी। इनके अलावा समिति में ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट ग्रेस बानु, अकाई पद्माशाली, गौरव मंडल, मेंबर ऑफ सीएलपीआर बेंगलुरु डॉ. संजय शर्मा, एमिकस क्यूरी के तौर पर वरिष्ठ वकील जयना कोठारी शामिल रहेंगे। दरअसल, एक ट्रांसवुमन की टीचर के तौर पर नियुक्ति उत्तर प्रदेश और गुजरात की दो प्राइवेट स्कूलों ने रद्द कर दी थी। शुरू में दोनों जगहों से उनका नियुक्ति पत्र जारी किया गया था। लेकिन, यूपी में सिर्फ 6 दिन पढ़ाने दिया गया, लेकिन गुजरात में तो ज्वाइन भी नहीं करने दिया गया। इस मामले से यह गंभीरता सामने आई कि किन्नर होना उसके रोजगार में बाधक बन गया।

बंगाल के दुर्गापुर गैंगरेप केस में नया खुलासा

● पीड़ित एक आरोपी की गर्लफ्रेंड वॉटसएप चैट से मिला सुराग

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एमबीबीएस स्टूडेंट से गैंगरेप केस में पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार 6 आरोपियों में से एक पीड़ित का बॉयफ्रेंड है। दोनों रिलेशन में थे, 10

अक्टूबर को जब स्टूडेंट के साथ रेप हुआ, तो वह बॉयफ्रेंड के साथ ही कॉलेज कैंपस से बाहर गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि जिस आरोपी को सबसे आखिरी में अरेस्ट किया गया। वह पीड़ित का क्लासमेट है और वे घटना वाली रात डेट पर बाहर गए थे। दोनों के रिलेशनशिप का खुलासा उनकी वॉट्सएप चैट से भी हुआ। पुलिस के अनुसार, पीड़ित और उसके दोस्त ने बताया कि घटना वाली रात वे एक श्मशान घाट के पास जंगल में गए थे। वहां तीन बदमाशों ने उनका पीछा किया और अचानक हमला कर दिया।

आसमान में स्वदेशी योद्धा! तेजस ने भरी पहली उड़ान

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने प्रॉडक्शन यूनिट का किया उद्घाटन

नासिक (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना को मार्क 1 ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में तेजी लाने के मकसद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने महाराष्ट्र के नासिक में तीसरी प्रोडक्शन लाइन शुरू की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन किया। नासिक के ओझर की इस फेसिलिटी में बने पहले लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट ने शुक्रवार को पहली उड़ान भरी। इस प्रोडक्शन

● यहां हर साल 8 तेजस बनाए जाएंगे,अभी आठ बनाए जा रहे

लाइन के जरिए वायुसेना को 2032-33 तक 180 तेजस विमानों की आपूर्ति करने में मदद करेगी। यहां अभी आठ फाइटर जेट बनाए जा रहे हैं, जिसे बढ़ाकर 10 किया जा सकता है। वायुसेना के लिए तेजस विमान बना रही एचएएल को सितंबर में ही अमेरिका ने इसका चौथा इंजन भेजा था। इस फाइटर जेट की खूबियों में से एक है कि इसके विंग्स (पंखों) में 9 जगह मिसाइलें फिट होती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक हर तेजस मार्क-1ए की औसत कीमत 600 करोड़ रुपए है। फाइटर जेट रफ्तार 2205 किमी/घंटा यानी ध्वनि से भी करीब दोगुनी तेज है। इसका प्रोडक्शन देश की 500 से ज्यादा घरेलू कंपनियों ने मिलकर किया है, इसलिए इसे स्वदेशी तेजस भी कहा जा रहा है। केंद्र ने 19 अगस्त को वायुसेना को 97 तेजस फाइटर जेट खरीदने की हरी झंडी दी थी। इसके बाद 25 सितंबर को रक्षा मंत्रालय ने एचएएलको कॉन्ट्रैक्ट दिया था। केंद्र ने एचएएल के साथ 62,370 करोड़ की डील की है। इसे पाकिस्तान बॉर्डर के पास राजस्थान के बीकानेर स्थित नाल एयरबेस पर तैनात करने की योजना है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस जेट में स्वयं रक्षा कवच और कंट्रोल एक्चुएटर होंगे। तेजस मार्क-1ए के 65 फीसदी से ज्यादा उपकरण भारत में बने हैं। मार्क 1ए, सिंगल इंजन वाले तेजस एयरक्राफ्ट का एडवांस वर्जन है। यह चौथी पीढ़ी का हल्का लड़ाकू विमान है, जो कम वजन के बावजूद बेहद फुर्तीला है। इसमें अपग्रेडेड एवियॉनिक्स और रडार सिस्टम लगे हैं। तेजस के पुराने वर्जन को भी एचएएल ने डेवलप किया है। इसे एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी और डीआरडीओ की मदद से बनाया गया है। इसे हवा, पानी और जमीन पर हमलों के लिए बनाया है।

मार्क-1 ए एयरक्राफ्ट वायुसेना के मिग-21 के बेड़े का रिप्लेसमेंट

यह मुश्किल हालात में भी अपने टारगेट को निशाना बना सकता है। मार्क-1A एयरक्राफ्ट वायुसेना के मिग-21 के बेड़े का रिप्लेसमेंट है। मिग-21 26 सितंबर को रिटायर हो चुका है। इसने 62 साल की सर्विस के दौरान 1971 युद्ध, कारगिल और कई बड़े मिशन में अहम भूमिका निभाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 नवंबर 2022 को बेंगलुरु में तेजस फाइटर प्लेन में उड़ान भरी थी।

पहले 16 मंत्रियों का इस्तीफा फिर 26 मंत्रियों ने ली शपथ

गुजरात कैबिनेट में 19 नए चेहरे,3 महिलाओं को जगह

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात में भाजपा ने महज 3 साल में सीएम भूपेंद्र पटेल के अलावा लगभग पूरी सरकार बदल दी। पार्टी ने गुरुवार को 16 मंत्रियों से इस्तीफा लिया और शुक्रवार को 26 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। कैबिनेट में 19 नए चेहरे हैं, जबकि पिछली बार के 6 मंत्री ही अपना पद कायम रख पाए हैं। वहीं, 8 ओबीसी, 3 एससी, 4 एसटी और 3 महिलाएं हैं। सीएम समेत 8 मंत्री पटेल समाज से हैं। खास बात यह है कि हटाए गए मंत्रियों पर न तो कोई आरोप था और न कोई कानूनी केस। इसके बावजूद सरकार में बड़े फेरबदल को गुजरात में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। भाजपा ने महज 3 साल में सीएम के अलावा पूरी सरकार को बदल दिया है। पार्टी ने भूपेंद्र पटेल के सभी 16 मंत्रियों से इस्तीफा देने को कहा, ताकि नया मंत्रिमंडल बनाने के लिए पूरी आजादी मिले। जानकारी के मुताबिक कई मंत्रियों का प्रदर्शन कमजोर था।

हर्ष सिंघवी का प्रमोशन, जडेजा की पत्नी भी मंत्री

शुक्रवार को सबसे पहले हर्ष संघवी ने शपथ ली। उन्हें डिप्टी सीएम बनाया गया है। पहले वे राज्य के गृह मंत्री थे। क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा को भी मंत्री बनाया गया है। गुजरात कैबिनेट में सीएम समेत 17 मंत्री थे, जिसमें 8 कैबिनेट और 8 राज्य मंत्री थे। अब यह संख्या बढ़कर 26 हो गई है। भूपेन्द्र पहली बार सितंबर 2021 में सीएम बने थे। तब विजय रूपाणी को अचानक हटाकर उन्हें सीएम बनाया था। फिर विधानसभा चुनाव के बाद 12 दिसंबर 2022 को वह तीसरी बार सीएम और 16 विधायक मंत्री बने।

पाकिस्तान आर्मी कैंप पर टीटीपी का बड़ा हमला

● हमलावर ने मिलिट्री कैंप से टकराई विस्फोटकों से भरी कार,7 सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में शुक्रवार को एक बार फिर सुरक्षाबलों पर विद्रोही गुट टीटीपी ने हमला किया है। पाकिस्तान की सरकारी मीडिया पीटीवी ने बताया कि उत्तरी वजीरिस्तान के मीर अली जिले में सैन्य शिविर पर हुए आत्मघाती हमले में सात पाक सैनिकों की मौत हुई है। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि अफगान सीमा के पास आत्मघाती हमले में 7 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। इस दौरान हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने चार हमलावरों को मार गिराने का दावा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक हमलावर ने मीर अली में सुरक्षा बलों पर आत्मघाती हमला किया।

यूपी मॉब लिंचिंग

दलित परिवार को डराया जा रहा,घर में बंद कर रखा है

फतेहपुर (एजेंसी)। राहुल गांधी ने रायबरेली मॉब लिंचिंग में मारे गए दलित हरिओम वाल्मीकि के परिवार से शुक्रवार को फतेहपुर में मुलाकात की। उन्होंने 25 मिनट तक माता-पिता, भाई और बहन से बातचीत की। बाहर निकलने पर उन्होंने कहा- परिवार को घर में बंद कर रखा है, इन्हें डराया जा रहा है। उन्होंने कहा,आज सुबह सरकार ने परिवार को मुझसे न मिलने की धमकी दी। जबरन वीडियो बनवाया। इसकी जानकारी परिवार ने मुझे दी। परिवार मुझसे मिले या न मिले, यह जरूरी नहीं है, बल्कि जरूरी यह है कि जो अपराधी हैं, उनके खिलाफ ऐक्शन

हो। दरअसल, राहुल के पहुंचने से करीब एक घंटे पहले हरिओम के भाई शिवम वाल्मीकि ने परिवार के साथ वीडियो जारी किया था। उन्होंने कहा था- राहुल गांधी राजनीति करने न आएं।

पंजाब डीआईजी के घर से 7 करोड़ नगद बरामद

चंडीगढ़ कोर्ट में चेहरा ढक कर पहुंचे हरचरण भुल्लर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर और उनके बिचौलिए कृष्णु को शुक्रवार को चंडीगढ़ की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इस दौरान भुल्लर ने रुमाल से चेहरा ढका हुआ था। इस पर जज ने कहा कि अपने चेहरे से रुमाल हटाइए। वहीं मीडिया के पूछने पर भुल्लर केवल इतना ही बोले- कोर्ट इंसाफ करेगा। इस बीच भुल्लर के वकील एचएस धनोआ ने कहा कि भुल्लर को करीब 11.30 हिरासत में लिया गया, मगर गिरफ्तारी रात 8 बजे डाली है। डीआईजी की रात बुड़ैल जेल में कटेगी। भुल्लर के घर 21 घंटे तक सीबीआई की रेड चली। चंडीगढ़ के सेक्टर-40 स्थित घर से बरामद रकम 7 करोड़ तक पहुंच गई है।

इतनी बड़ी रकम 1 दिन में नहीं आई होगीः राज्यपाल

डीआईजी भुल्लर के केस में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि इस स्तर पर भी अगर ऐसी घटनाएं हो रही हैं तो यह बेहद चिंताजनक है। हमें यह दिखाई क्यों नहीं दे रहा। हमारे पास इतना बड़ा प्रशासनिक अमला है, फिर भी ऐसी स्थिति पैदा हो गई। इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण कुछ नहीं हो सकता। अखबारों में खबर आई है कि सात करोड़ रुपए बरामद हुए हैं। यह रकम एक दिन में तो इकट्ठी नहीं हुई होगी। इतना बड़ा पुलिस अफसर और इतना बड़ा विभाग होने के बावजूद, बाहर की एजेंसी को आकर कार्रवाई करनी पड़ी। भ्रष्टाचार को खत्म करने की बात कहना आसान है।

भारत के पड़ोस में तैनात होंगे तुर्की के लड़ाकू ड्रोन

● एयर डिफेंस सिस्टम भी लगेगा, खलीफा एर्दोगन ने फाइनल की डील

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश और तुर्की के बीच एक बड़े रक्षा समझौते पर बात चल रही है। तुर्की के साथ बांग्लादेश का यह रक्षा समझौता तकरीबन फाइनल हो चुका है। इसके तहत ढाका को लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली तुर्की से मिलेगी। साथ ही बांग्लादेश को ना सिर्फ तुर्की से लड़ाकू ड्रोन मिलने जा रहे हैं बल्कि उसे ड्रोन के सह-उत्पादन का भी मौका मिलेगा। एक्सपर्ट ने बांग्लादेश की सैन्य ताकत बढ़ाने वाली इस डील को ऐतिहासिक और दक्षिण एशिया के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलावों में से एक कहा है। ढाका स्थित डैफोडिल इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के विजिटिंग स्कॉलर एमडी ओबैदुल्लाह ने एशिया टाइम्स में अपने लेख में कहा है कि यह सिर्फ हथियार सौदा नहीं है।

रंग बिरंगी मिठाइयां आपकी सेहत को बिगाड़ सकती हैं : डॉ एमपी सिंह

मौहर पाल सिंह (भेदी नजर) फरीदाबाद नहर पार स्थित श्रद्धा मंदिर स्कूल में स्वास्थ्य और पर्यावरण को ठीक रखने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें देश के सुप्रसिद्ध शिक्षाविद समाजशास्त्री दार्शनिक प्रोफेसर एमपी सिंह ने विद्यार्थियों और अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल त्योहारों का सीजन चल रहा है जिसमें अधिकतर लोग एक दूसरे को उपहार के तौर पर मिठाईयां प्रदान करके आशीर्वाद लें रहे हैं अगर आप भी मिठाईयां खरीदने जा रहे हैं तो रंग बिरंगी मिठाइयों से दूर रहे क्योंकि यह अधिकतर मिलावटी, बनावटी और नकली मिठाइयां होती है मिठाइयों के साथ-साथ दूध, दही, खोवा, पनीर भी नकली बेचा जा रहा है जिनको खाने से स्वास्थ्य खराब हो जाता है बनावटी मिठाइयां सस्ते दामों में बेची जाती है इसलिए अधिकतर लोग नकली मिठाइयों को ही खरीदते हैं जबकि उपायुक्त फरीदाबाद ने स्वास्थ्य विभाग को सैंपल लेने के लिए दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं ताकि गलत मिठाई खाने से फूड पाइजनिंग ना हो स्वास्थ्य लाभ देने हेतु उपयुक्त फरीदाबाद के दिशा निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी जगह-जगह मिठाइयों के सैंपल भर रहे हैं और छापामारी भी कर रहे हैं उन्होंने कहा कि दीपावली के अवसर पर अधिकतर बच्चे बम पटाखे चलाते हैं जिस से कई बच्चों के हाथ जल जाते हैं कईओ के कपड़ों में आग लग जाती है जलती अवस्था मे झुग्गी झोपड़ी पर पटाखे गिरने से झुग्गी झोपड़ी स्वाहा हो जाती है कई बार गली मोहल्ले में खड़े सीएनजी, पेट्रोल, डीजल की गाड़ियों में भी आग लग जाती है इससे बचने के लिए इको फ्रेंडली पटाखे चलाने चाहिए ताकि पर्यावरण प्रदूषण और आगजनी घटनाओं से भी बचाव हो सके। इस अवसर पर विद्यालयके संस्थापक डॉ गजराज ने दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए डॉ एमपी सिंह का धन्यवाद किया।

स्वतंत्रता संग्राम में रहा सरदार वल्लभभाई पटेल का अहम योगदान - सतीश फागना

फरीदाबाद। आत्मनिर्भर भारत, हर घर स्वदेशी-घर-घर स्वदेशी अभियान के तहत भाजपा फरीदाबाद महानगर के बल्लभगढ़ मंडल में शुक्रवार को विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता फरीदाबाद महानगर के जिलाध्यक्ष सोहन पाल सिंह ने की, जबकि मुख्य रुप से विधायक सतीश फागना, जिला महामंत्री अनुराग गर्ग जी, कवींद्र चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी राजेश कौशिक, गीता शर्मा, संदीप भड़ाना, प्रदीप जी आदि उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक सतीश फागना ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल एक भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता और राजनेता थे, जिन्होंने 1947 से 1950 तक भारत के पहले उप प्रधान मंत्री और गृह मंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और भारत के राजनीतिक एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री फागना ने कहा कि भारत और अन्य जगहों पर, उन्हें अक्सर सरदार कहा जाता था, जिसका अर्थ है 'प्रमुख'। उन्होंने भारत के राजनीतिक एकीकरण और 1947 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान गृह मंत्री के रूप में कार्य किया। स्वतंत्रता संग्राम में उनका अहम योगदान रहा। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती 31 अक्टूबर को फरीदाबाद सहित देशभर हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। इस मौके पर भाजपा महानगर के जिलाध्यक्ष सोहन पाल सिंह ने कहा कि सरदार पटेल की जयंती को लेकर तैयारियां शुरु कर दी गई है, कार्यकर्ताओं को जिम्मेवारियां सौंप दी गई है और यह आयोजन बेहतर तरीके से किया जाएगा क्योंकि सरदार पटेल भारतीय इतिहास के प्रमुख महापुरुषों में शुमार है इसलिए उनकी जयंती फरीदाबाद सहित देशभर में धूमधाम से मनाई जाएगी।

अखिल भारतीय रोड महासभा की कार्यकारिणी का गठन

पानीपत, (चुघ) भेदी नजर। अखिल भारतीय रोड महासभा की कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से कराए जाने के लिए समाज के लोगों की एक बैठक रोड धर्मशाला में सम्पन्न हुई। बैठक में पानीपत, सोनीपत, जींद क्षेत्र के अखिल भारतीय रोड महासभा के लिए चयनित डेलीगेट्स व समाज के प्रबुद्ध लोगों ने बैठक में भाग लिया। इस दौरान बैठक की अध्यक्षता चौधरी अजमेर सिंह ने की। बैठक में पानीपत क्षेत्र से महासभा के लिए उम्मीदवार मेहर सिंह कलामपुरा व राजपाल छिछड़ाना ने भी भाग लिया। इस दौरान बैठक की अध्यक्षता कर रहे डॉ. अजमेर सिंह आर्य ने कहा कि सर्व सहमति समिति पिछले लंबे समय से अखिल भारतीय रोड महासभा के चुनाव को लेकर समाज के गांव - गांव व हर क्षेत्र में जाकर लोगों को जागरूक करते हुए आपसी भाईचारा व एकता को मजबूत कर रही है। किसी भी संस्था के लिए चुनाव मतभेद पैदा कर देता है। यह हमारे बुजुर्गों ने बड़ी निष्ठा, ईमानदारी से एकता का पौधा जो लगाया था, हमें उसमें पानी व खाद सर्व सहमति बनाने का काम करना है। सर्व सहमति समिति के संयोजक रणबीर आर्य ने अपने संबोधन में कहा कि इस 22 सदस्यसयी कमेटी का लक्ष्य सभी को साथ लेकर आपसी भाईचारे के साथ निर्विरोध, आपसी सहमति से अखिल भारतीय रोड महासभा की कार्यकारिणी का गठन करवाना है। इसी के तहत प्रयास किए जा रहे। उन्होने कहा कि समिति का कोई भी सदस्य न तो चुनाव लड़ रहा है और न ही किसी को सपोर्ट कर सकता है। यदि कोई ऐसा करेगा तो वह सभी सदस्यों की पूर्व में तय सहमति से समिति बाहर हो जाएगा। इस दौरान डा. राजपाल छिछड़ाना व मेहर सिंह कलामपुरा, वीरेंद्र लुहारी, बलकार खुराना, मुकेश शास्त्री खुराना, सुनील बतान, जसबीर सिंह, महेंद्र कल्याण, पवन कुटेल, मेवा सिंह आदि ने रोड महासभा की नई कार्यकारिणी के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए और कुछ आशंकाओं को भी व्यक्त किया।

एक साल के कार्यकाल में लोकप्रियता की बुलंदियों को छू गए नायब सिंह सैनी - वैशाली तोमर

भेदी नज़र जुबैर खान, नूंह। शुक्रवार को नूंह भाजपा के झिर कमल जिला कार्यालय पर पत्रकारवार्ता के दौरान प्रदेश प्रवक्ता वैशाली तोमर ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर कहा कि उन्होंने देश की 567 रियासतों को जोड़कर देश को एक किया। इसके बाद पीएम मोदी ने धारा 370 व 35 ए को हटाकर देश को दो निशान, दो विधान व दो संविधान से बहार निकाला। आज श्रीनगर के चौक पर भारत का तिरंगा गर्व के साथ लहरा रहा है। उन्होंने कहा कि आज उनकी पार्टी भारत को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बीते एक साल में नायब सिंह सैनी लोकप्रियता की बुलंदियां को छू गए है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने एक साल के कार्यकाल में कई अहम फैसले लिए हैं जिससे उनकी लोकप्रियता बढ़ी है। उन्होंने युवाओं को नौकरी महिलाओं को सस्ती गैस जैसे कई फैसलों से अपनी छाप छोड़ी हैं। अपने एक साल के कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मनोहर लाल की उम्मीदों पर खरे उतरे। इस दौरान उन्होंने जिलावासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पहले मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया में योग दिवस मनाया गया। इस बार दुनिया के132 देशों में पहली बार दीपावली का पर्व मनाया जा रहा है। यह पीएम नरेंद्र भाई मोदी के नेतृत्व में स्वर्णिम समय देखने को मिल रहा है। इस दौरान उन्होंने दावा किया आगामी बिहार राज्य में होने वाले विधनसभा चुनावों में एनडीए भारी बहुमत से जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार तीसरी बार सरकार बनने पर कार्यकर्ताओं में अपार हर्ष है। तीसरी बार सरकार बनने के एक साल होने पर सभी कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बधाई के पात्र है। उन्होंने कहा कि चाहे युवाओं के हितों की बात हो या फिर महिलाओं के सम्मान को भाजपा ने पूरा किया है। तीसरी बार सरकार आने का मतलब मोदी नायब की जोड़ी पर हरियाणा प्रदेश के लोगों का अटूट विश्वास है। इस मौके पर उनके साथ जिला मीडिया प्रभारी जतिन बुसरी व भाजपा जिला उपाध्यक्ष ममता चौहान मौजूद रही।

मिशन जागृति ने बाल सुधार गृह मे दीप संग मुस्कान कार्यक्रम का किया आयोजन

फरीदाबाद, (बिजेंद्र फौजदार) दीपावली के पावन अवसर पर मिशन जागृति द्वारा बाल सुधार गृह में दीप संग मुस्कान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के जीवन में मुस्कान, आशा और सकारात्मक ऊर्जा लाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिजेंद्र सोरोत, सचिव रेडक्रॉस, तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं उद्यमी साहिल नंबरदार, श्रीमती प्रतिमा गर्ग और गोपाल गोयल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और रंगोली से हुई। बच्चों ने गीत, नृत्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि श्री बिजेंद्र सोरोत ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि गलतियाँ जीवन का हिस्सा हैं, पर उनसे सीखकर आगे बढ़ना ही सच्ची सफलता है। उन्होंने बच्चों को सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य की दिशा तय करने के लिए प्रेरित किया। साहिल नंबरदार ने बच्चों को अनुशासन, आत्मविश्वास और अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया। प्रतिमा गर्ग ने शिक्षा और संस्कार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को अपने भविष्य का निर्माता बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की संयोजक एवं पूर्व महिला जिला अध्यक्ष लता सिंगला ने बच्चों को अपने लक्ष्य की ओर दृढ़ता और समर्पण से बढ़ने की प्रेरणा दी।

मिशन जागृति के संस्थापक प्रवेश मलिक ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली केवल रोशनी का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर आशा और सकारात्मकता जगाने का अवसर है। उन्होंने बच्चों को टीम बिल्डिंग गेम्स के माध्यम से एकता, सहयोग और आत्मविश्वास का संदेश दिया।

मिशन जागृति की सिलाई सेंटर की लड़कियों ने बाल सुधार गृह के बच्चों के साथ मिलकर सुंदर रंगोली बनाई, जिससे टीमवर्क और रचनात्मकता का वातावरण बना।

संस्था की ओर से राष्ट्रीय सचिव संतोष अरोड़ा, कोषाध्यक्ष महेश आर्य, राष्ट्रीय सचिव अशोक भटेजा, महिला जिला अध्यक्ष भावना चौधरी, उपाध्यक्ष दिनेश राघव, गोपाल गोयल, मोनिका अरोड़ा और प्रियंका सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। बाल सुधार गृह की ओर से श्याम सुंदर, बालकृष्ण, प्रमोद शर्मा, अनूप सिंह, ताराचंद, विपिन कुमार और अन्य अधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन पर बाल सुधार गृह की ओर से प्रमोद जी ने सभी अतिथियों और मिशन जागृति टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और समाज से जुड़ाव की भावना पैदा करते हैं।

सही सीपीआर देकर बेहोश को होश में लाया जा सकता है- डॉ एमपी सिंह

फरीदाबाद, मौहर पाल सिंह - 13 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक सरकार द्वारा सीपीआर जागरूकता सप्ताह चलाया जा रहा है जिसके तहत सिविल हॉस्पिटल फरीदाबाद के डिप्टी सीएमओ डॉ एमपी सिंह ने बीके अस्पताल में कार्यरत 60 जीडीए कर्मचारियों के लिए सीपीआर पर एक दिन का प्रशिक्षण शिविर लगाया जिसमें डॉ संध्या पपनेजा को नोडल अधिकारी और डॉ बंदना को कार्यक्रम अधिकारी बनाया जिसमें सीपीआर के मास्टर ट्रेनर डॉ एमपी सिंह ने बेहोश को होश में लाने के लिए सीपीआर का प्रशिक्षण दिया और सभी को डम्मी पर प्रैक्टिकल कराया क्योंकि सही सीपीआर देकर ही बेहोश की जान को बचाया जा सकता। उन्होंने कहा कि दिन प्रतिदिन आकस्मिक दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही है जिसमें 5000 से अधिक लोग सड़क दुर्घटना में मारे जा रहे हैं और 1200 से अधिक लोग घायलावस्था में घर में पड़े हुए जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं ।घायल और पीड़ितों की मदद करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है । उन्होंने कहा कि आकस्मिक सड़क दुर्घटना में घायलों का खून अधिक मात्रा में बह जाने व हृदय आघात हो जाने पर बेहोश हो जाते हैं यदि अतिशीघ्र उन्हें सीपीआर नहीं दिया गया तो उनके प्राण खतरे में पड़ सकते हैं लेकिन बेहोशी की हालत में खिलाने पिलाने का प्रयास नहीं करना चाहिए यह जानलेवा साबित हो सकता है सड़क दुर्घटना में मल्टी इन्जरीज हो जाती हैं जिसमें अतिशीघ्र सही प्राथमिक सहायता देने की जरूरत होती है यदि जरा सी चूक या लापरवाही हो जाये तो घायल दम तोड़ सकता है। उन्होंने सीपीआर का प्रैक्टिकल अभ्यास हर व्यक्ति के लिए बेहद जरूरी बताया और कहा कि जिसकी सांस बंद हो जाये या दिल धड़कना बंद कर दें तो उसी समय सीपीआर देकर उसकी श्वास को वापस लाया जा सकता है और दिल भी धड़कने लगता है।

नूंह डिपो की ऐतिहासिक छलांग 24 वें से 5वें-6वें पायदान पर पहुंचा, जीएम ने कर्मचारी शहीद हुसैन को किया सम्मानित

भेदी नज़र जुबैर खान, नूंह। हरियाणा राज्य परिवहन निगम नूंह डिपो ने महाप्रबंधक (जीएम) कुलदीप जांगड़ा के कुशल नेतृत्व और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास से एक शानदार उपलब्धि दर्ज की है। राजस्व और कार्यक्षमता के मामले में डिपो ने लंबी छलांग लगाते हुए प्रदेश के सभी डिपो में 24 वें स्थान से सीधे 5वें से 6वें पायदान पर अपनी जगह बना ली है। इस महत्वपूर्ण सफलता के बीच महाप्रबंधक कुलदीप जांगड़ा ने उत्कृष्ट कार्य के लिए कर्मचारी शहीद हुसैन (फिरोजपुर नमक) को सम्मानित किया। यह सम्मान न केवल शहीद हुसैन की व्यक्तिगत मेहनत को दर्शाता है, बल्कि समस्त नूंह डिपो के समर्पित कर्मचारियों के उत्साह को भी बढ़ाता है। कर्मचारी वर्ग में इस सम्मान को लेकर अत्यधिक प्रसन्नता है। शहीद हुसैन के एक करीबी सहयोगी ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि महाप्रबंधक कुलदीप जांगड़ा ने यह अच्छी पहल की है। इससे कर्मचारियों को और बेहतर करने का अवसर मिलेगा। बता दें कि नूंह डिपो की यह प्रगति जीएम जांगड़ा द्वारा लागू की गई प्रभावी रणनीतियों, रूटों में सुधार और कर्मचारियों के बीच बढ़े हुए अनुशासन का परिणाम है। डिपो के कर्मचारियों का जोश हाई है और उन्होंने संकल्प लिया है कि वे अपनी मेहनत जारी रखेंगे और जल्द ही नूंह डिपो को प्रदेश के सभी डिपो में नंबर 1 के पायदान पर लाने की कोशिश करेंगे।

सराय ख्वाजा में से नो टू क्रैकर जागरूकता अभियान - पटाखे न छोड़ने के पोस्टर जागरूक किया - क्लीन एयर और प्रदूषण रहित दीपावली

सराय ख्वाजा। फरीदाबाद स्थित गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने प्रधानाचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा के निर्देशानुसार स्वच्छ और हरित दीपावली के लिए विशेष जन अभियान के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया। संपूर्ण फरीदाबाद और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में निरंतर बढ़ रहे वायु प्रदूषण का सामना कर रहे स्थानीय निवासियों और समस्त देशवासियों से स्वच्छ और हरित दीपावली मनाने की अपील करते हुए विषैली गैस उत्सर्जित करने वाले घटकों एवं आतिशबाजी का प्रयोग न करने की प्रार्थना की।विद्यालय की क्लीन एवं प्रदूषण मुक्त दीपावली अभियान का संयोजन विद्यालय के प्राचार्य एवं जूनियर रेड क्रॉस व सैंट जॉन एम्बुलैंस ब्रिगेड प्रभारी रविन्दर कुमार मनचन्दा ने विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने सामूहिक रूप से किया। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण को प्रभावहीन करने के लिए विद्यालय द्वारा स्वच्छ एवं हरित दीपोत्सव पर्व मनाने के लिए जन साधारण को जागरूक और सतर्क किया जा रहा है हम सभी का यह दायित्व है कि हम स्वच्छ एवं हरित दीपावली मनाते हुए अपने पर्यावरण की प्रमुखता से सुरक्षा करें। विद्यालय प्राचार्य मनचन्दा ने जे आर सी व एस जे ए बी सदस्यों की स्वच्छ एवं हरित दीपावली मनाने के आह्वान पर सभी विद्यार्थियों ने सुंदर पोस्टर बना कर प्रदूषण रहित दीपावली मनाने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने स्वच्छ दीपावली के अंतर्गत पटाखे नही चलाएंगे प्रदूषण नही फैलाएंगे, ग्रीन दीपावली क्लीन दीपावली आदि पर आधारित पेंटिंग से विद्यार्थियों सहित सभी जनों को क्लीन और सुरक्षित दीपावली मनाने की अपील की। जूनियर रेडक्रॉस और ब्रिगेड सदस्य विद्यार्थियों ने ग्रीन दीपावली का संदेश दिया। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा, प्राध्यापिका गीता, सरिता, सोनिया जैन, सुशीला, ममता सहित अन्य अध्यापकों ने से नो टू क्रैकर के लिए सभी विधार्थियों को पटाखा रहित दीपावली मनाने के लिए जागरूक किया। पोस्टर मेकिंग कॉम्पिटिशन में नेहा शर्मा को प्रथम, मोहिका को द्वितीय और खुशी को तृतीय घोषित किया। सभी विजेता विद्यार्थियों को शनिवार को असेंबली में पारितोषिक दिया जाएगा।

दीपावली महोत्सव का मैक कॉन्वेंट स्कूल में आयोजन

फरीदाबाद। मैक कॉन्वेंट स्कूल एनएच-3 में दिवाली मेला मंगलम दीपावली महोत्सव का आयोजन धूम-धाम से किया गया। इसमें गेमिंग जोन, फूड स्टॉल और सजावट के समानों के स्टॉल थे। इसके अतिरिक्त डी जे भी लोगों के आकर्षण का कारण बना। इस अवसर पर प्रधानाचार्या महोदया श्रीमती स्वाति तनेजा यहाँ उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त निदेशक महोदया श्रीमती रीटा तनेजा, निदेशक महेंद्र तनेजा और गियर अप इंडिया प्रा0 लि0. के एमडी रवीश रवीश तनेजा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। लोगों ने इस मेले का भरपूर आनंद उठाया और बढ़ चढ़कर इसमें भाग लिया। मेले में लोगों का उत्साह देखने लायक था। बड़े और बच्चे सभी ने यहाँ खूब एन्जॉय किया। भारी संख्या में लोग यहाँ आए और इस मेले को सफल बनाया।

दिवाली पर्व है खुशियों का, आओ मिलकर मनाएं दीए जलाएं

फरीदाबाद- सेंट एंथनी स्कूल सेक्टर 9 फरीदाबाद के प्रांगण में स्कूल के छात्र छात्राओं ने राम- लक्ष्मण,सीता,हनुमान जी रावण का अभिनय कर लोगों को संदेश दिया हर परंपरा एक ही मुख्य विषय पर केंद्रित है अंधकार से मुक्ति चाहे अज्ञानता का अंधकार हो, अहंकार का अंधकार हो या निराशा का, दिवाली हमें प्रकाश की ओर सत्य प्रेम और दिव्य ज्ञान की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करती है दीप जलाने के अलावा लोग समृद्धि लाने वाले देवी लक्ष्मी के स्वागत के लिए अपने घरों की सफाई और सजावट भी करते हैं. श्री राम मर्यादा पुरुषोत्तम राम कहलाये, जिन्होंने संसार को संदेश दिया अधर्म पर धर्म की विजय हमेशा होती है. हनुमान जी ने अपनी भक्ति का संदेश दिया उनके हृदय में माता सीता और भगवान राम विराजमान रहते थे. लक्ष्मण का भाई के प्रति प्रेम संसार में वंदनीय है. वह परछाई बनकर भगवान के साथ रहते थे. माता सीता ने लंका में रहकर भी अपने पतिव्रत धर्म का पालन किया रामायण का हर एक पात्र एक आदर्श है. इसी आदर्श को नन्हे मुन्ने बच्चों ने बाल कलाकार के रूप में अभिनय कर विद्यालय को गौरवान्वित किया.

अपराध शाखा होड़ल द्वारा भारी मात्रा में अवैध बम-पटाखे /विस्फोटक सामग्री बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

पलवल भेदी नजर अरविन्द बक्शी । पुलिस अधीक्षक पलवल वरुण सिंगला भा.पु.से. के कुशल मार्गदर्शन में त्यौहारों के मध्यनजर अवैध गतिविधियों पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अपराध शाखा होडल ने बड़ी मात्रा में अवैध बम-पटाखे और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। कार्रवाई में 1800 किलो से अधिक विस्फोटक सामग्री जब्त तथा मौके पर आरोपी को काबू किया गया । सीआईए होडल के इंचार्ज निरीक्षक जगमिंदर सिंह के अनुसार मामले में पुलिस को 16 अक्टूबर की रात को सूचना मिली थी कि मानपुर गांव के खेतों में चारदीवारी के अंदर अवैध रूप से पटाखे बनाने की फैक्ट्री चलाई जा रही है। सूचना पर उप निरीक्षक हरदोई लाल के नेतृत्व में उनकी टीम ने तुरंत मानपुर के खेतों में बनी फैक्ट्री पर छापा मारा। मौके पर एक युवक को पटाखे बनाते हुए रंगे हाथों पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम स्वामीका का रहने वाला मोहिल पुत्र खुर्शीद बताया। मोहिल ने पुलिस को बताया कि यह फैक्ट्री हथीन के रहने वाले अल्लू उर्फ अलमुद्दीन द्वारा चलाई जा रही है। फैक्ट्री चलाने का कोई लाइसेंस उनके पास नहीं है। पुलिस ने फैक्ट्री की तलाशी ली, जहां 28 प्लास्टिक कट्टों में भरे तिल्ली पटाखे मिले, जिनका कुल वजन 1899 किलो 83 ग्राम था। इसके अलावा तीन पेटी में तैयार तिल्ली पटाखे की डिब्बी जिनका वजन 119 किलो 59 ग्राम और एक पेटी तिल्ली पटाका पैकिंग जिनका वजन तीन किलो 710 ग्राम भी बरामद हुई। पटाखा निर्माण के लिए रखी गई सामग्री में करीब 18 किलो पोटास, 14 किलो नमक और 45 किलो कोयला पाउडर भी मिला। मौके से एक चरखी मय बिजली मोटर और एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा भी जब्त किया गया। अवैध विशफोटक सामग्री को नियमानुसार कब्जा पुलिस में लिया गया। तथा आरोपी के खिलाफ थाना मुंडकटी में अभियोग सख्या 272 दिनांक 17.10.2025 धारा 9(क्) श्ब्द्ध्क्क्ष- स्द्धड्क्ष्श्च ष्ट्ठ्र के तहत मुकदमा दर्ज करके आगामी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है । पलवल पुलिस का संदेश ÷सार्वजनिक सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अवैध विस्फोटक सामग्री की तस्करी व बिक्री किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी । यदि किसी नागरिक के पास ऐसी किसी गतिविधि के सम्बन्ध में सूचना है तो वे नज़दीकी थाना/पुलिस कंट्रोल रूम को तुरंत सूचित करें।

पेड़ लगाना प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और हरित भविष्य की जिम्मेदारी - कृष्णपाल गुर्जर

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत फरीदाबाद में सघन वन कार्यक्रम आयोजित, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने किया पौधारोपण

फरीदाबाद। हरियाली को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आज सेक्टर-59, फरीदाबाद स्थित नेशनल हाईवे की ग्रीन बेल्ट पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सघन पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने स्वयं पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के महत्व पर बल दिया। उनके साथ बल्लभगढ़ के विधायक मूलचंद शर्मा ने भी पौधारोपण करते हुए अभियान में सहभागिता दर्ज कराई। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्ष मानव जीवन की आधारशिला हैं, जो हमें शुद्ध वायु, स्वच्छ जल और संतुलित पर्यावरण प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना केवल एक कार्य नहीं बल्कि प्रकृति और धरती माँ के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी केवल सरकार या किसी संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि

यदि प्रत्येक परिवार अपने आसपास एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करें, तो आने वाले समय में हमारा समाज और अधिक हरा-भरा एवं स्वच्छ बनेगा। श्री गुर्जर ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे

पौधारोपण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और दूसरों को भी इस दिशा में प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि प्रकृति से जुड़ाव ही हमारे जीवन को स्वस्थ, संतुलित और दीर्घकालिक बनाता है, और यही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार है। इस अवसर पर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की प्रशासक अनुपमा अंजलि, एस्टेट ऑफिसर नवीन कुमार, एस.ई. संदीप दहिया, विभागीय अधिकारीगण, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पौधारोपण करते हुए स्वच्छ, हरित और सतत पर्यावरण के निर्माण का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

2029 से पहले साफ हो जाएगी यमुना... गृह मंत्री अमित शाह का बड़ा दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की लाइफलाइन माने जाने वाली यमुना नदी, जो सालों से प्रदूषण की मार झेल रही है। इसे लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले यमुना पूरी तरह स्वच्छ हो जाएगी। उन्होंने कहा कि ये लाखों लोगों की आस्था से जुड़ा मामला है। एक चैनल के कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि यमुना को शुद्ध करना वोट बैंक का मुद्दा नहीं है। यमुना की सफाई करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का विषय है। उन्होंने कहा कि यमुना जी की ही कृपा है जो उनके किनारे के सभी राज्यों में हमारी सरकार है। उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली से होते हुए यूपी के प्रयागराज में यमुना मिलती है। ये सभी राज्य आज भाजपा शासित ही हैं। गृह मंत्री ने कहा कि अभी छठ दूज-यम द्वितीया पर लाखों लोग यमुना घाट पर जाते हैं लेकिन प्रदूषण की वजह से यमुना में स्नान नहीं कर पाते। उन्होंने कहा, आप इस बात को मान कर चलिए कि 2029 के चुनाव से पहले यमुना शुद्ध हो जाएगी। भाई दूज के दिन कोई भी भाई यमुना में जाकर स्नान कर पाएगा।

कर्तव्य पथ दो लाख दीपों से जगमगाएगा, भव्य दीवाली की तैयारी; सीएम का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली भारत की क्रिएटिव कैपिटल बनने की राह पर है। उन्होंने कहा कि अगले 80 दिनों में दिल्ली में तीस से ज्यादा भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। दीवाली पर कर्तव्य पथ को दो लाख दीयों से सजाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन आयोजनों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम तैयार किया गया है। इसके अलावा 20 से अधिक चौराहों को सजाने की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को दी गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पर्यटन तथा कला संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि ट्रैविस स्कॉट, कृष्ण दास, जाकिर खान, पैपोन, एपी ढिल्लों, अरमान मलिक, जोनिता गांधी, राधिका दास दिल्ली में कार्यक्रम करेंगे। यह पहल दिल्ली सरकार, इवेंट एंड एंटरटेनमेंट मैनेजमेंट एसोसिएशन (फेमा) और पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के संयुक्त सहयोग से की जा रही है। सीएम ने कहा कि राज्यों के लिए कॉन्सर्ट इकॉनमी महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र है। इस पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। सरकार ने इसे समझा है कि केंद्र और दिल्ली सरकार के अधीन सभी प्रमुख स्टेडियम जैसे जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, इंदिरा गांधी स्टेडियम, नेशनल स्टेडियम, त्यागराज स्टेडियम और छत्रसाल स्टेडियम के टैरिफ रेट कम किए जाएं और उनकी सुविधाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उन्नत किया जाए। रेखा गुप्ता ने कहा कि अनुमति, सुरक्षा और दूसरे इंतजाम की प्रक्रिया को सरल किया गया है। दिल्ली में कार्यक्रमों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम को लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इसका सफल उपयोग कांवड़ यात्रा, रामलीला, दुर्गा पूजा और छठ पर्व के आयोजन में हो चुका है। इसके अच्छे परिणाम मिले हैं। इसी मॉडल को इवेंट सेक्टर में लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में मनोरंजन उद्योग करीब 150 अरब रुपये का है। दिल्ली सरकार बड़े चौराहों को सजाएगी। इंडिया गेट पर दो दिन का भव्य आयोजन होगा। इसके साथ प्रमुख चौराहों पर लाइटिंग की जाएगी। सिग्नेचर ब्रिज, मंडी हाउस, आईटीओ समेत शहर की प्रमुख इमारतों और चौराहों को सजाया जाएगा। यह जिम्मेदारी पीडब्लूडी को दी गई है।

खुलेआम बिक रहे बैन पटाखे, लाइसेंस तक लेने को तैयार नहीं कारोबारी

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली में दीवाली की चमक के बीच पटाखों का बाजार गर्म है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के ताजा नियमों ने इस बार व्यापारियों के उत्साह पर पानी फेर दिया है। कोर्ट ने दीवाली के लिए ग्रीन पटाखों की बिक्री को हरी झंडी दी, लेकिन दिल्ली के व्यापारी इस मौके को भुनाने में ज्यादा उत्साहित नहीं दिख रहे। गुरुवार को शुरू हुई दो दिन की लाइसेंस प्रक्रिया में सिर्फ 15 व्यापारियों ने आवेदन किया। आखिर क्या है इस बेरुखी की वजह? चलिए समझते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन पटाखों की बिक्री के लिए 18 से 20 अक्टूबर तक का समय दिया है और इन्हें जलाने की इजाजत भी सिर्फ दो खास समय-सीमाओं में दी है- 19 और 20 अक्टूबर को सुबह 6 से 7 और रात 8 से 10 बजे। लेकिन दिल्ली के बाजारों में नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। सआदत बाजार से लेकर लाजपत नगर तक, सड़कों पर चकाचौंध करने वाले पटाखों की बिक्री जोरों पर है, वो भी बिना किसी लाइसेंस के। फुलझड़ियों से लेकर आसमान छूने वाले रॉकेट तक, सब कुछ खुलेआम बिक रहा है। लाइसेंस लेने की प्रक्रिया भी कोई आसान नहीं है। व्यापारियों को दिल्ली के 15 डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस में से किसी एक के पास आवेदन करना पड़ता है, साथ में ढेर सारे दस्तावेज जमा करने पड़ते हैं। जिसमें एफिडेविट, फायर डिपार्टमेंट से एनओसी, साइट प्लान और 200 रुपये का बैंक ड्राफ्ट शामिल है। इसके बाद स्थानीय पुलिस स्टेशन से वेरिफिकेशन भी करवाना पड़ता है। सबसे बड़ी दिक्कत ये है कि इस प्रक्रिया को सिर्फ दो दिन में करना है। इसी वजह से दिल्ली के 15 पुलिस जिलों में से छह नई दिल्ली, साउथईस्ट, द्वारका, ईस्ट, नॉर्थवेस्ट और आउटर में एक भी आवेदन नहीं आया। सबसे ज्यादा आवेदन साउथवेस्ट जिले में आए, वो भी सिर्फ तीन।

ग्रीन पटाखों की कमी, नकली लेबल का खेल: बाजार में ग्रीन पटाखों की कमी भी व्यापारियों के लिए सिरदर्द बनी हुई है। तीन दशकों से पटाखे बेच रहे सीलमपुर के एक थोक व्यापारी हरि शंकर ने कहा, लाइसेंस मिल भी जाए, तो ग्रीन पटाखे कहां से लाएं? थोक में सप्लाई ही नहीं है। मैंने तो आवेदन कर दिया, लेकिन ये बस एक जोखिम है। वहीं, कुछ व्यापारी नकली ग्रीन पटाखों के खेल में भी उलझे हैं। अधिकारियों का कहना है कि बाजार में नकली क्यूआर कोड और फर्जी लेबल वाले पटाखे खूब बिक रहे हैं।

लाजपत नगर के एक व्यापारी ने बताया कि वो ऑनलाइन ऑर्डर भी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस को पता है कि दुकान में ज्यादा स्टॉक रखने से पकड़े जाएंगे। इसलिए हम स्टॉक छुपाते हैं और ग्राहकों को उनके घर या पास की जगह पर डिलीवरी देते हैं। आज ही 10 ऑर्डर मिल चुके हैं। ग्रेटर कैलाश के एक छोटे से स्टॉल वाले ने कहा, लोग कई दिनों से खरीद रहे हैं। अब लाइसेंस के लिए क्या भागदौड़ करें?

दिल्ली पुलिस ने नियमों को लागू करने के लिए स्पेशल टीमें बनाई हैं। स्पेशल सीपी (क्राइम) देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा, बैन किए गए पटाखों की बिक्री या इस्तेमाल, चाहे ऑनलाइन हो या कूरियर से, सख्त कार्रवाई को बुलावा देगा। लेकिन हकीकत में ये इतना आसान नहीं है। पिछले साल, जब पूरी तरह से पटाखों पर बैन था, तब भी लोग खुलेआम पटाखे जला रहे थे। एक हेड कांस्टेबल ने बताया, लोग गाजियाबाद और गुरुग्राम से पटाखे लाए। कुछ ने तो हम पर जलते हुए पटाखे तक फेंके जब हमने रोकने की कोशिश की।

दिल्ली पुलिस का नया फैसला

हर यूनिट के 80 प्रतिशत कर्मी सड़कों पर रहेंगे सक्रिय

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारों के बीच दिल्ली पुलिस ने एक बड़ा फैसला लिया है। सभी यूनिटों में अब फील्ड और ऑफिस ड्यूटी का अनुपात 80:20 होगा। राजधानी के हर यूनिट में करीब 80 फीसदी पुलिसकर्मी सड़क पर सक्रिय रहेंगे, जबकि 20 फीसदी ऑफिस का काम संभालेंगे।

पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने सभी यूनिटों का ऑडिट कराने के बाद यह निर्णय लिया है। इसके लिए दिल्ली पुलिस मुख्यालय ने यूनिट प्रमुखों को निर्देश दिया है कि 80-20 अनुपात जल्द से जल्द लागू किया जाए। ऐसा होने पर दिल्ली पुलिस देश की पहली ऐसी पुलिस बन जाएगी, जिसमें हर यूनिट में यह अनुपात सुनिश्चित होगा।

दरअसल, ऑडिट में कुछ यूनिटों में फील्ड में पर्याप्त कर्मी नहीं पाए गए थे। कुछ यूनिटों में यह संख्या 40 से 60 फीसदी तक ही थी। अनुपात में यह कमी कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग पर असर डाल रही थी। इसलिए पुलिस कमिश्नर ने सभी यूनिटों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि फील्ड में पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़े।

पुलिस कमिश्नर का जोर है कि फील्ड ड्यूटी में सक्रियता बढ़ने से अपराधियों में डर बना रहेगा और अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी। इससे पीड़ित को आपात स्थिति में तुरंत मदद मिलेगी और कानूनी कार्रवाई तेज होगी। हादसों से निपटने के लिए दिल्ली दमकल विभाग ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस बार 66 दमकल स्टेशनों से कुल 321 गाड़ियां तैनात की जाएंगी और भीड़भाड़ वाले इलाकों के लिए अतिरिक्त बल की व्यवस्था की गई है। दिल्ली पुलिस ने त्योहार पर भारी भीड़ के कारण यातायात को प्रभावित होने से बचाने के उद्देश्य से गुरुवार को को सभी ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दीं। विशेष पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) अजय चौधरी ने कहा कि शहर में अधिकतम तैनाती की गई है। मोटरसाइकिल पर कर्मियों को तैनात किया गया है और छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। हम आने वाले दिनों में भीड़ को प्रबंधित करेंगे।

दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए विंटर एक्शन प्लान लागू, सर्दी में नहीं होगी दमघोंटू हवा!

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने 2025-26 के लिए विंटर एक्शन प्लान लागू कर दिया है। यह योजना अक्तूबर से फरवरी के बीच होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए बनाई गई है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि इसमें सात प्रमुख थीम और 25 एक्शन प्वाइंट शामिल हैं। सड़क धूल और निर्माण प्रबंधन, वाहन उत्सर्जन, उद्योग व ऊर्जा क्षेत्र, कचरा व खुले में आगजनी, नागरिक भागीदारी व निगरानी और ग्रीन इनोवेशन इसमें शामिल हैं। सिरसा की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी कदम तय समय सीमा में पूरे हों और ग्रीन वार रूम से उनकी रियल टाइम मॉनिटरिंग हो। उन्होंने कहा कि इस सर्दी प्रदूषण नियंत्रण के नियमों के अनुपालन पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपस में समन्वय बनाकर एक्शन प्लान के निर्देशों का पालन करें। सरकार ने 86 मैकेनिकल रोड स्वीपर, 300 स्प्रिंकलर और 362 एंटी-स्मॉग गन पहले से ही तैनात किए हैं। इसके अलावा 70 और नए स्वीपिंग मशीन लाए जाएंगे। सरकार की ओर से कहा गया कि 578 टीमें सड़कों पर धुआं, पीयूसी और इंजन चालू रखे जाने के उल्लंघन पर निगरानी कर रही हैं। इसके अलावा 953 पीयूसी केंद्र अब ट्रांसपोर्ट विभाग के डैशबोर्ड से लाइव जुड़े हैं। 500 वर्गमीटर से बड़े हर निर्माण प्रोजेक्ट के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। साथ ही 3,000 वर्गमीटर से बड़े प्रोजेक्ट के लिए एंटी-स्मॉग गन लगाना जरूरी।

भाजपा का झूठ बेनकाब'; आप के सौरभ भारद्वाज ने छठ से पहले दिल्ली में यमुना सफाई पर सीएम को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने छठ पूजा से पहले यमुना नदी की सफाई के तरीकों को लेकर दिल्ली की भाजपा सरकार पर पाखंड करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली भाजपा ने पहले नदी की सफाई के लिए केमिकल के इस्तेमाल का विरोध किया था, लेकिन अब खुद वही तरीके अपना रही है।

सौरभ भारद्वाज ने याद दिलाया कि 2022 में छठ पूजा से पहले अरविंद केजरीवाल सरकार ने यमुना नदी से झाग हटाने के लिए केमिकल का छिड़काव किया था, जिससे छठ पूजा करने वालों के लिए साफ वातावरण सुनिश्चित हुआ। हालांकि, तब भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने इन केमिकल को 'जहरीला' बताते हुए इसकी आलोचना की थी।

'आप' के दिल्ली अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री जिस तरह से दिल्ली की जनता से झूठ बोल रही हैं, हमने उसका पूरी तरह से पर्दाफाश कर दिया है। 2022 में छठ पूजा से पहले, जब अरविंद केजरीवाल की सरकार ने यमुना में झाग हटाने के लिए केमिकल का छिड़काव किया था तो प्रवेश वर्मा वहां आए और कहा कि यह केमिकल यमुना को जहरीला बना देगा। भारद्वाज ने आगे कहा, आज, वही केमिकल जिसे उन्होंने दो साल पहले जहरीला बताया था... वही केमिकल दिल्ली जल बोर्ड ने एक टेंडर के जरिये मंगवाया है। भारद्वाज ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी ने इस 'झूठ का पूरी तरह से पर्दाफाश' कर दिया है कि कैसे 2022 में छठ पूजा से पहले यमुना की सफाई के प्रयासों को लेकर भाजपा नेताओं ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को झूठा निशाना बनाया था। भारद्वाज ने कहा, इस तरह, उनका झूठ उजागर हो गया है, द्वेष के कारण, उन्होंने छठ भक्तों को परेशान करने के लिए दिल्ली सरकार को झाग हटाने की अनुमति नहीं दी थी ताकि झाग बने रहें और छठ पूजा न मनाई जाए। 'आप' नेता का यह बयान दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और मंत्री कपिल मिश्रा द्वारा गुरुवार को कालिंदी कुंज छठ घाट पर आगामी छठ पर्व की तैयारियों का जायजा लेने के बाद आया है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा था कि राजधानी में छठ पर्व मनाने वाली महिलाएं इस वर्ष गंदगी रहित और झाग मुक्त यमुना में सूर्य देव की पूजा कर सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के उपायों से नदी की स्थिति में काफी सुधार हुआ है।

डीयूएसयू की जॉइंट सेक्रेटरी दीपिका झा ने प्रोफेसर को मारा थप्पड़, मच गया बवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज में शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां दिल्ली छात्र संघ की जॉइंट सेक्रेटरी दीपिका झा और एबीवीपी के छात्र नेताओं ने तीखी बहस की और एक प्रोफेसर को थप्पड़ जड़ दिया। दीपिका झा द्वारा प्रोफेसर को थप्पड़ मारने का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और दीपिका झा की काफी आलोचना की जा रही है।

डूसू की जॉइंट सेक्रेटरी दीपिका झा ने प्रोफेसर को पुलिस के सामने थप्पड़ मारा है। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस अधिकारी और कुछ छात्र मौके पर मौजूद हैं। इन सबकी मौजूदगी में प्रोफेसर और दीपिका झा के बीच किसी बात को लेकर बहस हो रही है। इतने में दीपिका उठती हैं और प्रोफेसर को थप्पड़ मार देती हैं। उनके थप्पड़ मारने का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार, जिस प्रोफेसर पर दीपिका ने हमला किया, उनका नाम सुजीत कुमार है। सुजीत डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज के डिसिप्लिनरी कमिटी के कन्वीनर हैं। डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट की तरफ से जारी बयान के अनुसार, सुजीत कुमार के साथ कमिटी कैंपस में हाल में हुई हिंसक घटनाओं की जांच कर रही थी, जिसमें एबीवीपी के सदस्यों ने दूसरे छात्रों पर हमला किया था। दिल्ली यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन ने वाइस चांसलर को लेकर लिखकर तुरंत मामले पर ऐक्शन की मांग की है। डूटा की तरफ से लिखे गए लेटल में कहा गया है कि हमें ह जानकर पहुत दुख हुआ कि अंबेडकर कॉलेज के एक सीनियर फैकल्टी मेंबर को कॉलेज के अंदर स्टूडेंट्स के एक रूप ने थप्पड़ मारा और हमला किया। डूटा ने कहा कि जब ऊपर हमला हुआ, वो अपनी ड्यूटी कर रहे थे। इस तरह की हिंसा की एक एकेडमिक संस्थान में कोई जगह नहीं है और यह टीचिंग कम्युनिटी का अपमान है। डूटा ने कहा कि इस तरह के हमलों से टीचर्स और स्टूडेंट दोनों में भय का माहौल बनता है।

यूपी में भी हो सकता था राजस्थान जैसा कांड, एक्सप्रेसवे पर जल उठी बस

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान जैसा कांड यूपी में भी हो सकता था। गनीमत रही कि आग अंदर तक नहीं पहुंची और करीब 50 यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई। गौतमबुद्ध नगर जिले के दनकौर थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर गुरुवार रात एक चलती लग्जरी बस में आग लग गई। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि निजी बस पंजाब के लुधियाना से आगरा जा रही थी और उसमें करीब 50 यात्री सवार थे। उन्होंने कहा कि बस जब यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते ग्रेटर नोएडा से गुजर रही थी, तभी उसकी छत पर रखे सामान में भीषण आग लग गई। चालक ने आग का पता चलते ही बस रोक दी और यात्री बाहर आ गए। अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच के मुताबिक, दिवाली से पहले की जा रही आतिशबाजी की वजह से चिंगारी चलती बस की छत पर गिरी जिसके कारण आग लग गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लोग इसके साथ राजस्थान में हुए हादसे का जिक्र करते हुए यात्रियों की जान बचने पर ऊपरवाले का आभार जता रहे हैं। मंगलवार को राजस्थान के जैसलमेर में एक एसी बस में आग लग जाने से 21 यात्रियों की दर्दनाक तरीके से मौत हो गई थी तो एक दर्जन से अधिक लोग बुरी तरह झुलस गए।

जाम से थमी दिल्ली; दिवाली की खरीदारी के लिए भारी भीड़ से चोक हुई सड़कें

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में दिवाली की खरीदारी के लिए गुरुवार को भारी भीड़ उमड़ी। बाजारों में भारी भीड़ और सड़क पर वाहनों के दबाव की वजह से राष्ट्रीय राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था चरमराती नजर आई। आलम यह कि दिल्ली में गुरुवार को लगे सैकड़ों किलोमीटर लंबे जाम ने लोगों की हालत खराब कर दी। सदर बाजार, भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक, सरोजिनी नगर सहित अन्य बाजारों में शाम पांच बजे के बाद लोगों की भीड़ और वाहनों के दबाव की वजह से भारी दिक्कतें हुईं।

लोग बाजारों के आसपास जाम के जंजाल में घंटों फंसे रहे। दिल्ली की सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए। राजधानी के दक्षिणी से लेकर उत्तरी हिस्से और पूर्वी से लेकर पश्चिमी सभी दिशाओं के प्रमुख बाजारों के आसपास के इलाके प्रभावित रहे। सड़कों और चौराहों पर वाहनों की लंबी लाइन लग रही। मध्य दिल्ली, यमुनापार समेत कई अन्य इलाकों में तीन से चार घंटे तक लोग जाम में फंसे रहे।

दक्षिणी दिल्ली में सरोजिनी नगर, सेंट्रल मार्केट लाजपत नगर, युसूफ सराय मार्केट, नेहरू प्लेस, साकेत-जे ब्लॉक और अनुपम सिनेमा मार्केट, ग्रेटर कैलाश, आईएनए मार्केट से ग्रीन पार्क तक भीषण जाम रहा। उत्तरी दिल्ली में सदर चौक, खारी बावली, कुतुब रोड चौक से लेकर चांदनी चौक, फतेहपुरी, लालकिला, करोल बाग और आसपास के इलाके में भारी जाम रहा। पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन, कमला नगर, तिलक नगर से लेकर पंजाबी बाग तक सड़कें चोक रहीं। वाहनों के लोड से दिल्ली की सड़कें चोक हो गईं। आलम यह कि गूगल मैप दिल्ली और उसके आस-पास के एनसीआर के इलाकों के लिए रेड मोड पर चला गया। लोग घंटों लंबे ट्रैफिक जाम में फंसे रहे।

ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि त्योहारी सीजन में लोगों की बाजारों में भीड़ के कारण जाम की स्थिति बन रही है, इसलिए लोग अनावश्यक यात्रा से बचें और ज्यादा से ज्यादा सार्वजनिक परिवहन खासतौर से बाजारों में जाने के लिए मेट्रो का इस्तेमाल करें। भीड़भाड़ वाले बाजारों में जाने से पहले वैकल्पिक मार्ग की जानकारी अवश्य लें। आउटर रिंग रोड और रिंग रोड, प्रगति मैदान और बदरपुर बॉर्डर के बीच मथुरा रोड, अरबिंदो मार्ग, बारापुला एलिवेटेड रोड, दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट (डीएनडी) फ्लाईवे, गाजियाबाद जाने वाला दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे जैसे प्रमुख मार्गों पर लंबा जाम रहा। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को स्थिति को संभालने के लिए सभी ट्रैफिक कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दीं।

एक यूजर ने एक्स पर अपनी भड़ास निकालते हुए कहा कि 2 घंटे से ज्यादा समय से एक ही जगह पर फंसा हूं, कुछ भी नहीं चल रहा है। 112 पर 3 से 4 बार कॉल किया, लेकिन कॉल कटती रही। मैंने दिल्ली में ऐसा ट्रैफिक पहले कभी नहीं देखा। ट्रैफिक पुलिस की ओर से दिन में तीन घंटे के लिए डायवर्जन प्लान लागू किए जाने के बाद हालत बिगड़ गए। इसमें आईटीओ चौक, बीएसजेडड मार्ग, जेएलएन मार्ग, राजघाट क्रॉसिंग, शांति वन क्रॉसिंग, हनुमान मंदिर, आईएसबीटी कश्मीरी गेट, मठ बाजार, चंदगीराम अखाड़ा, दिल्ली विधानसभा, विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन और दिल्ली विश्वविद्यालय नॉर्थ कैंपस शामिल हैं।

संपादकीय

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में सामने आई लापरवाही

सरकार की ओर से समाज के विभिन्न वर्गों के लिए नई-नई योजनाएं लागू की जाती हैं, मगर इनका लाभ पात्र लोगों तक पहुंच पाता है या नहीं, इस पर शायद ही कोई ध्यान दिया जाता है। इससे न केवल सरकारी धन का बेजा इस्तेमाल होता है, बल्कि वे लोग भी लाभ से वंचित रह जाते हैं, जिन्हें केंद्र में रखकर योजना तैयार की जाती है। यही वजह है कि सरकार की कई महत्त्वाकांक्षी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाती हैं। संबंधित अधिकारियों की लापरवाही और निगरानी तंत्र का अभाव इसकी बड़ी वजह है।किसानों की आर्थिक मदद के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का भी यही हाल है। इसके तहत किसान परिवार का एक सदस्य ही लाभ ले सकता है। मगर केंद्रीय कृषि मंत्रालय की सत्यापन जांच में पाया गया कि बड़ी संख्या में पति और पत्नी दोनों ही इस योजना के लाभार्थी बने हुए हैं। सवाल है कि इस तरह की योजनाओं में आर्थिक सहायता से पहले पात्रता की जांच करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की जाती? प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि केंद्र सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी योजना है। इसमें हर वर्ष तीन किस्तों में किसान परिवार के एक सदस्य को दो-दो हजार रुपए की राशि देने का प्रावधान है। इस रकम को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के जरिए सीधे बैंक खाते में जमा किया जाता है। अगर यह नियम है, तो यह कैसे संभव हुआ कि एक ही घर से दो लोगों को राशि हस्तांतरित की जाती रही। जिन अधिकारियों के माध्यम से राशि जारी की जा रही थी, न तो उन्होंने और न ही संबंधित बैंक प्रबंधन ने कभी इस पर गौर करने की जरूरत महसूस की। इस योजना के अंतर्गत उन्नीस लाख से अधिक किसानों के सत्यापन से पता चला है कि इनमें 17.87 लाख पति-पत्नी ही लाभार्थी थे। इस हिसाब से करीब चौरानवे फीसद दंपति इस योजना का लाभ ले रहे थे। यह पहली बार नहीं है, जब किसी अहम योजना के क्रियान्वयन में इस तरह की लापरवाही सामने आई है। ऐसे में शासन-प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तरह की योजनाओं की नियमित निगरानी हो, ताकि पात्र लोगों को इनका लाभ मिल सके।

कुछ लोगों को यह बात 'छोटी-सी' लग सकती है, लेकिन इसमें बड़े संकेत छुपे हुए हैं। जो हुआ, उस पर अगर मीडिया जगत और विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त न की होती तो शायद इस घटना को भी तालिबान से मजबूरन की जा रही दोस्ती के कालीन के नीचे सरका दिया जाता।

उठते सवाल- महिला पत्रकार, तालिबानी सोच और दोस्ती की मजबूरियां!

(अजय बोकिल)

बेशक, दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान की भू राजनीतिक परिस्थिति, उससे हमारे ऐतिहासिक रिश्तों, बदलते वैश्विक समीकरण चलते और भारत के व्यापक अंतरराष्ट्रीय हितों के मद्देनजर तालिबान से दोस्ती सही मानी जा सकती है, लेकिन यह दोस्ती उन तालिबानी मूल्यों से कतई नहीं हो सकती, जो मध्ययुगीन और महिलाओं के प्रति दुराग्रह और प्रतिगामी सोच से भरे हैं। जबकि हमारे भारतीय मूल्य लिंग, धर्म अथवा जाति भेद से परे समानता, समता और सभी को न्याय की संवैधानिक गारंटी पर आधारित हैं।

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात के बाद अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी ने अपने देश के दिल्ली स्थित दूतावास में जो पहली पत्रकार वार्ता की, उसमें भारतीय महिला पत्रकारों को नहीं बुलाया गया। इस पर बवाल मचना ही था, क्योंकि इसे काबुल सरकार की वर्तमान सोच की संदर्भ में इस घटना को देखा गया।

महिला पत्रकारों और और 'एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया' ने अफगान दूतावास द्वारा इस लैंगिक भेदभाव की कड़ी आलोचना की। इसके बाद भारत सरकार ने मामले से यह कहकर पल्ला झाड़ा कि उसका इसमें कोई रोल नहीं है। अफगान दूतावास के अंदर क्या होता है, वह वही जानें। जबकि अफगान दूतावास (जो कल तक खुद तालिबान सरकार के खिलाफ था) ने सफाई दी कि भारतीय महिला पत्रकारों को प्रेस कांफ्रेंस से अलग रखने का उसका कोई सुचिंतित इरादा नहीं था। यह पत्रकारवार्ता जल्दबाजी में कुछ पत्रकारों को बुलाकर आयोजित की गई थी।

प्रतिक्रिया का दिखा असर: भारत में व्यापक प्रतिक्रिया के बाद रविवार को अफगान दूतावास में दूसरी पत्रकारवार्ता में न केवल महिला पत्रकारों को बुलाया गया, बल्कि उन्हें आगे बिठाया गया। यह संदेश देने की कोशिश थी कि महिला पत्रकारों के मुद्दे पर न तो अफगानिस्तान भारत से और न भारत अफगानिस्तान से रिश्ते बिगाड़ना चाहता है। लेकिन इसका अर्थ नहीं है कि महिलाओं को लेकर तालिबानी सोच में रत्तीभर भी फर्क आया हो।

वैसे यह सवाल राजनीतिक, कूटनीतिक और मीडिया जगत में भी तैर रहा है कि मोदी सरकार कट्टरपंथी तालिबान को इस तरह गले क्यों लगा रही है क्या यह स्वागत-सत्कार केवल संकट कालीन मजबूरी है, भू-राजनीतिक हालात का अपने ढंग लाभ उठाने की कोशिश है, पाक को कांटे से कांटा निकालने की शैली में सबक सिखाने की चाल है या फिर विवशताजनित दोस्ती है

यह सही है कि अमेरिका द्वारा चार साल पहले अफगानिस्तान (और उन तमाम आधुनिक सोच वाले अफगानियों को उनकी किस्मत के भरोसे

छोड़कर) से जाने के बाद भारत सरकार ने तालिबानी शासन को मध्ययुगीन बर्बर सोच वाला करार देकर उससे दूरी बना ली थी। लेकिन यह भी कड़वा सच है कि तालिबान चार साल से अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज हैं। उन्होंने वहां कट्टर इस्लामिक शरिया कानून लागू कर रखे हैं, जिससे बहुत से अफगान भी सहमत नहीं है। लेकिन बेबस हैं।

उधर अफगानिस्तान अभी भी मानता है कि भारत के साथ उसके ऐतिहासिक रिश्ते हैं लेकिन इस्लामिक देश होते हुए भी पाकिस्तान पर अफगानों का कभी भरोसा नहीं रहा। उनकी तुलना में भारत ज्यादा विश्वसनीय है। हालांकि भारत ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को अभी मान्यता नहीं दी है, लेकिन धीरे-धीरे उसी दिशा में बढ़ रहा है।

कारण साफ है कि भारत अफगानिस्तान में चीन, पाकिस्तान और रूस के लिए मैदान खुला नहीं छोड़ना चाहता। जो सही भी है, लेकिन तालिबान से दोस्ती हो, लेकिन तालिबानों मूल्यों से न हो।

अफगान दूतावास की घटना तो केवल खतरे की घंटी भर है। अपनी पहली आधिकारिक यात्रा में विदेश मंत्री मुत्तकी ने भारत के सहयोग पर जोर दिया। यह सलाह भी दी कि भारत, पाक के साथ वाघा बॉर्डर को खोले ताकि अफगानिस्तान से माल आसानी से भारत भेजा जा सके।

यहां तक तो ठीक, लेकिन मुत्तकी दिल्ली के अलावा और कहीं गए तो वह था- दारूल उलूम देवबंद। यह इस्लामी के सुन्नी इस्लामी शिक्षा का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा केन्द्र हैं, जहां करीब 4 हजार छात्र धार्मिक शिक्षा प्राप्त करते हैं। जिनमें कुछ विदेशी छात्र भी हैं।

दारूल उलूम 1 से 5 वर्ष तक के अलग अलग पाठ्यक्रम संचालित करता है, कुरान, हदीस, नबूवत, अरबी, उर्दू भाषा के अलावा साहित्य और विज्ञान भी शामिल है। शिक्षा का माध्यम उर्दू है, मुख्य जोर दीनी तालीम पर ही है।

इस संस्था की स्थापना भारत में मुगल सत्ता के पूर्ण अवसान के बाद हजरत मौलाना मोहम्मद कासिम नानोतवी और हाजी मोहम्मद ने की थी। उसका उद्देश्य भारत में गौरवपूर्ण मुस्लिम शासन की परंपरा को सहेजे रखना और इस्लामिक विचार और जीवनशैली का संवर्द्धन करना था।

संस्था का संचालन मजलिसे शूरा करती है और इसके प्रमुख मोहतमिम कहलाते हैं। वर्तमान में इसके प्रधानाचार्य मौलाना अर्शद मदनी हैं। 84 वर्षीय मदनी रूढ़िवादी जमीयत उलेमा-ए-हिंद के भी अध्यक्ष हैं।

मुत्ताकी ने देवबंद को ही क्यों चुना: यूं भारत में इस्लामिक शिक्षा देने वाले और भी केन्द्र हैं। लेकिन विदेश मंत्री मुत्ताकी ने देवबंद का ही चयन क्यों किया मुस्लिम देशों से आने वाले राष्ट्राध्यक्ष अथवा राजनयिक अमूमन धार्मिक शिक्षा संस्थानों में नहीं जाते। वो ज्यादातर राजनेताओं से या सामाजिक संगठनों से मिलते हैं। लेकिन मुत्तकी का दौरा देवबंद जाने के कारण ज्यादा चर्चित हुआ।

हो सकता है, इस बहाने वो अपने देश में भी अपनी गहरी इस्लामिक आस्था और उसके सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश देना चाहते हों। दारूल उलूम इस्लामिक शिक्षा का केन्द्र भले हो, लेकिन महिलाओं को लेकर उनकी सोच भी तकरीबन वही है, जो मुत्तकी की है।

दारूल उलूम में केवल पुरूष विद्यार्थियों को प्रवेश मिलता है। महिलाओं को नहीं। इसको लेकर खुद मुस्लिम समाज में होने वाली आलोचना के चलते पिछले साल दारूल उलूम प्रबंधन ने महिलाओं को संस्थान में केवल भ्रमण की इजाजत दे दी है। लेकिन वह भी हिजाब और पर्दादारी के साथ। पढ़ने-पढ़ाने का तो सवाल ही नहीं है।

मुत्तकी को देखने और उन्हें छूने के लिए दारूल उलूम में छात्रों की जो भीड़ उमड़ी, उससे यह संदेश गया कि उनकी सोच भी तालिबान से मिलती है। यही चिंता का विषय है। मुत्तकी, संस्था प्रमुख मौलाना मदनी से मिले। बाद में मदनी ने इस मुलाकात के बारे में बयान दिया कि मुत्तकी ने भरोसा दिलाया है कि अफगानिस्तान आतंकियों को भारत के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं करने देगा।

उधर भारत में कड़ी आलोचना के बाद अफगान विदेश मंत्री महिला पत्रकारों को लेकर अपनी सोच में थोड़ा समझौता किया, लेकिन खुद अफगानिस्तान में आज महिलाएं एक सदी पीछे चली गई हैं। वहां महिला पत्रकार खुलकर कह भी नहीं सकती कि वो पत्रकार हैं। अफगान नेशनल जर्नलिस्ट यूनियन का दवारा पूर्व में कराए गए एक सर्वे के अनुसार तालिबान शासन में 87 फीसदी महिलाओं के साथ लैंगिक भेदभाव हो रहा है। 60 फीसदी महिलाओं ने अपनी नौकरियां गंवा दी हैं। इनमें से 91 फीसदी महिला पत्रकार ऐसी थीं, जो अपने परिवार में अकेली कमाने वाली थीं। तालिबान शासन द्वारा इतने भयंकर दमन के बावजूद बताया जाता है कि कुछ महिला पत्रकार अभी भी किसी तरह अपना काम कर रही हैं। 2021 में जब अफगानिस्तान में तालिबान सत्ता में आए, उस वक्त देश में 1400 महिला पत्रकार काम कर रही थीं। 2023 में इनकी संख्या 400 रह गई। हालांकि बताया जाता है कि 2024 में इनकी संख्या बढ़कर 600 हो गई है। लेकिन काम करने की परिस्थितियां बेहद कठिन और चुनौतीपूर्ण हैं। उन पर बहुत सारे प्रतिबंध हैं। अफगानिस्तान की एक जानी मानी पत्रकार और 'रूखशाना' की संपादक जहरा जोया के मुताबिक वे इसलिए काम रही हैं, क्योंकि पत्रकारिता उनके लिए मिशन हैं और वो अफगानिस्तान में महिलाओं की दुर्दशा को दुनिया के सामने ला रही हैं। जहरा आजकल लंदन में रहती हैं। पत्रकार तो दूर महिलाओं के अन्य क्षेत्रों में काम करने लेकर भी तालिबान की सोच नकारात्मक है। तीन साल पहले पाकिस्तान की तत्कालीन विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार जब बिना हिजाब के अफगानिस्तान के तालिबान शासको से काबुल जाकर मिलीं तो कट्टरपंथियों ने काफी हल्ला मचाया था। लेकिन हिना ने इसकी परवाह नहीं और अफगान शासको से वैसे ही हाथ मिलाया और बातचीत की। तालिबान की नजर में महिलाओं का काम सिर्फ बच्चे पैदा करना और दीनी इबादत करनें जिंदगी गुजारना है। यहां तक की सजने संवरने, गाने बजाने तक तो इस्लाम विरोधी करार दे दिया गया है। यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' सोच के ठीक विपरीत है। हालत यह है कि कुछ समय पहले तक जिस अफगानिस्तान की महिला क्रिकेट टीम टूर्नामेंटों में उतरती थी, वो आज ऑस्ट्रेलिया में शरण लिए हुए है और जिसे वनडे वर्ल्ड कप में विशेष रूप से दर्शक के रूप में आमंत्रित किया गया है।

प्रसिद्ध लेखिका तस्लीमा नसरीन के अनुसार तालिबान के लिए महिलाएं इंसान ही नहीं हैं। वैश्विक हालात और दक्षिण एशिया के राजनीतिक गणित के चलते भारत सरकार तालिबानियों से रिश्ते रखे, लेकिन उन प्रतिगामी मूल्यों को कतई बर्दाश्त न करे, जो हमारे मूल्यो के खिलाफ हो। भारत में इसकी कोई जगह नहीं है।यह लेखक के निजी विचार हैं।

धनतेरस पर इन चीजों की खरीदारी से बढ़ेगा 13 गुना धन, मिलेगा मां लक्ष्मी का आशीर्वाद

(मनीष पाण्डेय)

धनतेरस का त्योहार 18 अक्टूबर 2025, शनिवार को मनाया जाएगा। इस दिन धन व समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि की पूजा का विशेष महत्व है। धनतेरस पर कुछ खास चीजें खरीदना घर में सुख-शांति और धन वृद्धि के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

धनतेरस का त्योहार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इसे धन त्रयोदशी और धन्वन्तरि त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस से ही पांच दिन चलने वाले दिवाली के त्योहार की शुरुआत होती है। इस दिन धन व समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि की पूजा का विशेष महत्व होता है। मान्यता है की इसी दिन समुद्र मंथन से देवी लक्ष्मी और अमृत कलश प्रकट हुआ था इसी वजह से इसे धनतेरस कहा जाता है।

पंचांग के अनुसार, इस साल धनतेरस का त्योहार 18 अक्टूबर 2025, शनिवार के दिन मनाया जाएगा। धनतेरस के दिन मां लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा करने से सुख और समृद्धि प्राप्त होती है। इस दिन कुछ खास चीजों को खरीदना बेहद ही शुभ माना जाता है। मान्यता है कि धनतेरस पर इन शुभ चीजों को खरीदने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और धन की वृद्धि होती है। आइए जानते हैं कि इस शुभ दिन पर किन-किन चीजों की खरीदारी करने से आपका धन 13 गुना बढ़ जाएगा।

कुबेर यंत्र: इस दिन कुबेर यंत्र को खरीदना अत्यंत शुभ माना जाता है। धनतेरस के दिन घर, दुकान के गल्ले या तिजोरी में कुबेर यंत्र रखने से धन और समृद्धि आती है। मान्यता है कि इस उपाय से धन की कमी दूर होती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

नमक और धनिया: धनतेरस के दिन नमक खरीदना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से दरिद्रता दूर होती है और घर में धन की वृद्धि होती है। नमक नकारात्मक ऊर्जा को भी दूर करता है। वहीं, धनिये को घर के आंगन या गमले में डालने से समृद्धि आती है।

तांबा: धनतेरस के दिन तांबे की वस्तुएं खरीदना बेहद शुभ माना जाता है। तांबे के बर्तन या पूजा से जुड़ी वस्तुएं घर लाने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और स्वास्थ्य में सुधार होता है। इसी दिन कांसे से बने बर्तन या सजावटी वस्तुएं भी घर लाना शुभ रहता है।

बर्तन: धनतेरस का संबंध 'धन' और 'धातु' दोनों से है। इसीलिए तांबा, पीतल और चांदी के बर्तनों को खरीदना इस दिन बेहद ही शुभ माना जाता है। ज्योतिष में कहा गया है कि धातु खरीदने से शुक्र ग्रह मजबूत होता है और खर्चों में कमी आती है।

झाड़ू: धनतेरस पर झाड़ू खरीदने की परंपरा बहुत पुरानी है। मान्यता है कि इस दिन नया झाड़ू लाने से दरिद्रता दूर होती है। झाड़ू को लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। नई झाड़ू से घर की सफाई करने पर मां लक्ष्मी का आगमन होता है। धनतेरस के दिन भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की मूर्तियों की खरीदारी करना शुभ माना जाता है।

नई मूर्ति घर लाने और उनकी विधिवत पूजा करने से घर में धन, अन्न और सुख की कभी कमी नहीं होती। माता लक्ष्मी समृद्धि और सौभाग्य की देवी हैं। इन दोनों की कृपा से जीवन में उन्नति और शांति बनी रहती है।

धनतेरस- समृद्धि का नहीं, संवेदना का उत्सव

डॉ. सत्यवान सौरभ

धनतेरस का अर्थ केवल 'धन' नहीं बल्कि 'ध्यान' भी है – ध्यान उस पर जो हमारे जीवन को सार्थक बनाता है। यह त्योहार हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि समृद्धि का असली अर्थ क्या है। अगर घर में प्रेम है, परिवार में एकता है, मन में शांति है, और समाज में करुणा है–तो यही सबसे बड़ा धन है। इसलिए इस धनतेरस पर केवल चाँदी की चमक नहीं, अपने मन की उजास बढ़ाइए। अपने भीतर के अंधकार को पहचानिए और प्रेम, संयम और सेवा का दीप जलाइए। यही होगी असली पूजा–जहाँ लक्ष्मी केवल तिजोरी में नहीं, व्यवहार में भी बसती है।

धनतेरस का नाम लेते ही आंखों के सामने दीपों की उजास, सोने-चांदी की झिलमिलाहट, बाज़ारों का रौनकभरा शोर और पूजा की तैयारियों में जुटे घर-घर के दृश्य उभर आते हैं। यह दिन न केवल खरीदारी का त्योहार है, बल्कि भारतीय संस्कृति के गहरे दर्शन का प्रतीक भी है। यह वह दिन है जब लोग मानते हैं कि लक्ष्मी माता घर आएंगी, समृद्धि का आशीर्वाद देंगी, और दुर्भाग्य के अंधकार को मिटा देंगी। परंतु अगर हम इस पर्व के पीछे के दर्शन को गहराई से देखें, तो पाएंगे कि धनतेरस का अर्थ केवल सोना-चांदी खरीदना नहीं, बल्कि 'धन' की सही परिभाषा को समझना है।

'धन' शब्द संस्कृत के 'धना' से बना है, जिसका अर्थ केवल संपत्ति या पैसा नहीं बल्कि समृद्धि, सुख और संतोष का संगम है। प्राचीन ग्रंथों में धनतेरस को 'धनत्रयोदशी' कहा गया है – अर्थात धन और स्वास्थ्य दोनों की कामना का दिन। इसी दिन समुद्र मंथन से धनवंतरि देवता अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे, जिन्होंने मानवता को स्वास्थ्य का वरदान दिया। यही कारण है कि इस दिन को आयुर्वेद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। जब दुनिया धन को केवल भौतिक संपत्ति के रूप में देखती है, तब भारतीय दर्शन इसे शरीर, मन और आत्मा की समृद्धि के रूप में देखता है।

आज के समय में धनतेरस का रूप काफी बदल गया है। पहले जहां यह दिन दीप जलाने, घर साफ़ करने और देवी-देवताओं की पूजा का होता था, अब यह दिन शॉपिंग मॉल और ऑनलाइन सेल का प्रतीक बन गया है। धनतेरस आते ही लोग सोना, चांदी, कार, बाइक, फ्रिज, टीवी, मोबाइल–सब कुछ खरीदने की होड़ में लग जाते हैं। लेकिन क्या यही असली 'धन' है? क्या केवल महंगी वस्तुएं खरीदकर हम सच में समृद्ध हो जाते हैं? शायद नहीं। असली समृद्धि तो उस मन में है जो संतोष जानता है, उस घर में है जहाँ प्रेम की दीवारें मजबूत हैं, और उस समाज में है जहाँ सभी के पास रोटी, कपड़ा और सम्मान हो।

धनतेरस हमें यह भी सिखाता है कि धन का उपयोग कैसा हो। जब धन भगवान धनवंतरि से जुड़ा हुआ है, तो इसका अर्थ यह भी है कि धन स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा के लिए होना चाहिए, न कि दिखावे और व्यर्थ विलासिता के लिए। लेकिन आज की हकीकत यह है कि लोग धनतेरस पर नई चीज़ें खरीदने के लिए कर्ज़ तक ले लेते हैं। त्योहार खुशियों का होना चाहिए, पर वह तनाव और तुलना का माध्यम बन जाता है। सोशल मीडिया पर कौन कितना खरीद रहा है, किसने कौन-सी गाड़ी ली–यह तुलना हमें भीतर से खोखला कर देती है। असली पूजा तो तब है जब हम अपने जीवन में संतुलन और संयम को जगह दें।

एक समय था जब धनतेरस के अवसर पर लोग मिट्टी के दीप, तांबे या पीतल के बर्तन खरीदते थे। यह परंपरा केवल प्रतीकात्मक नहीं थी, बल्कि वैज्ञानिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण थी। मिट्टी के दीप अंधकार मिटाने का प्रतीक हैं, और धातु के बर्तन स्वास्थ्य व सकारात्मक ऊर्जा का। लेकिन अब इन बर्तनों की जगह चमकदार चाइनीज़ लाइट्स और प्लास्टिक के सजावटी सामान ने ले ली है। पहले जहां घरों में 'शुभ-लाभ' लिखकर दीवारें सजी होती थीं, अब 'डिस्काउंट' और 'कैशबैक' के बोर्ड झिलमिला रहे हैं। यह बदलाव केवल बाहरी नहीं, बल्कि हमारे भीतर के मूल्यबोध में भी आया है।

धनतेरस का एक और गहरा संदेश है–'धन' और 'धर्म' के संतुलन का। यदि धन अधर्म के मार्ग से अर्जित किया गया है, तो वह कभी सुख नहीं दे सकता। महाभारत में कहा गया है– ÷धनं धर्मेण सञ्चयेत÷ यानी धन को धर्म के मार्ग से अर्जित करो। आज जब समाज में भ्रष्टाचार, लालच और अनैतिक कमाई बढ़ रही है, तब धनतेरस हमें याद दिलाता है कि असली पूजा वह नहीं जो सोने के दीपक से हो, बल्कि वह है जो ईमानदारी और परिश्रम से कमाए धन से की जाए। इस दिन जब हम दीप जलाते हैं, तो वह केवल बाहर का अंधकार नहीं मिटाता, बल्कि भीतर के लालच, ईर्ष्या और मोह के अंधकार को भी दूर करने का संदेश देता है।

इस पर्व का एक आयुर्वेदिक और वैज्ञानिक पक्ष भी है। कार्तिक मास की त्रयोदशी के दिन मौसम बदलता है, सर्दी की शुरुआत होती है, और शरीर में रोगों की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे समय में भगवान धनवंतरि की पूजा करना इस बात का प्रतीक है कि हमें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। धनतेरस का अर्थ केवल धन प्राप्ति नहीं, बल्कि दीर्घायु, स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन की प्राप्ति भी है। जब शरीर स्वस्थ होगा, तभी जीवन में वास्तविक सुख और समृद्धि होगी।

अगर हम अपने पुरखों की जीवनशैली देखें, तो वे त्योहारों को केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं मानते थे, बल्कि सामाजिक समरसता और पर्यावरण संतुलन का अवसर भी समझते थे। धनतेरस के दिन घरों की सफाई का चलन केवल देवी लक्ष्मी के स्वागत के लिए नहीं, बल्कि स्वच्छता के प्रतीक के रूप में भी था। दीप जलाना केवल अंधकार हटाने के लिए नहीं, बल्कि प्रदूषण कम करने और वातावरण को पवित्र करने का एक उपाय भी था। लेकिन आज सफाई की जगह सजावट ने ले ली है, और पवित्रता की जगह दिखावे ने।

धनतेरस समाज में समानता का भी प्रतीक रहा है। पुराने समय में अमीर-गरीब सभी इस दिन अपने घरों में दीप जलाते थे। किसी के पास सोना-चांदी न हो तो वह मिट्टी का दीपक जलाकर भी अपनी श्रद्धा प्रकट करता था। आज यह भाव कम होता जा रहा है। त्योहार जो कभी सबको जोड़ता था, अब वर्गों में बाँट रहा है। मॉलों की चकाचौंध में झुग्गियों की अंधेरी रातें दब जाती हैं। यह सोचने की बात है कि अगर लक्ष्मी सच्चे मन से हर घर में आती हैं, तो इतने लोग भूखे क्यों हैं? इतने किसान कर्ज़ में क्यों मर रहे हैं? क्या हमने लक्ष्मी को केवल अमीरों की देवी बना दिया है?

धनतेरस का वास्तविक संदेश यही है कि हमें धन का सही उपयोग करना सीखना चाहिए। यह दिन हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हमारा धन कितने लोगों के जीवन में रोशनी लाता है। अगर हम अपने धन से किसी गरीब की मदद करें, किसी बीमार के इलाज में सहयोग दें, किसी जरूरतमंद बच्चे की पढ़ाई में योगदान दें–तो वही असली धनतेरस होगी। लक्ष्मी तभी स्थायी होती हैं जब उनका उपयोग दूसरों की भलाई में होता है। वरना वह केवल कुछ समय की झिलमिलाहट बनकर रह जाती हैं।

आज के युग में जब हम डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन शॉपिंग और कृत्रिम रोशनी के बीच धनतेरस मना रहे हैं, तब यह और भी ज़रूरी है कि हम इस पर्व की आत्मा को पहचानें। यह पर्व हमें अपने घर के साथ-साथ अपने मन का भी 'क्लीनिंग डे' बनाने का अवसर देता है। अपने भीतर के लोभ, ईर्ष्या, स्वार्थ और दिखावे की धूल झाड़कर अगर हम मन में करुणा, ईमानदारी और प्रेम के दीप जला सकें, तो वही सच्चा धनतेरस होगा।

धनतेरस केवल एक दिन नहीं, एक दृष्टिकोण है–जीवन को संतुलित, स्वास्थ्यपूर्ण और अर्थपूर्ण बनाने का दृष्टिकोण। यह हमें सिखाता है कि धन का मूल्य उसकी मात्रा में नहीं, बल्कि उसके प्रयोग में है। अगर हम धन को साधन बनाएँ, साध्य नहीं, तो वह जीवन में सौंदर्य और संतोष दोनों लाता है। लेकिन अगर वही धन हमें दूसरों से श्रेष्ठ दिखने की दौड़ में ले जाए, तो वह वरदान नहीं, अभिशाप बन जाता है।

आज के समय में शायद सबसे बड़ा 'धन' यह है कि हम अपनी मानसिक शांति को बचा पाएँ। परिवार के साथ बैठकर मुस्कुरा सकें, कुछ समय अपनों को दे सकें, बुजुर्गों के चरण छूकर आशीर्वाद ले सकें–यह भी धनतेरस का ही भाव है। क्योंकि जो घर प्रेम और सम्मान से भरा हो, वहाँ लक्ष्मी अपने आप आ जाती हैं।

त्योहारों की असली चमक सोने या चांदी की नहीं होती, वह मन की निर्मलता में होती है। दीपों की रोशनी बाहर तभी फैलेगी जब भीतर के दीप प्रज्वलित हों। इसलिए इस धनतेरस पर अगर आप कुछ खरीदना ही चाहें, तो अपने लिए संयम, करुणा और संतोष खरीदिए। यह वे अमूल्य वस्तुएं हैं जो कभी पुरानी नहीं पड़तीं, कभी चोरी नहीं होतीं, और जीवनभर समृद्धि देती हैं। धनतेरस का यह पर्व हमें हर वर्ष यह याद दिलाता है कि समृद्धि केवल धनवान बनने में नहीं, बल्कि मनवान बनने में है। जब हम अपने कर्मों से दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाते हैं, जब हम अपनी कमाई से किसी का अंधकार मिटाते हैं–तभी सच्चे अर्थों में 'धनतेरस' होती है। इसलिए दीप जलाइए, पर साथ ही किसी और के जीवन में भी उम्मीद का दीप जलाइए। यही इस पर्व का सबसे सुंदर संदेश है।

किसान, गरीब, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिए संकल्पबद्ध है सरकार – मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हरियाणा का सरकारी नौकरी का भर्ती पारदर्शिता मॉडल आज पूरे देश में बन चुका एक मिसाल- नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़ (सचिन) भेदी नजर - हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार किसान, गरीब, युवा और महिलाओं के कल्याण तथा उनके सर्वांगीण उत्थान के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की विकास की नीति स्पष्ट है, नीयत साफ है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में तीन गुणा गति से विकास के कार्य आगे बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना के साथ कार्य कर रही है। जिला पंचकूला में हरियाणा सरकार के गौरवमयी एक वर्ष पूरा होने पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को मुख्यमंत्री संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंद कल्याण, विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सभी जिलों में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रमों में किया गया और प्रदेशभर के नागरिकों ने मुख्यमंत्री के संदेश को सुना। वंचित अनुसूचित जातियों को दिया उनका अधिकार, सरकारी नौकरियों, पंचायत व स्थानीय निकायों के चुनावों में भागीदारी हुई सुनिश्चित मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक वंचित रह गई अनुसूचित जातियों को उनका अधिकार दिया है। इससे इन जातियों के लिए सरकारी नौकरियों में, पंचायत व स्थानीय निकायों के चुनावों में भागीदारी सुनिश्चित हुई है। पिछड़ा वर्ग-बी को पंचायती राज संस्थाओं व शहरी स्थानीय निकायों में आरक्षण दिया है। सरपंच पद के लिए 5 प्रतिशत तथा अन्य पदों के लिए उनकी जनसंख्या का 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इसके अलावा, सरकार ने प्रजापति समाज को मिट्टी के बर्तन का कारोबार चलाने के लिए 1700 गांवों में आवा-पजावा जमीन का अधिकार पत्र दिया है। अब उनके काम में कोई बाधा नहीं आएगी। हमने प्रजापति समाज के सम्मान को बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य के गठन से पहले के पट्टेदारों को भूमि का मालिकाना हक देने हेतु हरियाणा ग्राम शामलात भूमि अधिनियम 1961 में संशोधन किया है। पंचायतों व पालिकाओं की भूमि पर 20 वर्षों से अधिक समय से काबिज परिवारों को मालिकाना हक देने का प्रावधान किया है। इसके तहत कोई भी नागरिक कलेक्टर रेट के डेढ़ गुणा मूल्य पर उस भूमि का मालिकाना हक बारे उपायुक्त को आवेदन कर सकता है। उन्होंने कहा कि पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में 31 मार्च, 2027 तक घरों की छतों पर 2 किलोवाट तक का सोलर सिस्टम लगभग मुफ्त में लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना में अब तक 37,825 सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं। अगर किसी को 3 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगवाना है तो तीसरे 1 किलोवाट के लिए 18 हजार रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दी जाती है। पिछले 11 साल में 1 लाख 61 हजार 837 सोलर पंप लगाए हैं। इनमें से 33,553 सोलर पंप पिछले एक साल में लगाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दयालु योजना के तहत 1.80 लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले 8,299 पात्र परिवारों को 309 करोड़ 67 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है। इसके अलावा, गरीब परिवारों की बेटियों की शादी पर मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत 71 हजार रुपये तक शगुन दिया जाता है।

किसान कल्याण सरकार की प्राथमिकता मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने किसान को अपनी नीतियों के केंद्र में रखा है। आज हरियाणा में सभी फसलों की खरीद एम.एस.पी. पर की जाती है। पिछले 11 फसल सीजन में 12 लाख किसानों के खातों में 1 लाख 54 हजार करोड़ रुपये सीधे डाले गए हैं। फसल बेचने के 48 घंटे के भीतर भुगतान हमारी ईमानदार व्यवस्था का उदाहरण है। इसके अलावा, पिछले साल बारिश कम होने से किसानों के आर्थिक बोझ को कम करने के लिए खरीफ फसलों के लिए 2,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से बोनस के रुप में कुल 1345 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई। सरकार ने फसल खराब होने पर गत 11 सालों में किसानों को मुआवजे और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा कृषि भूमि पट्टा विधेयक-2024 पारित करके पट्टेदार किसानों और भूमि मालिकों के बीच विश्वास बहाली का काम किया है। नकली खाद, बीज और कीटनाशक बनाने व बेचने वालों को 5 साल की सजा देने का कानून लागू किया। बागवानी को बढ़ावा देने के लिए हमने भावांतर भरपाई योजना लागू की है। इस योजना के तहत लगभग 30 हजार किसानों को 135 करोड़ 37 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि किसानों के बैंक खातों में डाली गई। गत मानसून सीजन में बाढ़ के कारण घरों, घरेलू सामान और पशुओं की हानि के लिए 2,386 लोगों को मुआवजे के तौर पर 4 करोड़ 72 लाख 6 हजार रुपये की राशि उनके खातों में डाली है। वहीं, प्रदेश के 6,397 गांवों के 5 लाख 37 हजार किसानों ने क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 31 लाख एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण करवाया है। इस क्षेत्र के सत्यापन का काम जारी है। क्षतिपूर्ति पोर्टल पर आए क्षेत्र का सत्यापन जल्दी करके किसानों को जल्द ही दी जाएगी।

हरियाणा का सरकारी नौकरी का भर्ती पारदर्शिता मॉडल आज पूरे देश में बन चुका एक मिसाल मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा का युवा ऊर्जा और प्रतिभा से भरा है। उनकी प्रतिभा के सम्मान स्वरूप हम सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। ग्रुप-सी और ग्रुप-डी की भर्तियों में इंटरव्यू को खत्म किया गया है। आज हमारा युवा सीना ठोककर कहता है कि उसे उसकी योग्यता के आधार पर नौकरी मिली है, किसी की सिफारिश पर नहीं हरियाणा का यह भर्ती पारदर्शिता मॉडल आज पूरे देश में एक मिसाल बन चुका है, जिसकी सराहना स्वयं प्रधानमंत्री ने कई बार की है। राज्य सरकार ने 1 लाख 80 हजार युवाओं को

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी पंचकूला में आयोजित जन विश्वास-जन विकास समारोह के दौरान सरकार की एक साल की उपलब्धियों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन करते हुए। साथ में हैं विधान सभा अध्यक्ष श्री हरविंदर कल्याण, पूर्व विधान सभा अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता, विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा और मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी। (17.10.2025)

सरकारी सेवा में पूरी पारदर्शिता से शामिल किया है, और यह सिलसिला जारी रहेगा। इनमें पिछले एक साल में 33,949 युवाओं की भर्ती शामिल है। लगभग 17 हजार पदों की भर्ती जारी है। यह योग्यता के सम्मान का उदाहरण है। इसके अलावा, हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से नियुक्त 1 लाख 20 हजार युवाओं को रोजगार की सुरक्षा दी गई है। अनुबंधित कर्मचारियों, तकनीकी शिक्षा विभाग की अतिथि संकाय और अतिथि अनुदेशकों तथा कॉलेजों के एक्सटेंशन लेक्चरर व अतिथि प्राध्यापकों को सेवा सुरक्षा प्रदान की गई। मुद्रा योजना के तहत 42 लाख युवाओं को 45 हजार करोड़ रुपये से अधिक के ऋण दिए गए हैं। युवाओं को विदेशों में शिक्षा व रोजगार दिलाने के लिए विदेश सहयोग विभाग बनाया है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि इस विभाग के माध्यम से विदेश जाएं। डंकी रूट से भेजने वाले लोगों की जालसाजी में न फंसें। हम हरियाणा कौशल रोजगार निगम ने के माध्यम से भी युवाओं को विदेश में रोजगार पाने में मदद कर रहे हैं। अब तक 176 युवाओं को विदेशों में भेजा गया है। अब युवाओं के कॉलेज में ही निःशुल्क पासपोर्ट बनाए जा रहे हैं। अब तक लगभग 37 हजार युवाओं के पासपोर्ट बनाये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग युवाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए बिना गारंटी 5 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। युवाओं के स्वास्थ्य के प्रति भी सरकार सजग है। आमतौर पर जिम की सुविधा शहरों तक ही सीमित होती है, लेकिन हम गांव में भी यह सुविधा उपलब्ध करवा रहे हैं। सरकार की योजना हर गांव में जिम खोलने की है। अब तक 19 जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में 69 करोड़ रुपये की लागत से 337 इंडोर जिम खोले गये हैं। युवाओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षा के साथ-साथ उनके कौशल विकास पर भी बल दे रहे हैं। समय की मांग के अनुसार हमने स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय तक की शिक्षा को कौशल के साथ जोडा है। स्कूलों में एनएसक्यूएफ, कॉलेजों में पहल योजना, विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन सेंटर और तकनीकी संस्थानों में उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण के लिए उद्योगों के साथ एम.ओ.यू. करने जैसे कारगर कदम उठाए गये हैं। प्रदेश में ऐसे शिक्षण संस्थान तैयार किये जा रहे हैं, जिनमें नन्हे बच्चे की केजी कक्षा से युवा विद्यार्थी की पीजी कक्षा तक की शिक्षा प्रदान की जाएगी। इस प्रकार एक ही छत के नीचे सम्पूर्ण शिक्षा मिलेगी।

11 वर्षों में प्रदेश में 13 नये विश्वविद्यालय खुले मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हर 20 किलोमीटर की दूरी पर कॉलेज खोले हैं। पिछले 11 वर्षों में प्रदेश में कुल 80 नये राजकीय कॉलेज खोले गए, जिनमें से 30 लड़कियों के हैं। प्रदेश में हर 10 किलोमीटर पर मॉडल संस्कृति स्कूल खोले हैं। इनमें सीबीएसई पैटर्न पर पढाई होती है। इस समय प्रदेश में महाविद्यालयों की संख्या बढ़कर 185 हो गई है। वर्ष 2014 में यह संख्या केवल 105 थी। इसी तरह, हमारे 11 वर्षों के कार्यकाल में प्रदेश में 13 नये विश्वविद्यालय खुले हैं। अब इनकी संख्या बढ़कर 56 हो गई है।

केंद्र सरकार की बीमा सखी योजना की तर्ज पर लाडो सखी योजना शुरू मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पानीपत से बीमा सखी योजना का शुभारंभ किया है। इस योजना में हमारी 9,656 बहनें बीमा सखी बन चुकी हैं। इससे प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने लाडो सखी योजना शुरू की है। गर्भवती महिला का प्रसव होने और बेटी पैदा होने पर उसकी देखभाल करने वाली लाडो सखी को 1 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बहनों-बेटियों को आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की गई है। इस योजना में गरीब महिलाओं को 2100 रुपये मासिक आर्थिक सहायता नवंबर माह से ही मिलनी शुरू हो जाएगी। इसके लिए हमने बजट में पहले ही 5 हजार करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया है। गरीब परिवारों की महिलाओं को हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत हर महीने केवल 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। इसका लाभ 14 लाख 50 हजार परिवारों को मिल रहा है। प्रदेशभर में महिला सांस्कृतिक केंद्र खोले जा रहे हैं। अब तक 131 केन्द्र खोले गये हैं। इनमें माताएं-बहनें भजन, गीत, नृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 5 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक स्वयं सहायता समूहों की 2.13 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जा चुका है। केंद्र सरकार की नमो ड्रोन दीदी के तहत 100 महिलाओं को ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण देकर, उन्हें मुफ्त ड्रोन दिए जा चुके हैं। इस वर्ष 100 और महिलाओं को मुफ्त ड्रोन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मासिक मानदेय में 750 रुपये और सहायिका के मासिक मानदेय में 400 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। महिलाओं की आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए एक-तिहाई राशन डिपो महिलाओं को देने का प्रावधान किया गया है। अटल किसान मजदूर कैंटीन व वीटा बिक्री केन्द्रों का संचालन भी महिलाओं को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने संकल्प किया था कि महिलाओं को अतिरिक्त प्रोत्साहन देकर स्टार्टअप्स में भागीदारी 45 से 60 प्रतिशत बढ़ाई जाएगी। हरियाणा में महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप 50 प्रतिशत हो गए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उनके जन्म दिवस पर गत 17 सितम्बर को महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवा व पोषण सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में राष्ट्रव्यापी स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान और 8वें पोषण माह का शुभारंभ किया गया है। प्रधानमंत्री ने पानीपत से 22 जनवरी, 2015 को राष्ट्रव्यापी अभियान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ शुरू किया था। इस अभियान से प्रदेश में लिंगानुपात वर्ष 2014 के 871 से सुधरकर 906 हो गया है। राज्य सरकार ने गांवों के विकास में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें पंचायती राज संस्थाओं में 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दिया है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में ढांचागत विकास हुआ सुदृढ़ श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हेल्दी इण्डिया बनाने में प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए फिट इण्डिया मूवमैंट को सफल बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। इस लक्ष्य के लिए हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर सुदृढ़ बनाया जा रहा है। हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने के लक्ष्य की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या भी 6 से बढ़कर 17 हो गई है। अब इनमें एम.बी.बी.एस. की सीटों की संख्या 700 से बढकर 2 हजार 435 हो गई है। पिछले एक साल में भिवानी व कोरियावास में दो नये मेडिकल कॉलेज खुले हैं। कुटैल, करनाल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय भी बन कर तैयार हो गया है। इसके अलावा, किडनी रोग से पीड़ित रोगियों को मुफ्त डायलिसिस की सेवाएं सभी नागरिक जिला अस्पतालों व मेडिकल कालेजों में गत 18 अक्तूबर से दी जा रही है। इससे लगभग 20 हजार मरीज लाभान्वित हो रहे है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आयुष्मान भारत-चिरायु योजना के तहत 1 करोड़ 34 लाख लोगों को सालाना 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त मिल रहा है। इस योजना में 25 लाख 39 हजार मरीजों का 3 हजार 486 करोड़ रुपये का मुफ्त इलाज किया गया है। 70 साल से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये सालाना की मुफ्त इलाज सुविधा शुरू की है। अब तक 4,100 लाभार्थियों को 9 करोड़ रुपये के मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई है। सरकार ने हीमोफीलिया व थैलेसीमिया बीमारी से ग्रस्त रोगियों को 3,000 रुपये मासिक पेंशन का लाभ दिया है। यह पेंशन किसी भी अन्य पेंशन के अतिरिक्त है। अप्रैल, 2025 तक इस योजना में हीमोफीलिया के कुल 37 और थैलेसीमिया के 91 रोगियों को लाभ मिल चुका है। पिछले 11 सालों में 12,20,872 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों का हुआ पंजीकरण, 28,377 करोड़ 59 लाख रुपये का निवेश हुआ मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था का मूल आधार हैं। हमने औद्योगिक विकास को गति देने के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का एक इको-सिस्टम तैयार किया है। प्रोत्साहन योजनाओं का परिणाम है कि प्रदेश में पिछले 11 सालों में 12,20,872 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों का पंजीकरण हुआ है। इनमें 28,377 करोड़ 59 लाख रुपये का निवेश हुआ है।आई.एम.टी. खरखौदा में मारुति सुजुकी का सबसे बड़ा प्लांट शुरू होने जा रहा है। इसमें 18 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा और 10 हजार रोजगार के अवसर पैदा होंगे। वहीं पर सुजूकी का मोटरसाइकिल प्लांट लगाया जा रहा है। इसमें 1466 करोड़ रुपये का निवेश होगा और 2 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा, यूनो मिंडा ग्रुप का एलॉय व्हील्स प्लांट भी बनने जा रहा है। इसमें 2 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा और 2500 युवाओं को रोजगार मिलेगा।

जापान की कंपनियों ने हरियाणा में 5 हजार करोड़ रुपये के निवेश के लिए किए एमओयू मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही की जापान यात्रा के दौरान, 9 जापानी कंपनियों ने हरियाणा में लगभग 5 हजार करोड़ रुपये के निवेश का करने की बात की है और एमओयू किए हैं। इससे हरियाणा के 15 हजार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। इसके अलावा, उद्योगपतियों और कंपनियों ने तंजानिया, कीनिया, रवांडा आदि अफ्रीकी देशों का दौरा किया है और तंजानिया में तो उद्योग भी स्थापित कर लिए हैं। पिछले दिनों 13 प्रगतिशील किसानों का एक दल कृषि मंत्री के नेतृत्व में कीनिया गया था। वहां पर कृषि की संभावनाओं और फूलों की खेती करके वहां से अन्य देशों में एक्सपोर्ट करने का खाका तैयार करके आया है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्रोत्साहन योजनाओं का ही परिणाम है कि आज हरियाणा देश-विदेश के निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। हरियाणा स्टार्टअप नीति 2022 के तहत आज राज्य में 9,500 से अधिक स्टार्टअप्स हैं। प्रदेश में 19 यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। इनके अलावा, 250 से अधिक फॉर्च्यून-500 कंपनियां भी यहां हैं। गुरुग्राम आज आईटी और स्टार्टअप्स का वैश्विक केंद्र बन चुका है। ग्लोबल सिटी प्रोजेक्ट के रूप में गुरुग्राम में 1000 एकड़ की टाउनशिप बन रही है। नारनौल में लॉजिस्टिक हब, हिसार में मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर और सोहना में इलेक्ट्रॉनिक्स पार्क विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा समृद्धि की एक नई परिभाषा लिख रहा है। प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विकास हुआ है। हर जिले को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने के लिए 21 नए राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किये गये हैं, जिनमें से 13 का कार्य पूरा हो चुका है। सड़कों के सुधार के लिए प्रादेशिक सड़क उत्थान परियोजना शुरू की है। इसके तहत चालू वित्त वर्ष में 4,827 करोड़ रुपये की लागत से 9,410 किलोमीटर लंबी 4,227 सड़कों की मरम्मत एवं उत्थान का काम किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गत 5 जनवरी को 6,230 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले रिठाला से कुंडली मेट्रो कॉरिडोर का शिलान्यास किया गया। महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाएं शुरू की हैं। प्रधानमंत्री ने 14 अप्रैल, 2025 को महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 की आधारशिला रखी। साथ ही, हिसार से अयोध्या की फ्लाइट शुरू की गई। इसके अलावा, हिसार से चंडीगढ़, दिल्ली और जयपुर की फ्लाइट का संचालन भी किया जा चुका है। प्रधानमंत्री ने लगभग 1069 करोड़ रुपये से निर्मित रेवाड़ी बाईपास का उद्घाटन किया। लगभग 11,000 करोड़ रुपये की लागत से दिल्ली और हरियाणा को जोड़ने वाले द्वारका एक्सप्रेस-वे और यूआर-2 राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। इनमें 2,000 करोड़ रुपये की लागत वाली दो परियोजनाएं सोनीपत और बहादुरगढ़ के लिए दो नए फोरलेन संपर्क मार्ग शामिल हैं।

मुख्यमंत्री का आह्वान, सभी मिलकर हरियाणा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएं मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि पूरे हरियाणा का संतुलित विकास। चाहे वह शहर हो या गांव, गरीब हो या अमीर, हर किसी को विकास का लाभ मिले। यही हमारा संकल्प है और इसी मार्ग पर हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि हम सब मिलकर हरियाणा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएं। हम सबका प्रयास ही हमारे सपनों के हरियाणा को गढ़ेगा। एक समृद्ध, विकसित और खुशहाल हरियाणा बनाएगा। कार्यक्रम में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री ए.के. सिंह, डीजीपी श्री ओ पी सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री मोहम्मद शाइन, सूचना जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, सूचना जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग, पंचकूला के उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती और मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

गोद लिए गए टीबी मरीजों को नपा प्रधान ने उपलब्ध कराई प्रोटीन युक्त डाइट किट

● सरकार बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत-डॉ रिम्पी

कनीना सुनील दीक्षित टीबी को जड से समाप्त करने के मकसद से विभिन्न सामाजिक संगठनों व समाज के प्रबुद्धजनों की ओर से टीबी मरीजों को गोद लिया हुआ है। जिन्हें प्रतिमाह प्रोटीन युक्त डाइट प्रदान की जा रही है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की ओर से क्षय रोग उन्मूलन को लेकर तेजी से सामूहिक रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। नगरपालिका कनीना की चेयरपर्सन डॉ रिम्पी लोढा की ओर से इस अभियान में सहयोग किया जा रहा है। ऐसे चिन्हित व्यक्तियों को पोषणयुक्त डाइट प्रदान की जा रही है। शुक्रवार को उन्होंने पोषण किट प्रदान करते हुए कहा कि क्षय रोगियों के स्वास्थ्य को ठीक कर जल्द ही उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल किया जाएगा। उनकी ओर से गोद लिए गए व्यक्तियों को समय-समय पर प्रोटीन युक्त डाइट प्रदान की रही है। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त होने के बाद प्रदेश स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी होगा। प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से हरियाणा में टीबी उन्मूलन अभियान की शुरुआत केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी के हाथों पंचकूला से की गई थी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार आमजन को स्वास्थ्य परियोजनाओं तथा बेहतर सेवाओं को उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उनके घर-द्वार के नजदीक आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

एक वर्ष पूरा होने पर जन विश्वास- जन विकास जिला स्तरीय समारोह

कश्यप ने किए 1587 परिवारों को 100-100 वर्ग गज के प्लाटों का अधिकार पत्र वितरित

वंश गौर / भेदी नज़र करनाल, । भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर आज यहां डॉ. मंगलसेन सभागार में जिला स्तरीय समारोह जन विश्वास-जन विकास आयोजित किया गया। इसमें इंद्री के विधायक एवं मुख्य सचेतक रामकुमार कश्यप ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। समारोह में 1587 परिवारों को 100-100 वर्ग गज के प्लाटों का अधिकार पत्र वितरित किया गया। मुख्य अतिथि ने इस मौके पर राज्य सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

श्री कश्यप ने कहा कि पिछले 11 सालों में राज्य सरकार ने हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं लागू की हैं। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल में शुरू की गई बिना पर्ची-बिना खर्ची योजना युवाओं के लिए वरदान साबित हुई है। मेधावी युवाओं को अब मेरिट पर नौकरियां मिल रही हैं। सरकार अब तक एक लाख 70 हजार युवाओं को नौकरी दे चुकी है। सरकार ने बीपीएल परिवारों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की हैं। दयालु योजना के तहत मृत्यु होने पर उम्र के अनुसार मृतक के परिवार को 5 लाख तक की आर्थिक मदद दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान/चिरायु योजना के तहत 5 लाख रूपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान की जा रही है। वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी विकास योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। श्री कश्यप ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव के समय किए गए 217 में से 46 संकल्प पूरे किए जा चुके हैं , 90 संकल्प चालू वित्त वर्ष के अंत तक पूरे कर लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी जिला सरकारी अस्पतालों व मेडिकल कॉलेजों में किडनी रोगियों के लिए मुफ्त डायलिसिस सेवा शुरू की गई है। अब तक अंत्योदय तथा बीपीएल परिवारों की 18 लाख 50 हजार महिलाओं को 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराया जा चुका है। राज्य में 24 फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जा रहा है। संयुक्त पात्रता परीक्षा (सीईटी) के लिए परीक्षार्थियों को केंद्र तक लाने और वापस घर पहुंचाने के लिए सरकार ने पुख्ता इंतजाम किए हैं।

पीएम ने दी देश को नई दिशा, नई पहचान, नई ऊर्जा-जगमोहन

करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने हरियाणा की 11 सालों की यात्रा को एक स्वर्णिम अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को नई दिशा, नई पहचान और नई ऊर्जा प्रदान की है। भारत विश्व की तीसरी बड़ी व्यवस्था बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में किसान आर्थिक रूप से मजबूत हुए हैं और गरीबों को सामान्य जीवन जीने का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री ने साबित कर दिया है कि राजनीति का मुख्य मकसद जनसेवा है। उन्होंने कहा कि किसानों को 48 घंटे में डीबीटी के माध्यम से फसल खरीद का भुगतान किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में 500 वर्ग गज तक की भूमि पर पिछले 20 सालों से अधिक समय से रिहायशी मकानों में रह रहे परिवारों को भूमि का मालिकाना हक दिया गया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों को 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी जा रही है।

11 साल का कार्यकाल पूरा होने पर दी शुभकामनाएं

असंध के विधायक योगेंद्र राणा ने भाजपा सरकार के 11 साल पूरे होने पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि साढ़े नौ साल तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल ने हर वर्ग के लिए जो योजनाएं शुरू की उनका लोगों को लाभ मिलने लगा है, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी इन योजनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल में शुरू की गई बिना पर्ची-बिना खर्ची योजना, ऑनलाइन ट्रांसफर नीति, 24 घंटे बिजली की आपूर्ति आदि का जिक्र करते हुए कहा कि सभी हलकों में समान रूप से विकास कार्य कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव के समय किए गए वादे को पूरा करते हुए राज्य सरकार ने गत माह लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की जिसके तहत पात्र महिलाओं को नवंबर से हर महीने 21 सौ रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आगामी चार सालों में लंबित वादों को भी पूरा किया जाएगा।

बदला है हरियाणा का परिवेश-रेणु बाला

महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि पिछले 11 सालों में व्यवस्था परिवर्तन से प्रदेश का परिवेश बदला है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की कार्यशैली और उनके कार्यकाल में शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा की गिनती प्रदेश के अग्रणी राज्यों में है। मेयर ने इस मौके पर लोगों को दीपावली की भी शुभकामनाएं दी

इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का लाईव संबोधन भी लोगों ने सुना। कार्यक्रम में उपायुक्त उत्तम सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त सोनू भट्ट, एसडीएम अनुभव मेहता, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर, सांसद प्रतिनिधि कविन्द्र राणा, जिला परिषद चेयरपर्सन प्रवेश कुमारी, डीडीपीओ कंचनलता, बीडीपीओ प्रशांत, सोमवीर खटकड़, मोनिका, शिखा, तहसीलदार तहसील कृष्ण आदि मौजूद रहे।

श्रीहनुमद् आराधन मण्डल ने किया यूपी रत्न डॉ. गोपाल चतुर्वेदी को सम्मानित

वृन्दावन, वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक : अक्रूर ग्राम स्थित प्राचीन श्रीपंचमुखी हनुमान मंदिर में श्रीहनुमद् आराधन मण्डल के द्वारा मण्डल का चौदहवां वार्षिकोत्सव अनेक प्रख्यात संतों-विद्वानों एवं धर्माचार्यों की सन्निधि में अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसके अंतर्गत नगर के प्रख्यात साहित्यकार एवं आध्यात्मिक पत्रकार यूपी रत्न डॉ. गोपाल चतुर्वेदी को उनके द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट लेखन के लिए सम्मानित किया गया।उन्हें यह सम्मान श्रीहनुमद् आराधन मण्डल के संरक्षक डॉ. मनोज मोहन शास्त्री, अध्यक्ष अशोक व्यास, कोषाध्यक्ष आचार्य विपिन बापू , आचार्य बुद्धिप्रकाश शास्त्री, आचार्य अश्वनी मिश्र एवं सुमंत कृष्ण शास्त्री आदि ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह एवं ठाकुरजी का पटुका-प्रसादी-माला आदि भेंट कर प्रदान किया।

संरक्षक डॉ. मनोज मोहन शास्त्री एवं अध्यक्ष अशोक व्यास रामायणी ने कहा कि डॉ. गोपाल चतुर्वेदी न केवल ब्रज के अपितु समूचे देश के गौरव हैं। उन्होंने हिन्दी व अंग्रेजी भाषा में अपने उत्कृष्ट लेखन के द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जो एक अलग पहचान बनाई है, वह स्तुत्य है।

ज्ञात हो कि पिछले माह उत्तर प्रदेश के पूर्व उप-मुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने डॉ. गोपाल चतुर्वेदी को लखनऊ में यूपी रत्न की मानद उपाधि से अलंकृत किया था।

इस अवसर पर जगद्गुरु पीपाद्वाराचार्य बाबा बलरामदास देवाचार्य महाराज, जगद्गुरु श्रीमद्विष्णुस्वामी विजयराम देवाचार्य भैयाजी महाराज (बल्लभगढ़ वाले), गौ ऋषि सन्त कृष्णानंद महाराज (भूरी वाले), विश्वविख्यात भागवताचार्य कृष्ण चंद्र शास्त्री ठाकुरजी महाराज, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, मथुरा-वृन्दावन नगर निगम के उप-सभापति मुकेश सारस्वत, प्रमुख भाजपा नेता पण्डित योगेश द्विवेदी, पद्मनाभ शास्त्री, प्रमुख शिक्षाविद् प्रमोद गौतम, डॉ. अशोक शास्त्री, उमाशक्ति पीठ के राष्ट्रीय प्रवक्ता राज नारायण द्विवेदी (राजू भैया), आचार्य युगल किशोर कटारे, पण्डित बिहारीलाल शास्त्री, आचार्य श्रीराम मुद्गल, आचार्य विनय त्रिपाठी, श्रीमती मीरा शास्त्री, भागवत विदुषी कीर्ति किशोरी, आचार्य ऋषि तिवारी, रसिया बाबा, डॉ. राधाकांत शर्मा, संजीव कृष्ण ठाकुरजी महाराज, संगीताचार्य बनवारी महाराज, आचार्य नेत्रपाल शास्त्री, आचार्य राजेश किशोर गोस्वामी,देशी टार्जन पहलवान संजय सिंह, श्याम सुन्दर ब्रजवासी, स्वामी सत्यमित्रानंद महाराज आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अब 29 अक्टूबर अंबाला आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, एयरफोर्स स्टेशन के विशेष कार्यक्रम में होंगी शामिल

अंबाला, एजेंसी। हरियाणा के अंबाला में स्थित एयरफोर्स स्टेशन द्वारा 29 अक्टूबर को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। पहले यह दौरा 18 अक्टूबर को प्रस्तावित था, जिसे बाद में स्थगित कर दिया गया था। राष्ट्रपति का यह दौरा भारतीय वायुसेना के एक कार्यक्रम के तहत निर्धारित किया गया है, जो अंबाला एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।राष्ट्रपति के संभावित दौरे को देखते हुए अंबाला जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। अधिकारियों की प्रारंभिक बैठकों का दौर जारी है। सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन और प्रोटोकॉल को लेकर प्रशासन ने पुलिस, एयरफोर्स व अन्य संबंधित विभागों को सतर्क कर दिया है। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति के आगमन से पहले उनके प्रोटोकॉल अधिकारी अंबाला पहुंचकर सभी तैयारियों का जायजा लेंगे। गौरतलब है कि अंबाला एयरफोर्स स्टेशन देश के सबसे पुराने और महत्वपूर्ण वायुसेना ठिकानों में से एक है। यहां पर कई बार शीर्ष स्तर के सैन्य और राजकीय कार्यक्रम आयोजित होते रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस बार भी वायुसेना से जुड़े एक अहम आयोजन की योजना बनाई जा रही है, जिसमें राष्ट्रपति मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।अंबाला में राष्ट्रपति का यह दौरा बेहद खास माना जा रहा है। यहां वायुसेना की 17 स्क्वाड्रन तैनात है, जिसके पास राफेल जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान हैं।

पूरन कुमार और संदीप को लेकर सीएम का बड़ा बयान, किसी भी परिवार के साथ अन्याय नहीं करेगी सरकार, दूध का दूध होगा

चंडीगढ़, एजेंसी। अधिकारियों की लगातार आत्महत्या के मामलों पर मुख्यमंत्री ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार किसी भी परिवार के साथ अन्याय नहीं होने देगी और इस पूरे मामले में दूध का दूध होगा, यानी पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी। मुख्यमंत्री ने पुष्टि की कि संबंधित मामलों में जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। एक घटना की जांच चंडीगढ़ पुलिस कर रही है, दूसरी घटना की जांच हरियाणा पुलिस कर रही है।सीएम ने अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि गरीब और पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।उन्होंने कहा, सरकार किसी भी परिवार के साथ अन्याय नहीं करेगी। ये नरेंद्र मोदी की सरकार है। इस सरकार में गरीब व्यक्ति को चिंता की जरूरत नहीं है कि कोई उसका शोषण कर देगा। मुख्यमंत्री का यह बयान तब आया है जब हाल ही में एक आईपीएस अधिकारी (वाई. पूरन कुमार) और एक एएसआई (संदीप कुमार) की आत्महत्या के बाद प्रदेश की प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में हलचल मची हुई है।

नूंह की बेटी बनीं अफसर, गांव की सरपंच रहते हुए मिली प्रेरणा

नूंह, एजेंसी। नूंह जिले के तावडू क्षेत्र के गांव कोटा खंडेवला की रवीना राठी ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा पास कर मेवात का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह जिले की पहली युवती हैं। रवीना की इस सफलता ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे मेवात क्षेत्र को गर्व से भर दिया है।रवीना का जीवन संघर्ष से भरा रहा है। साल 2013 में मात्र 20 वर्ष की उम्र में शादी के 8 महीने बाद ही उन्होंने अपने पति को सड़क हादसे में खो दिया। दुख की इस घड़ी में भी उन्होंने हार नहीं मानी और आगे की पढ़ाई जारी रखी। ग्रेजुएशन के बाद वर्ष 2016 में ग्रामीणों ने उन्हें सरपंच चुना, जहां से उनके सार्वजनिक जीवन की शुरुआत हुई।रवीना ने बताया कि सरपंच रहते हुए अफसरों के संपर्क में आने पर उन्हें आगे की प्रेरणा मिली। उन्होंने निश्चय किया कि एक दिन उनके नाम की नेम प्लेट भी किसी सरकारी दफ्तर पर होगी। मेहनत और लगन के बल पर उन्होंने 2023 की आरएएस परीक्षा पास की। इसके साथ ही उन्होंने 2024 की परीक्षा भी क्वालिफाई की है, जिसका फाइनल परिणाम अभी बाकी है।

मानसिक दबाव या कोई और वजह आईपीएस पूरन कुमार सुसाइड मामले में एसआईटी की जांच तेज, पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी आई सामने

चंडीगढ़, एजेंसी। आईपीएस वाई पूरन कुमार आत्महत्या मामले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआइटी) को वीरवार को पीजीआई की ओर से प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट सौंप दी गई। हालांकि फाइनल रिपोर्ट आनी अभी बाकी है।जांच एजेंसी ने अब हरियाणा विजिलेंस विभाग से भी पूरी फाइलें और दस्तावेज तलब किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, हरियाणा विजिलेंस विभाग वाई पूरन कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच कर रहा था। अब एसआईटी यह पता लगाने की कोशिश में है कि क्या उस जांच या आरोपों ने आईपीएस अधिकारी पर मानसिक दबाव या प्रताड़ना डाली थी, जिसके चलते उन्होंने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। एसआईटी ने विजिलेंस विभाग से सभी रिपोर्टें, जांच फाइलें और बयान मांगे हैं। जांच में उनके कुछ वित्तीय लेन-देन और संपत्ति से जुड़ी जानकारियां सामने आई थीं, जिनकी एसआईटी बारीकी से जांच करेगी।उधर, इस मामले में गठित 51 सदस्यीय न्याय कमेटी की वीरवार को चंडीगढ़ में बैठक होनी थी, जिसमें अमनीत पी. कुमार को भी शामिल होना था। बैठक में चर्चा की जानी थी कि आगे की कानूनी व जन आंदोलन की रणनीति क्या होगी। मगर परिवार के हरिद्वार में होने से यह बैठक स्थगित कर दी गई।बठिंडा-एएसआइ संदीप लाठर की आत्महत्या मामले में नामजद आम आदमी पार्टी के बठिंडा देहात से विधायक अमित रतन कोटफत्ता पहले से ही भ्रष्टाचार के मामले में घिरे हुए हैं।

बेघर और गरीब लोगों के लिए खुशखबरी, जमीन के साथ घर बनाकर देगी सरकार, सीएम सैनी की बड़ी घोषणा

हिसार, एजेंसी। हरियाणा की सैनी सरकार के तीसरे कार्यकाल का 1 वर्ष पूरा होने पर पंचकूला में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के दूसरे चरण में दिए गए लाभार्थियों को अलॉटमेंट लेटर वितरित किए गए। यह कार्यक्रम पूरे प्रदेश में आयोजित किया गया। पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज, छठ पूजा जैसे प्रमुख त्योहारों की अग्रिम बधाई और शुभकामनाएं दीं।

सीएम नायब सैनी ने कहा कि सीएम ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि जो भी त्योहार आ रहे हैं ये देश के लोगों को एक साथ जोड़ने का काम करते हैं, मैं जन जन को इसकी बधाई देता हूं... हमारा प्रयास है कि गरीब का अपना घर होने का सपना पूरा हो हम इस पर काम कर रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम ने कहा कि प्लॉट का आवंटन आज हमने किया है। हर व्यक्ति के सिर पर उसकी अपनी छत हो ये उसका सपना होता है और मोदी सरकार ये काम निरंतर पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले योजना बनती थी और पैसा खुर्द बुर्द हो जाता था। गरीब व्यक्ति झांकता रहता था देखता रहता था कि मुझे राहत मिलेगी। सीएम ने कहा कि आजादी के बाद गरीब के लिए अगर किसी ने राहत का काम किया है तो भारत माता के लाल नरेंद्र मोदी है।

मुख्यमंत्री ने संबोधन में कहा कि हरियाणा के विकास और जनकल्याण के दौर को एक स्वर्णिम दिन बताया। ग्रामीण आवास योजना के दूसरे चरण में 141 ग्राम और 2 महाग्राम पंचायतों में कुल 8,028 प्लॉट आवंटित किए गए। अब तक इस योजना में कुल 12,031 प्लॉट आवंटित हो चुके हैं। शहरी आवास योजना के दूसरे चरण में पिंजौर शहर में 518 प्लॉट आवंटित किए गए। कुल मिलाकर अब तक इस योजना के तहत 15,765 प्लॉट आवंटित हो चुके हैं।

सीएम ने कहा कि इसी के तहत हमने आज मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत पंजौर में 518 प्लाट आवंटित किए हैं। आज के प्लाट मिलाकर अब तक कुल 15765 प्लाट देने का काम हमारी सरकार ने किया है। एक वर्ष में हमने विभिन्न आवास योजनाओं के तहत 77 हजार 199 परिवारों को लाभ पहुंचाया है। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजनाओं के तहत 49403 और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 27796 परिवारों को लाभ पहुंचाया गया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सीएम नायब सैनी ने कहा कि मोदी का मतलब विकास है। लोकल बॉडी के चुनाव में भी लोगों ने हमें एक तरफा मैंडेट दिया है। पीएम मोदी के विकसित भारत विकसित हरियाणा के विजन को तीन गुना स्पीड से बढ़ाने का काम किया है। सीएम ने कहा कि आज पीएम मोदी को आना था। परंतु किन्हीं कारणों के कारण उसे होल्ड किया गया है। जल्दी ही पीएम हरियाणा के लोगों को अपना आशीर्वाद देने आएंगे। हरियाणा के बहुत बड़े प्रोजेक्ट हैं उनके शिलान्यास उद्घाटन करने आएंगे।

बेघर और जिनके पास अपनी जमीन नहीं है, उनके लिए सीएम सैनी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि सरकार उन्हें जमीन अपनी तरफ से देगी और पीएम आवास योजना के साथ जोड़कर हम मकान बनाकर भी देंगे।

सीएम नायब सैनी ने कहा कि आज हरियाणा के किसी भी कोन से आप चलेंगे तो तीन से साढ़े तीन घंटे में दूसरे कोने में पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं हरियाणा के लोगों को कहूंगा किसी की बात में ना आएं। सीएम ने कहा कि पहले वोट लेने की पंच कार्यकाल योजना चलती थी। काम नहीं होता था। पांच साल में मिट्टी डालते थे। अगले पांच साल में रोड़ी डालते थे ताकि लोग सड़क के लालच में वोट डालते रहें। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने जो कहा वो किया है।

सीएम ने कहा कि पिछले एक वर्ष में 77,199 परिवारों को आवास योजनाओं के तहत लाभ दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 49,403 परिवारों को लाभ मिला। मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 27,796 परिवारों को लाभ मिला।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंचायतों को विकास कार्यों के लिए स्टांप ड्यूटी और बिजली की खपत पर पंचायत सेस के रूप में 1,044.57 करोड़ जारी किए गए। प्रदेश के 322 गांवों में फिरनियों के निर्माण के लिए 169 करोड़ की राशि प्रदान की गई। शहरों के विकास कार्यों के लिए नगर निकायों को 1,483.77 करोड़ की राशि जारी की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में ट्रिपल इंजन सरकार के तहत तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनावों के 217 वादों में से 46 वादे मात्र 1 वर्ष में पूरे किए गए। इस वित्त वर्ष में और 90 संकल्प पूरे किए जाएंगे। पिछले 1 वर्ष में 2,716 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया, जिनकी लागत 25,515 करोड़ है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछड़ा वर्ग बी को पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों में आरक्षण दिया गया। प्रजापति समाज को मिट्टी के बर्तन व्यवसाय के लिए 1,700 गांवों में जमीन उपलब्ध कराई गई।

सीएम सैनी ने कहा कि हरियाणा में 24 फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूस्क्क) पर खरीद की जाती है। पिछले 11 सीज़न में 12 लाख किसानों के खातों में 1,54,000 करोड़ सीधे डाले गए। हरियाणा कृषि भूमि पट्टा विधेयक 2024 पारित कर पट्टेदार किसानों और भूमि मालिकों के बीच विश्वास बहाल किया गया। भावांतर भरपाई योजना के तहत लगभग 30,000 किसानों को 135.37 करोड़ की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। मानसून सीजन में बाढ़ से हुए नुकसान के लिए 2,386 लोगों को 4.72 करोड़ की राशि दी गई।

सैनी सरकार के एक साल पूरे होने पर मनाया जश्न, जन विश्वास जन विकास समारोह में होंगी कई घोषणाएं

हिसार, एजेंसी। हरियाणा में नायब सैनी सरकार का एक साल पूरा हो गया है। इसी अवसर पर पंचकूला में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त और दूरदर्शी नेतृत्व में हरियाणा विकास की 'नॉनस्टॉप रफ्तार' के साथ आगे बढ़ रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार का पहला साल पूरा होने के अवसर पर प्रदेश में बुढ़ापा पेंशन में बढ़ोतरी की गई है। पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में सीएम नायब सैनी ने इसका एलान किया। सैनी सरकार ने शहीद सैनिकों के बच्चों को 6वीं से 12वीं कक्षा तक 60,000 रुपये, स्नातक तक 72,000 रुपये व स्नातकोत्तर तक 96,000 रुपये प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति व महिला सरकारी कर्मचारियों को उनके मनचाहे दिन पर मासिक छुट्टी का भी प्रावधान किया। इसके अलावा डंकी रूट की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए कानून लागू करने के साथ खिलाड़ियों को 500 रुपये प्रतिदिन डाइट मनी की भी सौगात दी। रकत करेंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने पहले ही विधानसभासत्र में अनुबंधित कर्मचारियों, तकनीकी शिक्षा, अतिथि संकाय और कॉलेजों के एक्सटेंशन लेक्चरर व अतिथि अध्यापकों को सेवा सुरक्षा प्रदान की सौगात दी। सभी फसलों को एमएसपी खरीद की अधिसूचना जारी की। किसानों को 48 घंटे के भीतर डी.बी.टी. के माध्यम से फसल खरीद का भुगतान दिया गया। इसके अलावा ई-खरीद एप्लीकेशन के माध्यम से घर बैठे गेट पास बनाने की सुविधा, पट्टेदारों को भूमि का मालिकाना हक, सत्याग्राहियों की पेंशन 15 हजार से बढ़ाकर 20 हजार की गई।

वहीं, हरियाणा सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों के आस-पास सीसीटीवी कवरेज का विस्तार कर लड़कियों की सुरक्षा बढ़ाई, ग्रामीण क्षेत्र में 500 वर्ग गज तक की भूमि पर पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से रिहायशी मकान बना कर रह रहे परिवारों को भूमि का मालिकाना हक, सभी सरकारी कॉलेजों को डिजिटल लाइब्रेरी सदस्यता, नकली खाद, बीज और कीटनाशक बनाने व बेचने वालों को 5 साल की सजा देने का कानून लागू व अन्य पिछड़ा वर्ग के उद्यमियों को मुद्रा योजना के अतिरिक्त 25 लाख रुपये के ऋण की गारंटी व दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2,100 रुपये की वित्तीय सहायता जैसे फैसले भी शामिल हैं।

सरकारी नौकरी के फॉर्म में कर सकते हैं सुधार , सीईटी ने ग्रुप-सी के पदों के लिए खोला करेक्शन पोर्टल

चंडीगढ़, एजेंसी। तृतीय श्रेणी पदों की भर्ती के लिए 26-27 जुलाई को आयोजित सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) के लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) ने करेक्शन पोर्टल खोल दिया है। परीक्षा में शामिल हुए युवा 17 से 24 अक्टूबर की रात 11ः59 मिनट तक दस्तावेज ठीक कर सकेंगे। नवंबर के पहले पखवाड़े में रिजल्ट घोषित किया जा सकता है।एचएसएससी चेयरमैन हिम्मत सिंह ने इंटरनेट मीडिया अकाउंट पर करेक्शन पोर्टल की जानकारी साझा करते हुए कहा कि अंतिम तिथि के बाद किसी भी प्रकार का अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा।सीईटी में शामिल होने के लिए 13 लाख 48 हजार 893 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। चार सत्रों में कुल 12 लाख 46 हजार 497 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। आयोग की योजना एक महीने में परीक्षा का परिणाम घोषित करने की थी, लेकिन नार्मलाइजेशन को लेकर मामला हाई कोर्ट में चला गया। हाई कोर्ट की डबल बेंच नार्मलाइजेशन की प्रक्रिया को वैध करार दे चुकी है।

हरियाणा में पंजाब के पूर्व डीजीपी के बेटे की मौत, दवा के ओवरडोज का शक

हिसार, एजेंसी। हरियाणा में पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक मोहम्मद मुस्तफा के बेटे अकील की गुरुवार रात दवा के ओवरडोज से मौत हो गई। यह घटना पंचकूला में हुई है। 35 वर्षीय अकील पंचकूला में ही रह रहे थे। मौत के बाद अकील का शव पंचकूला के सेक्टर-6 स्थित सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में स्थित उनके पैतृक गांव हरडा ले जाया गया। वहीं उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

परिजनों के मुताबिक अकील शादीशुदा थे और उनके एक बेटा व एक बेटी है। पिता मोहम्मद मुस्तफा शुक्रवार तड़के कानूनी कार्रवाई पूरी कर शव के साथ सहारनपुर रवाना हो गए। उनके दो रिश्तेदार शव को एम्बुलेंस से गांव लेकर गए।

1985 बैच के आईपीएस अफसर मोहम्मद मुस्तफा वर्ष 2021 में पंजाब पुलिस से छ्वत्रक्क पद से रिटायर हुए थे। इसके बाद वे कांग्रेस से सक्रिय रूप से जुड़ गए। उनकी पूर्व मंत्री रजिया सुल्ताना से शादी हुई थी। मुस्तफा नवजोत सिंह सिद्धू के करीबी माने जाते हैं। एक समय वे कैप्टन अमरिंदर सिंह के भी नजदीक थे, लेकिन बाद में दोनों के बीच मतभेद हो गए थे। मुस्तफा ने अमरिंदर सिंह पर गंभीर आरोप भी लगाए थे। लेकिन बाद में दोनों के बीच मतभेद हो गए थे।

पुलिस राइडर को मारी टक्कर, बोनट पर गिरा तो एसपीओ को घसीटता ले गया कार चालक

गुड़गांव, एजेंसी। सुभाष चौक के पास गश्त कर रही राइडर को कार सवार द्वारा टक्कर मारने का मामला सामने आया है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुलिस राइडर पर सवार एक पुलिसकर्मी तो सड़क किनारे बनी ग्रीन बेल्ट में जा गिरा तो दूसरा पुलिसकर्मी उछलकर कार के शीशे से टकराता हुआ बोनट पर लटक गया।

कार चालक ने गाड़ी को रोकने की बजाय मौके से भगा लिया। करीब 70 मीटर दूर जाकर एसएचओ मोबाइल की गाड़ी को देखकर आरोपी ने गाड़ी रोकी जिसके बाद उसे पुलिस ने मौके से ही काबू कर लिया। फिलहाल दोनों घायलों को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां दोनों की हालत स्थिर है। सदर थाना प्रभारी का कहना है कि मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 110, 125, 281, 324(5) के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपी को आज अदालत में पेश किया जाएगा।पुलिस के मुताबिक, महेंद्रगढ़ निवासी श्याम गुड़गांव पुलिस में सिपाही है। उनकी ड्यूटी करीब एक महीने से सदर थाने के अंतर्गत राइडर नंबर 17 पर है। उनके साथ एसपीओ सतीश की भी ड्यूटी है। देर रात को सब इंस्पेक्टर सुरेश कुमार व उनकी टीम द्वारा सीएनजी पंप के पास बेरिगेटिंग कर वाहनों की जांच की जा रही थी। रात करीब एक बजे वह अपनी राइडर पर एसपीओ सतीश के साथ गश्त करते हुए सायरन बजाते हुए जा रहे थे। जब वह यदुवंशी स्कूल के पास पहुंचे तो पीछे से आ रही एक वरना गाड़ी ने उनकी राइडर को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर लगते ही सिपाही श्याम तो पास ही ग्रीन बेल्ट में जा गिरे जबकि एसपीओ सतीश उछलकर गाड़ी के शीशे पर जा गिरे।

शीशे पर गिरने के बाद वह उछलकर गाड़ी के बोनट पर आधे लटके रह गए। इसके बाद गाड़ी चालक ने गाड़ी को रोकने की बजाय मौके से भगा दिया। करीब 70 मीटर दूर जाने के बाद चालक को एसएचओ मोबाइल वैन आती दिखाई दी तो उसने अपनी गाड़ी को रोक दिया। जिस पर पुलिस ने उसे मौके से काबू कर लिया। आरोपी शराब के नशे में था जिसे काबू कर उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। घायलों को मेदांता अस्पताल इलाज के लिए भेजा गया जहां दोनों की हालत स्थिर है।

हरियाणा में बदमाशों के हौसले बुलंद! रोहतक में शराब ठेके पर फायरिंग

रोहतक/महम, एजेंसी। महम के गांव भैणी सुरजन में शराब ठेके के सेल्समैन मनोज को गांव भैणी सुरजन निवासी मनीष ने बुधवार शाम करीब सात बजे दो गोली मार दी। मनोज पीजीआइ में उपचाराधीन है। एक गोली हाथ में व एक पेट में लगी हुई है।

शराब ठेकेदार ने आरोप लगाया है कि उसे सैमाण निवासी सुमित उर्फ छोटा ने फोन कर धमकी देकर मंथली की मांग की है। ठेकेदार का आरोप सुमित के साथ उसका पूर्व का साझेदार भी मिला हुआ है। उसी ने सेल्समैन को गोली मारी है। महम थाना पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है।

शराब ठेकेदार सुखपुरा चौक स्थित राजीव कालोनी निवासी अंशुल ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसने ग्लोबल श्री श्याम वाइंस के ठेके ले रखे हैं। उसके ठेके गांव सैमान व भैणी सुरजन तहसील महम में है। इन ठेकों के कारोबार में गांव भैणी सुरजन निवासी मनीष भी साझेदार

था, उसने मनीष के साथ पैसों के लेन-देन को लेकर इन ठेकों की साझेदारी तोड़ ली। इस साझेदारी के टूटने के कारण मनीष उसे रंजिश रखने लग गया।इस रंजिश को लेकर मनीष ने सुमित उर्फ छोटा से उसके पास फोन करवाया। सुमित ने फोन पर मंथली मांगी और जाने से मारने की धमकी दी । 15 अक्टूबर को सेल्समैन मनोज ठेके पर था। मनीष अपने भाई विकास व अन्य दो अन्य व्यक्तियों के साथ ठेके पर आया।मनीष के साथ दो व्यक्ति बाइक पर सवार होकर आए और मनीष का भाई विकास पहले से ही ठेके पर रैकी कर रहा था। उन्होंने सेल्समैन मनोज पर जान से मारने की नियत से ताबड़-तोड़ गोलियां चला दी। गोली लगने से सेल्समैन मनोज घायल हो गया।

पुलिस के मुताबिक गांव सैमाण निवासी सुमित उर्फ छोटा यह गैंगस्टर विकास उर्फ मटरी के सगे चाचा का लडका है। यह करीब 10 महीने पहले जिला कारागार हिसार से जमानत पर आया था। सुमित उर्फ छोटा उर्फ ढिल्ला निवासी गांव सैमाण पर 14 मुकदमें दर्ज हैं, जो हत्या, लूट, छीना-झपटी, लड़ाई-झगड़ा के है। 20 मई 2025 को महम-गोहाना रोड पर नजदीक नया बस स्टैंडमहम पर स्थित शराब ठेके पर भी फायरिंग करवाई थी।

अंतरराज्यीय कडिया सांसी गैंग के तीन बदमाश गिरफ्तार, 1.25 लाख बरामद

कन्नौज , एजेंसी। बैंक से रुपये निकालने वालों से टप्पेबाजी करने वाले अंतरराज्यीय कडिया सांसी गैंग के तीन बदमाशों को गुरुवार को गुरसहायगंज पुलिस ने एसओजी, सर्विलांस टीम की मदद से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके पास से 1.25 लाख रुपये, चार मोबाइल, तमंचा-कारतूस और दो बाइक बरामद की हैं। तीनों शातिरों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस ऑफिस में खुलासा करते हुए एसपी विनोद कुमार ने बताया कि आठ अक्तूबर को गुरसहायगंज कस्बे निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक ब्रजकिशोर दुबे ने एसबीआई बैंक से 1.50 लाख रुपये निकाले थे। बाइक के हैंडल में रुपये से भरा बैग टांग कर दुकान पर खड़े थे। तभी एक युवक बैग लेकर फरार हो गया था। पुलिस ने टप्पेबाजी की रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज की जांच की थी। उसमें बैग लेकर भागने वाले की फोटो निकालकर गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम को लगाया गया था।

एसओजी और सर्विलांस टीम भी लगी हुई थी। पुलिस टीम ने गुरसहायगंज के डुंडवा बुजुर्ग अंडरपास के निकट से पुलिस टीम ने बैग लेकर भागने वाले युवक की पहचान की। तीनों युवक दो बाइकों से जा रहे थे। पुलिस ने तीनों युवकों को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के थाना बोडा के कडिया सांसी निवासी ऋषि, गौतम और अमन बताया। पुलिस ने इनके पास से 1.25 लाख रुपये, चार मोबाइल, एक तमंचा-कारतूस और दो बाइक बरामद की हैं।

गांव के अधिकतर युवक करते हैं टप्पेबाजी: पूछताछ में शातिरों ने बताया कि गांव के अधिकतर युवक टप्पेबाजी का काम करते हैं। सभी अलग-अलग टीम बनाकर राज्यों के जिलों में जाते हैं और टप्पेबाजी करने के बाद दूसरे जिले में निकल जाते हैं। इससे पुलिस उन लोगों को पकड़ नहीं पाती है।

बैंक से लेकर रास्ते तक करते थे रैकी: शातिरों की टीम ने तीन से चार लोग रहते हैं, जिसमें एक बैंक के कैश काउंटर के निकट खड़ा रहता है। रुपये लेकर निकलने वाले युवक की जानकारी बाहर मौजूद साथी को देते हैं। इसके बाद युवक का पीछा कर उसे बातों में उलझाकर या फिर बाइक में टक्कर मारकर झगड़ा करते और रुपये का बैग लेकर फरार हो जाते हैं।

एमपी, महाराष्ट्र और यूपी में दे चुके वारदात को अंजाम: एसपी ने बताया कि गैंग का सरगना ऋषि है, जिसने मध्यप्रदेश के साथ ही उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में वारदातों को अंजाम दिया है। ऋषि पर तीनों प्रदेशों में 20 मुकदमे दर्ज हैं। गौतम पर मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश में सात व अमन पर उत्तर प्रदेश में सात मुकदमे दर्ज हैं।

ठंड से बढ़ी सांस के मरीजों की परेशानी

अमेठी , एजेंसी। ठंड की वजह से सांस के मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। जिला अस्पताल की ओपीडी में इस समय 15 से 20 गंभीर मरीज आ रहे हैं। चिकित्सक बुजुर्ग मरीजों को दवा देने संग सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं।

सांस लेने में परेशानी से पीड़ित मरीजों में सबसे ज्यादा संख्या बुजुर्ग व बच्चों की है। चिकित्सकों के अनुसार श्वसन नली सिकुड़ने व सीने में कफ जमा होने से मरीजों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। बृहस्पतिवार को फिजिशियन डॉ. अमित यादव के अवकाश पर होने से फिजिशियन डॉ. शुभम पांडेय की ओपीडी में मरीजों की अधिक भीड़ रही। ओपीडी में करीब 190 मरीज पहुंचे। इनमें 70 से अधिक बुजुर्ग व अन्य मरीज सांस की समस्या से पीड़ित रहे। चिकित्सक ने बताया कि 15 से 20 मरीज गंभीर मिले। मरीजों को दवा देने संग इनहेलर का उपयोग करने की सलाह दी गई। बुजुर्ग रामकुमार, कमला प्रसाद, रामसरन और इंद्रावती ने बताया कि ठंड के कारण सुबह और रात में सांस लेने में परेशानी हो रही है। चिकित्सक को दिखाया है। उन्होंने दवा देने संग सावधानी बरतने की सलाह दी है। डॉ. शुभम पांडेय ने बताया कि ठंड के कारण ओपीडी में खांसी व जुकाम के मरीज आ रहे हैं। बुजुर्गों में उम्र के हिसाब से ठंड के कारण कुछ मरीजों में सांस की परेशानी बढ़ जाती है। इस मौसम में गर्म पानी पीने संग दिक्कत होने पर भाप लें। बताया कि नियमित इनहेलर का प्रयोग करने वाले मरीज ज्यादा सावधानी बरतें।

कंटेनर की टक्कर से ट्रैक्टर पलटा, चालक समेत दो घायल

सिकंदरपुर , एजेंसी। कोल्ड स्टोरेज से गांव जा रहे गुरुवार को किसान के ट्रैक्टर में नेशनल हाईवे पर कंटेनर चालक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैक्टर पलट गया और उस पर बैठे चालक समेत दो लोग नीचे दब गए। घायलों को निकालकर अस्पताल भिजवाया। भीड़ ने कंटेनर चालक को पकड़कर पिटाई के बाद पुलिस के सुपुर्द कर दिया। ग्राम कुंवरपुर जनूं निवासी चालक विनोद कुमार सुबह 9.30 बजे कोल्ड स्टोरेज से ट्रैक्टर लेकर घर जा रहे थे।

चौकी इंचार्ज और प्रधान में ठनी, भाजपा ने किया एसपी का घेराव

कन्नौज , एजेंसी। भाजपा नेता व ग्राम प्रधान को चौकी इंचार्ज ने गालीगलौज व अभद्रता करते हुए फर्जी संगीन मुकदमे लगाकर गुरुवार को जेल भेजने की धमकी दे डाली। इससे भाजपाइयों में रोष उत्पन्न हो गया और ग्राम प्रधान के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे। वहां पर भाजपा नेताओं ने घेराव कर दरोगा पर कार्रवाई की मांग की। तब एसपी ने सीओ सिटी को मामले की जांच सौंपी है।

सदर कोतवाली की कुसुमखोर चौकी के गोसाईंदासपुर गांव निवासी चंद्रप्रकाश पाल ने बताया कि वह वर्तमान समय ग्राम प्रधान हैं। भाजपा का सक्रिय कार्यकर्ता व प्रधान होने के कारण ग्रामीणों के बीच होने वाले छोटे विवादों को दोनों पक्षों में सुलह करवाकर निपटा देते हैं। आरोप है कि एक मामला पुलिस चौकी कुसुमखोर पहुंचा तो ग्राम प्रधान ने चौकी इंचार्ज प्रदीप कुमार से मोबाइल पर बात की। इस पर चौकी इंचार्ज भड़क गए और अभद्रता करते मोबाइल की कॉट दी। कुछ देर बाद चौकी इंचार्ज उनकी बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान पर पहुंच गए और गालीगलौज करते हुए धमकी देने लगे। ग्राम प्रधान ने बताया कि चौकी इंचार्ज ने पार्टी को भला बुरा कहते हुए धमकी दी। कहा कि आप पर इतने संगीन मुकदमे लगाऊंगा कि पूरा जीवन जेल में ही काटेगा। ये मामला जब स्थानीय भाजपा नेताओं को पता चला तो उनमें रोष पनप गया। भाजपा जिला महामंत्री हरिबक्स सिंह, दिलीप पांडेय, अखिलेश पांडेय समेत 40 समर्थक ग्राम प्रधान के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। कार्यकर्ताओं की भीड़ बढ़ती देख पुलिस ऑफिस में स्वाट टीम तैनात कर दी गई। कुल भाजपा नेताओं ने ग्राम प्रधान के साथ जाकर एसपी विनोद कुमार से बात की। इस दौरान करीब आधा घंटा तक एसपी ऑफिस में अफरातफरी बनी रही। एसपी ने बताया कि मामले की जांच सीओ सिटी अभिषेक प्रताप अजेय को दी गई है। जांच में चौकी प्रभारी दोषी मिलेंगे तो कार्रवाई होगी।

प्रधान जी चलाना चाह रहे पुलिस चौकी!: कुसुमखोर चौकी प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि प्रधान चंद्रप्रकाश हर मामले में हस्तक्षेप करते हैं और धमकी देते हैं कि मेरे बिना चौकी नहीं चला पाओगे। महमूदपुर गंग व भखरा गांव में इनके कारण विवाद हुए। आए दिन विवेचना में नाम घटाने या बढ़ाने का दबाव बनाते हैं। अभी तीन माह पहले उनकी पुलिस चौकी पर तैनाती हुई है। इस कारण क्षेत्र की राजनैतिक स्थिति की जानकारी भी नहीं है। एसपी को पूरे मामले से अवगत करा दिया गया है।

सरकारी पाइपों की चोरी के आरोपी को पुलिस ने बदोचा

मुठभेड के दौरान आरोपी के पैर में लगी गोली, 45 पाईप किये बरामद

मथुरा। पानी की पाइप लाइन डालने के लिए लाए गये सरकारी पाइपों की चोरी में पुलिस एक आरोपी को मुठभेड के बाद गिरफ्तार किया है। जबकि अन्य दो आरोपियों को तलाश है। एसओजी मथुरा व थाना मगोर्रा पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में पाईप चोर गैंग के एक सक्रीय अन्तर्राज्य वांछित चोर को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया। पाइप चोरी के संबंध में थाना मगोर्रा पर एफआईआर दर्ज हुई थी। अभियुक्त के साथ पुलिस की मुठभेड ब्रजधाम स्कूल के सामने मथुरा सौख रोड थाना क्षेत्र मगोरा में हुई। आरोपी पैर में पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे घायल अवस्था में दबोच लिया। इसके कब्जे से 45 पाईप जिनकी अनुमानित कीमत करीब तीन लाख रुपये है की बरामद की गई है। अभियुक्त द्वारा चोरी के पाइप बेच कर बनाये गये 19,000 रूपये भी बरामद किये हैं। घायल

अवस्था में अभियुक्त को उपचार के लिये सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने अभियुक्त की पहचान आसिफ पुत्र समसूद्दीन उर्फ समसू निवासी निम्बाहेडी थाना टपुकडा जनपद खैरथल राजस्थान के रूप में की है। चोरी की इस घटना में बलदेव राज पुत्र नरेन्द्र लाल निवासी पंचकुला हरियाणा व हाकिम पुत्र फजरु निवासी देवसेरस थाना गोवर्धन मथुरा के नाम भी प्रकाश में आए हैं। पुलिस आरोपियों को तलाश कर रही है। अभियुक्त आसिफ के कब्जे से 45 पाईप के अलावा एक तमंचा, दो जिन्दा कारतूस, तीन खोखा कारतूस भी बरामद हुए हैं। प्रधानमंत्री हर घर जल योजना के अंतर्गत जल जीवन मिशन गंगा जल परियोजना से सुदूर गांव देहात क्षेत्र में स्वच्छ जल पहुचाने के लिए कम्पनी द्वारा बिछाई जा रही भूमिगत पाईप लाईन में प्रयुक्त पाईपों को चोरी कर सस्ते दामों में बेच देते थे और उससे प्राप्त नगदी को आपस में बांट लेते थे। 16 अगस्त को कम्पनी के ग्राम नगला देविया भाग बछगांव में बिछाने के लिए रखे गये 110 पाईपों को चोरी कर लिया गया था। अभियुक्त आज चोरी किए पाईपो में से छुपा कर रखे गए 45 पाईप को बेचने के लिए लेने आया था।

पराली जलने पर भरनाखुर्द लेखपाल निलंबित

गोवर्धन तहसील क्षेत्र में पहली बार हुई बड़ी कार्रवाई

मथुरा। गोवर्धन तहसील गोवर्धन में आदेशों व निर्देशों का उल्लंघन करने एवं बरती जाने वाली घोर लापरवाही की दशा में एसडीएम ने भरना खुर्द के लेखपाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। शुक्रवार को एसडीएम प्रजाक्ता त्रिपाठी ने गोवर्धन तहसीलदार की आख्या पर के अनुसार उपरोक्त समस्त तथ्यों को देखते हुए अपने उच्चाधिकारियों के आदेशों व निर्देशों का उल्लंघन करने एवं बरती जाने वाली घोर लापरवाही की दशा में भरना खुर्द के लेखपाल पवन कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एसडीएम प्रजाक्ता त्रिपाठी ने बताया कि ग्राम भरना खुर्द में सैटेलाइट के द्वारा पराली जलाए जाने की घटना प्रदर्शित हुई है। इससे ऐसा प्रतीत होता है, कि लेखपाल पवन कुमार द्वारा पराली जलाने से रोकने के लिए ग्राम में व्यापक प्रचार प्रसार नहीं किया है और अपने स्तर से मुनादी आदि नहीं कराई गई है। जिसके फलस्वरूप उक्त घटनाएं परिलक्षित हुई है, जो पराली न जलाए जाने के अभियान में घोर लापरवाही का घोतक है। लेखपाल पवन कुमार द्वारा उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना भी की गई है। इसलिए उन्हें निलंबित किया गया है।

प्रवर्तन दल ने दो स्थानों पर की छापेमार कार्यवाही

विजिलेंस टीम ने 10 किलोवाट से अधिक की चोरी पकडी

मथुरा। विद्युत विभाग की विजिलेंस टीम ने दो स्थानों पर कार्यवाही करते हुए घरलू परिसर में स्वीकृत भर से अधिक की बिजली चोरी पकडी। दोनों परिसरों में 10 किलोवाट से अधिक की बिजली चोरी की जा रही थी। दोनों मामलों में विद्युत थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्रेमचंद पुत्र जगन्नाथ निवासी दुर्गा कॉलोनी सकरवा रोड गोवर्धन मथुरा के आवासीय परिसर पर छापामार कार्यवाही की गई। घरेलू परिसर मे दो किलोवाट का विद्युत कनेक्शन स्वीकृत था। मीटर की इनकमिंग केबिल में कट लगा कर विद्युत चोरी की जा रही थी। प्रवर्तन दल की टीम ने 5312 किलोवाट भार की विद्युत चोरी पकडी। प्रवर्तन दल ने दूसरी कार्यवाही कार्यवाही नौहझील क्षेत्र के गांव सल्ल में की। यहां शंकर लाल के आवासीय परिसर में दो किलोवाट भार का विद्युत कनेक्शन स्वीकृत था। प्रवर्तनदल की टीम ने कार्यवाही करते हुए 5481 किलोवाट की बिजली चोरी पकडी। परिसर में लगे बिजली के मीटर के लिए जा रही इनकमिंग केबिल में कट लगाकर बिजली की चोरी की जा रही थी। प्रवर्तनदल की टीम में प्रभारी अरूण कुमार, जेई किशन कुमार सोनकर, आरक्षी अर्चना सिंह, हिमाशुं चौधरी, मोहित, नितिश कुमार के अलावा स्थानीय जेई अंकुर यादव भी शामिल थी।

अब फार्मर रजिस्ट्री पर ही मिलेगी सम्मान निधि की किस्त

एक महीने चलेगा विशेष अभियान, हर ग्राम पंचायत में लगेगा शिविर

मथुरा। उप कृषि निदेशक ने जनपद के समस्त किसानों को सूचित किया है कि एग्रीस्टैक योजनान्तर्गत भूमिधर कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री बनाये जाने के लिए विशेष अभियान 16 अक्टूबर से 15 नवम्बर 2025 तक चलाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक राजस्व ग्राम में एक एक कैम्प का आयोजन कराया जायेगा। अतः किसान भाईयों से अपेक्षा की जाती है कि कृपया अपनी फार्मर रजिस्ट्री बनवा लें जिससे कृषक को निम्नलिखित लाभ होंगे। पीएम किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत आगामी किस्त प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। बिना फार्मर रजिस्ट्री के अगली किस्त प्राप्त नहीं होगी। किसानों को फसली ऋण प्राप्त करने हेतु फार्मर रजिस्ट्री आवश्यक होगा। फसल बीमा का लाभ प्राप्त करने में सुगमता होगी इसके साथ आपदा प्रबंधन के अन्तर्गत कृषकों को क्षति पूर्ति हेतु कृषकों को चिन्हांकन करने में सुगमता होगी। फार्मर रजिस्ट्री कराने से किसान भाइयों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने तथा कृषि एवं सम्बद्ध विभागों को फार्मर रजिस्ट्री पर उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर योजनाओं का लाभ वितरण करने में सुगमता होगी। लाभार्थी कृषक भाइयों का बार बार सत्यापन कराना आवश्यक नहीं होगा। लगने वाले कैम्प की तिथि के सम्बन्ध में जानकारी कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारी, लेखपालों, पंचायत सहायकों एवं रोजगार सेवकों से ली जा सकती है। कैम्प के अतिरिक्त कृषक स्वयं व जनसेवा केन्द्र के माध्यम से भी फार्मर रजिस्ट्री बनवा सकते है।

निर्वाचन अधिकारी बनकर शिक्षक से ठगी का प्रयास

मथुरा। राया ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय गढी परसा में कार्यरत सहायक शिक्षक देवेंद्र सिंह ग्राम पंचायत बीरबल के बीएलओ के रूप में कार्यरत है। 16 अगस्त को शाम लगभग 5.30 बजे उनके मोबाइल नंबर पर कॉल आई। कॉल करने वाले फ्रॉड ने अपने आप को जिला निर्वाचन कार्यालय मथुरा का कर्मचारी बताते हुए बीएलओ कार्य की जानकारी लेते हुए पूछा कि उनकी ग्राम में कुल कितने वोट हैं तथा आप द्वारा कितने नए मतदाता बढ़ाये गए हैं। ई बीएलओ एप के विषय मे जानकारी लेते हुए कार्य मे शिथिलता के लिए जिला अधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी के नाम से धमकाया गया। शिक्षक देवेंद्र सिंह से बीएलओ कार्य के मानदेय के विषय में जानकारी लेते हुए बैंक खाते व पेटीएम खाते की जानकारी का प्रयास किया। साइबर फ्रॉड ने शिक्षक बीएलओ से गूगल मीट के माध्यम से जिला अधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी द्वारा आयोजित गूगल मीट में जुड़ने के लिए वीडियो कॉल के द्वारा जुड़ने के लिए कहा गया किंतु वीडियो कॉल से न जुड़ने पर साइबर ठग द्वारा गाली गलौज देते हुए फोन काट दिया गया। इस संबंध में शिक्षक द्वारा उप जिला अधिकारी मांट को संपूर्ण प्रकरण से अवगत कराते हुए संबंधित के विरुद्ध क़ानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है।

ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से वितरित की जायेगी बीज किट

मथुरा जनपद को इस बार 250 कुंटल बीज वितरण को मिला है

मथुरा। कृषि विभाग इस बार ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किसानों को सरसों के बीच की मिनी किट वितरित करेगा। उप कृषि निदेशक ने अवगत कराया है कि राज्य सहायतित निशुल्क बीज मिनीकिट वितरण एवं प्रसार कार्यक्रम योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश कृषक कल्याणकारी सरकार द्वारा जनपद मथुरा को 250 कुंटल यानी 12500 सरसों बीज के निःशुल्क मिनीकिट कृषकों को निःशुल्क वितरण किये जाने हेतु प्राप्त हुए है। उप कृषि निदेशक मथुरा द्वारा अवगत कराया कि कृषि विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकृत कृषकों के द्वारा सरसों मिनीकिट निःशुल्क बीज प्राप्त करने के लिये ऑनलाइन आवेदन किया जायेगा। लक्ष्य से अधिक बुकिंग होने पर आवेदकों के मध्य ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से लाभार्थी का चयन जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में किया जायेगा। उसके उपरान्त चयनित लाभार्थी कृषक को सम्बन्धित राजकीय कृषि बीज भण्डार से पीओएस मशीन के माध्यम से निःशुल्क सरसों बीज मिनीकिट उपलब्ध करा दिया जायेगा। मिनीकिट के लिए एक अक्टूबर से ऑनलाइन पोर्टल खुला हुआ है।

वृंदावन में पुलिस ने पकड़ा अवैध आतिशबाजी का गोदाम

दीपावली से पहले वृंदावन में पुलिस ने अवैध आतिशबाजी के गोदाम पर छापा मारा

मथुरा। वृंदावन में दीपावली से पहले पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वृंदावन के प्रताप बाजार स्थित एक गोदाम में भारी मात्रा में आतिशबाजी का अवैध भंडार है, जिससे घनी आबादी वाले क्षेत्र में रखे इस बारूद के जखीरे के मिलने से खलबली मच गई। पुलिस ने मौके से एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है। वृंदावन कोतवाली प्रभारी संजय पांडे के नेतृत्व में पुलिस ने सावरे अग्रवाल के गोदाम पर यह छापा मारा। कार्यवाही में लाखों रुपए मूल्य के आतिशबाजी के सामान बरामद हुए हैं, जिनमें कई ब्रांडों के पटाखे और देसी बम शामिल हैं। पुलिस ने पूरे सामान को जब्त कर लिया है।कोतवाली प्रभारी संजय पांडे के अनुसार, गोदाम में किसी अन्य व्यक्ति का भी आतिशबाजी का सामान बड़ी मात्रा में रखा गया था। यह गोदाम घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थित था, इसलिए किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि सामान की तुलाई कराई जा रही है और मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। दीपावली से पहले वृंदावन पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रताप बाजार स्थित एक गोदाम से भारी मात्रा में अवैध आतिशबाजी का जखीरा बरामद किया। कोतवाली प्रभारी संजय पांडे की टीम ने छापा मारकर लाखों रुपए कीमत के पटाखे और देसी बम जब्त किए। मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गोदाम घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थित था, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस ने आतिशबाजी के सामान की तुलाई कराकर मुकदमा दर्ज किया है।

चौथ वसूली में महिला गरफ्तार

मथुरा। थाना कोतवाली पुलिस ने चौथवसूली के अभियोग में वाछिंत अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है। थाना कोतवाली पर दर्ज अभियोग में महिला थी। अभियुक्ता को औरंगाबाद बाजार के पास से किया गिरफ्तार। जिसके विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

पेड पर लटका मिला युवक का शव

मथुरा। शुक्रवार की सुबह मांट नोहझील रोड पर बिजलीघर के समीप पेड़ पर एक युवक का शव लटका मिला। सूचना पर थाना मांट पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को पेड से उतार कर कब्जे में लिया। आवश्यक कार्यवाही के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। राहगीरों ने शव को देखा तो इसकी सूचना मांट पुलिस को दी। थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। इस दौरान भारी भीड़ एकत्रित हो गई। मौके पर पहुंची भीड़ ने शव की पहचान मांट मूला में ईदगाह के समीप रहने वाले 40 वर्षीय राजू के रूप में कर ली।

गंभीर कुपोषित बच्चों की परवाह करने पर दो परियोजना अधिकारी सम्मानित

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने दिया प्रशस्ति पत्र

'मथुरा। राष्ट्रीय पोषण माह का समापन कार्यक्रम बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज के ऑडिटोरियम में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान जी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विधायक बलदेव पूरन प्रकाश, जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चंद्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति, जिला सूचना अधिकारी प्रशांत कुमार सुचारी सहित जनपद की आगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रही। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की माननीय अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान जी ने कार्यक्रम में आगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा लगाएं गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्हींने आगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा बनाये गए स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजनों के स्टॉल का अवलोकन किया और व्यंजनों को चखा।जिला कार्यक्रम अधिकारी ने अवगत कराया कि सभी व्यंजन कम

चीनी, कम तेल तथा कम नमक में बनाये गए है। स्टॉलों में मिलेट्स से बनाये गए विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजन भी लगाएं गए थे। राष्ट्रीय पोषण माह के समापन कार्यक्रम में डॉ. बबीता सिंह चौहान ने पांच महिलाओं की गोद भराई कराई। कार्यक्रम में डॉ. बबीता सिंह चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह भारत सरकार द्वारा हर साल सितंबर में मनाया जाने वाला एक अभियान है, जिसका उद्देश्य कुपोषण को दूर करना और बेहतर पोषण एवं स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना है। इसकी शुरुआत 2018 में हुई थी और इसका आयोजन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा किया जाता है।अभियान का मुख्य उद्देश्य कुपोषण को कम करना, पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाना और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना है। अभियान के अंतर्गत पोषण परामर्श सत्र, गोद भराई ,अन्नप्राशन, स्वच्छता अभियान ,पौष्टिक आहार प्रदर्शनी, हैंड मेड खिलौने, आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस अभियान से गर्भवती महिलाओं, 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों ,स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोर लड़कियों को लाभ मिलता है, और यह कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कफ बढ़ने से होते हैं 28 रोग इन चीजों से बचें

वात और पित्त के साथ शरीर में कफ का संतुलन सही होना जरूरी है। कफ के बढ़ने पर 28 प्रकार के रोग आपको घेर सकते हैं। लेकिन इनसे बचने के लिए आपको ऐसी चीजों से बचना होगा, जो कफ पैदा करती हैं या कफ को बढ़ा सकती हैं। आइए जानते हैं कौन सी चीजें कफ में न खाएं और किन चीजों का सेवन करें -

वसायुक्त चीजें

वसायुक्त चीजों का सेवन कफ बढ़ाने का काम करती हैं इसलिए जितना हो सके इनसे बचने की कोशिश करें।

दूध

दूध कफ को बढ़ाता है। अगर आपकी कफ प्रकृति है तो आपको दूध का सेवन कम करना चाहिए या फिर हल्दी के साथ इसका सेवन करें।

मांस

कफ बढ़ने पर मांस का सेवन आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए कफ होने पर मांस का सेवन करने से बचें और अगर कफ की तासीर हो तो मांस का सेवन कम से कम करें।

मक्खन

मक्खन में वसा अधिक होता है, इसलिए यह कफ बढ़ाने का काम करता है। कफ की समस्या में मक्खन या मक्खन युक्त चीजों का सेवन न करें।

पनीर

पनीर से कफ तो बनता ही है, कई लोगों को पाचन संबंधी समस्या भी हो सकती है क्योंकि कुछ लोगों को पनीर आसानी से नहीं पचता। इसलिए अतिसेवन न करें।

क्या खाएं

- सुबह या दिन के भोजन के बाद गुड़ का सेवन फायदेमंद हो सकता है। गुड़ की तासीर गर्म होती है, यह कफ को कम करने के साथ ही पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।
- तुलसी, सौंठ, अदरक और शहद जैसी चीजों का सेवन कफ को कम करने में बहुत फायदेमंद होता है, तो इन्हें किसी भी तरह से डाइट में शामिल करें।

दिमाग को स्वस्थ और मजबूत बनाना बहुत जरूरी

दिमाग बढ़ाने वाली सब्जियों से भरपूर डाइट लेने के अलावा शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, तनाव कम लेना, हाइड्रेटेड रहना और पर्याप्त नींद लेकर भी दिमाग के कामकाज में सुधार किया जा सकता है और सोचने-समझने की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

दिमाग शरीर का एक मुख्य अंग है जिसका काम सोचना-समझना, याद रखना, नया सीखना आदि है। अन्य अंगों की तरह दिमाग को भी बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए कुछ पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। अगर आपको सोचने-समझने की क्षमता कम है, आपकी याददाश्त कमजोर है, या आप हमेशा विचलित रहते हैं, तो इसके सीधा सा मतलब है कि आपके दिमाग में कुछ लोचा है, जिसे ठीक करना जरूरी है। याद रहे कि तेजी से दौड़ती दुनिया में दिमाग को स्वस्थ और मजबूत बनाना बहुत जरूरी है। इत्तेफाक से रोजाना खाई जाने वाली कुछ सब्जियों में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो दिमाग को तेज करते हैं और याददाश्त को भी बढ़ाते हैं।

पत्तेदार सब्जियां

हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार पालक, केल और स्विस चार्ड जैसी पत्तेदार सब्जियां विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती हैं, जिनमें विटामिन के, विटामिन बी 6 और फोलेट शामिल हैं। ये पोषक तत्व मस्तिष्क के स्वास्थ्य और सोचने-समझने के लिए जरूरी हैं। इनमें ल्यूटिन और ज़ेक्सैंथिन, एंटीऑक्सिडेंट भी होते हैं जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन से बचाते हैं।

ब्रोकोली

ब्रोकोली एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर है जो मस्तिष्क को बेहतर बनाती है। यह कोलीन का एक अच्छा स्रोत है, एक पोषक तत्व जो मेमोरी बढ़ाने और सीखने की क्षमता में सुधार करता है। इसके अतिरिक्त, ब्रोकोली में सल्फोराफेन नामक एक यौगिक होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो मस्तिष्क को क्षति से बचा सकते हैं।

चुकंदर

चुकंदर नाइट्रेट से भरपूर होते हैं, जो मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने और संज्ञानात्मक कार्य में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। इनमें एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी यौगिक भी होते हैं जो दिमाग को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकते हैं।

गाजर

गाजर बीटा-कैरोटीन का एक अच्छा स्रोत है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो शरीर में विटामिन ए में बदल जाता जाता है। विटामिन ए मस्तिष्क के कार्य से निकटता से जुड़ा हुआ है। गाजर में अन्य एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं जो ब्रेन को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचा सकते हैं।

बेल मिर्च

बेल मिर्च विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक कार्य का समर्थन करता है। इनमें विटामिन बी6 और फोलेट जैसे अन्य पोषक तत्व भी होते हैं, जो मस्तिष्क के कार्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

कद्दू

कद्दू बीटा-कैरोटीन और अन्य एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकता है। यह मैग्नीशियम का भी एक अच्छा स्रोत है, एक मिनरल है, जो दिमाग के कामकाज को बढ़ाने के लिए जरूरी है।

टमाटर

टमाटर लाइकोपीन से भरपूर होते हैं, एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकता है। लाइकोपीन को अल्जाइमर रोग जैसे न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के कम जोखिम से भी जोड़ा गया है।

बैंगन

बैंगन में नासुनिन नामक एक यौगिक होता है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन से बचा सकता है। नासुनिन को स्वस्थ मस्तिष्क समारोह और संज्ञानात्मक प्रदर्शन का समर्थन करने के लिए भी दिखाया गया है।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय

अगर आपकी प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ गई है और आप बार-बार सर्दी, खांसी, जुकाम या बुखार से पीड़ित हो रहे हैं तो आपको जरूरत है इस खास आयुर्वेदिक चाय की। तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय तेजी से आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी। चलिए जानते हैं इस चाय को बनाने के लिए जरूरी सामग्री और चाय बनाने की सही विधि

सामग्री

तुलसी के सुखाए हुए पत्ते (जिन्हें छाया में रखकर सुखाया गया हो) 500 ग्राम, दालचीनी 50 ग्राम, तेजपान 100 ग्राम, ब्राह्मी बूटी 100 ग्राम, बनफशा 25 ग्राम, सौंफ 250 ग्राम, छोटी इलायची के दाने 150 ग्राम, लाल चन्दन 250 ग्राम और काली मिर्च 25 ग्राम।

विधि

सब पदार्थों को एक-एक करके इमाम दस्ते (खल बत्ते) में डालें और मोटा-मोटा कूटकर सबको मिलाकर किसी बरनी में भरकर रख लें। बस, तुलसी की चाय तैयार है। दो कप चाय के लिए यह 'तुलसी चाय' का मिश्रण (चूर्ण) आधा छोटा चम्मच भर लेना काफी है। दो कप पानी एक तपेली में डालकर गरम होने के लिए आग पर रख दें। जब पानी उबलने लगे तब तपेली नीचे उतार कर आधा छोटा चम्मच मिश्रण डालकर फौरन ढक्कन से ढंक दें। थोड़ी देर तक उबलने दें फिर छानकर कप में डाल लें। इस चाय में दूध नहीं डाला जाता। मीठा करना चाहें तो उबलने के लिए आग पर तपेली रखते समय ही उचित मात्रा में शकर डाल दें और गरम होने के लिए रख दें।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाई के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा – आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल – नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी – कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक – कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकांई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा – साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध – कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा – एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू – एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ज्यादा बादाम खाना

बादाम खाने की सलाह उन लोगों को दी जाती है जो हर छोटी-छोटी बातों को भूल जाते हैं। शोधकर्ताओं के द्वारा किए गए शोधों में भी यह बात साबित हो चुकी है कि बादाम खाना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है।

बादाम प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स, फाइबर और गुड फैट जैसे कई पोषक तत्वों से भरा होता है। बादाम शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी है। इसलिए सर्दियों के मौसम में चिकित्सा विशेषज्ञ लोगों को बादाम खाने को कहते हैं। बादाम खाने की सलाह हर कोई देता है लेकिन यह कितनी मात्रा में खानी चाहिए यह अच्छी तरह से कोई नहीं बता पता है। अधिक मात्रा में बादाम खाने के शारीरिक दुष्प्रभाव भी हैं। बादाम के ज्यादा सेवन से एक तरफ जहाँ वजन बढने का खतरा होता है, वहीं दूसरी तरफ इससे आंखों की रोशनी भी प्रभावित होती है। बादाम की तासीर गर्म होती है, इसके चलते लोगों का यह विचार होता है कि जितनी ज्यादा मात्रा में बादाम खायी जाए उतना ही शरीर को ज्यादा फायदा होगा। यह सोच सही नहीं है।

हमेशा भीगे हुए बादाम खाने चाहिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार बादाम को भिगाते ही उसमें पाए जाने वाले प्रोटीन का स्तर बढ़ जाता है। बादाम को रात भर भिगोकर खाना चाहिए, इससे उसमें मौजूद गर्म तत्व काफी हद तक खत्म हो जाते हैं। साथ ही, भिगोए बादाम में पोषक तत्व भी सूखे बादाम की तुलना में ज्यादा होते हैं। बादाम को भिगोकर खाने से इसमें मौजूद फाइबर को पचाना आसान हो जाता है।

ज्यादा मात्रा में बादाम का सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए हर दिन सिर्फ 10 से 15 बादाम ही खाने चाहिए। भीगे हुए बादाम कच्चे या भुने हुए बादाम से ज्यादा कारगर होते हैं। इसलिए प्रयास करके हमेशा बादाम भीगे हुए ही खाने चाहिए।

मोटापा बढना

बादाम में मौजूद फैट और कैलरी की शरीर में अधिकता होने से मोटापा बढ़ता है। आज की युवा पीढ़ी और बच्चे ज्यादातर फिजिकल एक्टिविटीज से दूर रहते हैं, इससे शरीर की कैलरीज आसानी से बर्न नहीं होती और शरीर में फैट जमा होने लगता है। ऐसे में ज्यादा बादाम खाना नुकसानदेह तो होगा ही, साथ ही इससे आपका वजन भी बढ़ेगा।

हो सकती हैं गंभीर समस्याएँ

बादाम का अधिक मात्रा में सेवन करने से कब्ज, पेट फूलना और लूज मोशन की समस्या हो सकती है। इसके अलावा, बादाम में मिलने वाले एक प्रोटीन से मुंह, गले और कंठ में खुजली होने के साथ ही जीभ, मुंह और होंठ में सूजन जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। वहीं, ज्यादा बादाम खाने से शरीर में मैग्नीज की मात्रा भी बढ़ जाती है जिससे ब्लड प्रेशर और एंटीबायोटिक्स की दवाइयों का असर भी कम होता है।

धनतेरस से पहले आईपीओ पर दांव लगाने का आखिरी मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। धनतेरस से पहले एक और कंपनी पर आईपीओ बंद हो रहा है। मिडवेस्ट लिमिटेड आईपीओ पर दांव लगाने का आखिरी मौका है। इस कंपनी को पहले दो दिन में 12 गुना से अधिक का सब्सक्रिप्शन मिला है। ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 150 रुपये के करीब है। आइए डीटेल्स में जानते हैं इस आईपीओ के विषय में ... मिडवेस्ट लिमिटेड के आईपीओ का साइज 451 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 23 लाख फ्रेश शेयर और 19 लाख शेयर ऑफर फार सेल के जरिए जारी करेगी। यह आईपीओ 15 अक्टूबर को खुला था। निवेशकों के पास 17 अक्टूबर यानी आज तक दांव लगाने का मौका है। मिडवेस्ट आईपीओ का प्राइस बैंड 1014 रुपये से 1065 रुपये का प्राइस बैंड सेट किया है। कंपनी ने 14 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14910 रुपये का दांव लगाने का मौका है। कर्मचारियों को कंपनी ने एक शेयर पर 101 रुपये का छूट दी है। एंकर निवेशकों को लिए यह आईपीओ 14 अक्टूबर को खुला था। एंकर निवेशकों से कंपनी 135 करोड़ रुपये जुटाने में सफल रही थी। इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 145 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जोकि 13.62 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन की ओर इशारा कर रही है। 15 अक्टूबर को ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 175.50 रुपये के उपलब्ध पर था।

धूम-धड़ाके के साथ लिस्ट 145 पर लिस्ट हुआ सस्ता आईपीओ

नईदिल्ली, एजेंसी। भले ही बाजार में आज शानदार तेजी देखने को मिली है है। इसका फायदा एसके मिनिरल्स को लिस्टिंग में मिला है। कंपनी की मजबूत लिस्टिंग हुई है। लिस्टिंग के बाद खरीदारी की वजह से शेयरों में अपर सर्किट भी लगा है। बीएसई में एसके मिनिरल्स के के शेयर 14.17 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 145 रुपये पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगा है। इस उछाल के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 152.25 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। बता दें, मौजूदा समय में यह स्टॉक अपने इश्यू प्राइस से 19.88 प्रतिशत की उछाल हासिल कर चुका है। एसके मिनिरल्स आईपीओ 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर के दौरान निवेशकों के लिए खुला था। कंपनी ने आईपीओ के लिए 120 रुपये से 127 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया था।

2,400 से अधिक उछला सोना चांदी 1.7 लाख रूपये के पार

● *एमसीएक्स पर 5 दिसंबर की डिलीवरी वाला सोना सुबह 9.40 बजे 2302 रुपये की तेजी के साथ 1,32,154 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड कर रहा था*

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली में अब कुछ ही दिन रह गए हैं। इससे पहले सोने और चांदी की कीमत में भारी तेजी देखी जा रही है। बाजार खुलते ही सोने और चांदी की कीमत में 2,400 रुपये से अधिक की उछाल आई। एमसीएक्स पर 5 दिसंबर की डिलीवरी वाला सोना सुबह 9.40 बजे 2302 रुपये की तेजी के साथ 1,32,154 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड कर रहा था। पिछले सत्र में यह 1,29,852 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1,31,026 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,32,294 रुपये तक हाई और 1,31,026 रुपये तक लो गया। चांदी सुबह 9.50 बजे 2248 रुपये की तेजी के साथ 1,69,911 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड कर रही थी। पिछले सत्र में यह 1,67,663 रुपये पर बंद हुई थी और आज 1,68,100 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में इसका रेट 1,70,415 रुपये तक हाई और 1,67,006 रुपये तक लो गया। इसके साथ ही सोने का मार्केट कैप 30 ट्रिलियन डॉलर और चांदी का 3 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुका है। यह अपने रिकॉर्ड स्तर 1,84,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के करीब पहुंच गई। मंगलवार को इसने 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम का रेकॉर्ड छुआ था।

दिल्ली सर्राफा बाजार

इससे पहले कारोबारियों की मुनाफावसूली के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने की कीमतें अपने रेकॉर्ड स्तर से नीचे आ गईं और 200 रुपये की गिरावट के साथ 1,31,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत पिछले कारोबार में 1,000 रुपये बढ़कर 1,31,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 200 रुपये घटकर 1,31,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। इससे पहले यह अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 1,31,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में चांदी की कीमतों में 2,000 रुपये की तेजी आई।

अब नेस्ले में भी छंटनी की खबर

कंपनी ने लागत घटाने के लिए 16000 नौकरियों में कटौती का बनाया प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य जगत की दिग्गज स्विस कंपनी नेस्ले ने भी अपने वित्तीय प्रदर्शन को सुधारने के लिए छंटनी का सहारा लेने का फैसला किया है। खबर है कि कंपनी वैश्विक स्तर पर 16,000 नौकरियों में कटौती करेगी। नेस्ले नेस्कैफे ड्रिंक्स, पालतू जानवरों के भोजन पुरीना और अन्य उत्पाद बनाती है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि अगले दो वर्षों में वह नौकरियों में कटौती कंपनी। स्विस कंपनी ने बताया कि वह अगले वर्ष के अंत तक लागत में कटौती का लक्ष्य बढ़ाकर 3 अरब स्विस फ्रैंक (3.76 अरब डॉलर) कर रही है। पहले यह लक्ष्य 2.5 अरब स्विस फ्रैंक (3.13 अरब अमेरिकी डॉलर) थी। वेवे, स्विट्जरलैंड स्थित कंपनी के लिए यह साल उथल-पुथल भरा रहा है। पिछले महीने, नेस्ले ने अपने एक प्रत्यक्ष अधीनस्थ के साथ अघोषित संबंधों की जांच के बाद सीईओ लॉरेंट फ्रेइक्स को बर्खास्त कर दिया था। फ्रेइक्से को इस पद पर आए हुए सिर्फ एक साल हुआ था। उनकी जगह नेस्ले के लंबे समय से कार्यकारी रहे फिलिप नवरातिल को नियुक्त किया गया था। फ्रेइक्से को पद से हटाए जाने के कुछ समय बाद ही अध्यक्ष पॉल बुल्के ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। नेस्ले भी अन्य खाद्य निर्माताओं की तरह बाहरी चुनौतियों से जूझ रही है। इनमें बढ़ती कमोडिटी लागत और टैरिफ का नकारात्मक प्रभाव शामिल है। कंपनी ने जुलाई में कहा था कि उसने कॉफी और कोको से जुड़ी बढ़ी हुई लागत की भरपाई कीमतों में बढ़ोतरी से की है। नेस्ले ने गुरुवार को कहा कि वह कई जगहों पर 12,000 व्हाइट-कॉलर पदों को समाप्त करेगी। इन नौकरियों में कटौती से अगले साल के अंत तक 1 अरब स्विस फ्रैंक (1.25 अरब अमेरिकी डॉलर) की सालाना बचत होने की उम्मीद है।

टेक सेक्टर में छंटनी के बीच इंफोसिस ने दी 12000 फ्रेशर्स को नौकरी, अभी 8000 वैकेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटी कंपनी इंफोसिस ने वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में 12,000 नए फ्रेशर्स की भर्ती की है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी जयेश सांगराजका ने 16 अक्टूबर को दूसरी तिमाही की अर्निंग्स कॉन्फ्रेंस में बताया कि इंफोसिस साल भर में कुल 20,000 फ्रेशर्स को नियुक्त करने की राह पर है। उन्होंने कहा, साल की शुरुआत में हमारा लक्ष्य 15,000 से 20,000 फ्रेशर्स को लेना था। अब तक हमने 12,000 भर्ती कर ली हैं, और हम 20,000 का वार्षिक लक्ष्य पूरा करने के रास्ते पर हैं।

कंपनी ने जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही में 7,364 करोड़ का शुद्ध

मुनाफ़ा दर्ज किया, जो साल-दर-साल 13.2 प्रतिशत की वृद्धि है। कुल राजस्व 44,490 करोड़ तक पहुंचा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.6 प्रतिशत अधिक रहा। ऑपरेशनल मार्जिन 21 प्रतिशत पर लगभग स्थिर रहा। कंपनी ने प्रति शेयर 23 का इंटरिम डिविडेंड घोषित किया।

हेडकाउंट और अट्रिशन दर

दूसरी तिमाही में इंफोसिस ने अपनी कुल कर्मचारी संख्या में 8,203 का इजाफा किया। वित्त वर्ष की पहली छमाही के अंत में कंपनी का कुल हेडकाउंट 3,31,991 पर पहुंच गया। कर्मचारी छोड़ने की दर मामूली घटकर 14.3 प्रतिशत रही, जो पिछली तिमाही के 14.4 प्रतिशत से थोड़ा कम है। इंफोसिस की प्रतियोगी कंपनी ॥ष्टस्ड्डद्गष्ह ने पहली छमाही में 7,180 फ्रेशर्स की भर्ती की है। जुलाई में इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख ने भी बताया था कि कंपनी इस साल कुल 20,000 नए ग्रेजुएट्स को नियुक्त करने की योजना पर काम कर रही है। यह तेज भर्ती नीति प्रतिस्पर्धी अ्ष्टस्‌ के रुख से बिल्कुल अलग है, जिसने हाल में अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 2 प्रतिशत की कटौती की, क्योंकि कंपनी को स्किल गैप और तकनीकी बदलावों से सामना करना पड़ रहा है।

पंजाब एंड सिंध बैंक का 295 करोड़ हुआ मुनाफा, तिमाही परिणाम जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्य संचालित पंजाब एंड सिंध बैंक ने सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ में 29.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की है। इससे बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बढ़कर 295 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 240 करोड़ था।

बैंक ने बताया कि उसके निदेशक मंडल ने मार्च 2027 तक 5,000 करोड़ तक की पूंजी जुटाने की मंजूरी दी है। इसमें 3,000 करोड़ की राशि क्यूआईपी, एफपीओ या राइट्स इश्यू के माध्यम से और 2,000 करोड़ की राशि बॉन्ड्स के जरिए जुटाई जाएगी।

इसके साथ ही बोर्ड ने लॉन्ग टर्म इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड्स के रूप में 3,000 करोड़ तक जुटाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इसे मार्च 2027 तक एक या अधिक चरणों में जारी किया जाएगा।

सिंतबर तिमाही में ब्याज आय बढ़कर 2,999 करोड़

बैंक के अनुसार, सितंबर तिमाही में ब्याज आय बढ़कर 2,999 करोड़ हो गई। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,739 करोड़ थी। संपूर्ण एनपीए में भी सुधार हुआ है और यह 4.21 प्रतिशत से घटकर 2.92 प्रतिशत पर आ गया है। बीएसई पर गुरुवार को बैंक के शेयर 30.22 प्रति शेयर पर बंद हुए, जो पिछले बंद भाव से 0.23 प्रतिशत अधिक है।

कभी इंफोसिस में 9000 रुपये में करते थे नौकरी

आज केन्वा को टक्कर दे रही इनकी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के एक सूखे इलाके के गांव से निकलकर दादाराव भगत ने अपनी मेहनत और हुनर से एक ऐसी कंपनी बनाई है, जिसकी तुलना आज दुनिया की बड़ी डिजाइनिंग प्लेटफॉर्म कैनवा से हो रही है। कभी इंफोसिस में सिर्फ 9,000 रुपये महीने की नौकरी करने वाले दादाराव अब डिज़ाइन टेम्पलेट नाम के प्लेटफॉर्म के फाउंडर हैं। उनकी यह कहानी बताती है कि कैसे लगन और काबिलियत किसी भी इंसान की जिंदगी बदल सकती है।

दादाराव भगत का जन्म महाराष्ट्र के बीड़ जिले में हुआ था। यह इलाका अक्सर सूखे की मार झेलता है, जिससे खेती-बाड़ी करना बहुत मुश्किल हो जाता है। उनके परिवार में पढ़ाई-लिखाई को ज्यादा अहमियत नहीं दी जाती थी। दादाराव ने सिर्फ 10वीं तक पढ़ाई की और फिर फैक्ट्री की नौकरियों के लिए आईटीआई का कोर्स किया।

4000 रुपये से की शुरुआत: बेहतर मौके की तलाश में दादाराव पुणे आ गए। वहां उन्हें पहली नौकरी मिली, जिसमें उन्हें महीने के 4,000 रुपये मिलते थे। इसके बाद उन्होंने

इंफोसिस में ऑफिस बॉय की नौकरी के लिए अप्लाई किया। वहां उन्हें 9,000 रुपये महीने मिलने लगे। इंफोसिस में ऑफिस बॉय की नौकरी के दौरान दादाराव का काम दफ्तर की सफाई करना, सामान लाना-ले जाना और कंपनी के गेस्ट हाउस में छोटे-मोटे काम करना था। जब वे कर्मचारियों को कंप्यूटर पर काम करते देखते थे, तो उन्हें समझ आता था कि शारीरिक मेहनत और हुनर वाले काम में कितना फर्क है। **कैसे बनाई अपनी कंपनी:** अनुभव हासिल करने के बाद दादाराव ने फ्रीलांस डिजाइनर के तौर पर काम करना शुरू किया और फिर अपनी कंपनी बनाने का फैसला किया। शुरुआती साल बहुत मुश्किल थे। उनके पास पैसे कम थे और काम धीरे-धीरे बढ़ रहा था। जब कोविड-19 महामारी आई तो उन्होंने पुणे का अपना ऑफिस बंद कर दिया और अपने गांव लौट आए। हार मानने की बजाय, उन्होंने एक नया डिजाइन प्लेटफॉर्म बनाने पर ध्यान केंद्रित किया।

खुद शुरू किया हुनर तराशना

दादाराव ने कर्मचारियों से पूछना शुरू किया कि ऐसी नौकरियां कैसे मिलती हैं। उन्हें बताया गया कि इन नौकरियों के लिए डिग्री चाहिए होती है। लेकिन कुछ लोगों ने यह भी कहा कि ग्राफिक डिजाइन और एनिमेशन जैसे क्रिएटिव फील्ड में डिग्री से ज्यादा हुनर को महत्व दिया जाता है। यह बात सुनकर दादाराव को अपने स्कूल के दिन याद आए। तब वे अपने बोर्डिंग स्कूल के पास एक मंदिर के पेंटर को देखकर बहुत प्रभावित होते थे। उन्हें बचपन से ही ड्राइंग का शौक था, लेकिन उन्होंने कभी इसे गंभीरता से नहीं लिया था। नौकरी और पढ़ाई के साथ-साथ, दादाराव ने अपनी शिफ्ट खत्म होने के बाद ग्राफिक डिजाइन सीखना शुरू किया। एक साल के अंदर ही वे दफ्तरों की सफाई से निकलकर डिजाइनर बन गए।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत दुनिया का उज्ज्वल केंद्र

आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने दी सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। खंडित वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत एक उज्ज्वल स्थान है, लेकिन इसे व्यापार संबंधों को और गहरा करना होगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की एमडी क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा, भारत वैश्विक विकास के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक बना हुआ है, भले ही बढ़ते टैरिफ, असमान विस्तार व कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से विकास के बीच विश्व अर्थव्यवस्था अधिक अप्रत्याशित होती जा रही है। आईएमएफ की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जॉर्जीवा ने कहा, भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यह वैश्विक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उनके मुताबिक, देश को घनिष्ठ व्यापार एकीकरण से लाभ हो सकता है। भारत स्वयं भागीदारों के साथ उच्च स्तर के व्यापार एकीकरण का लक्ष्य रख सकता है। भारत ने अब भी व्यापार में कुछ बाधाएं बरकरार रखी हैं। आईएमएफ की

एमडी ने हाल में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के टैरिफ उपायों को अपनाने के कारण बदलते वैश्विक व्यापार पैटर्न की ओर इशारा किया। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था ने भागीदारों के साथ संबंधों में टैरिफ को एक साधन के रूप में इस्तेमाल करना चुना है। बाकी दुनिया ने अभी तक इसका अनुसरण नहीं किया है। आईएमएफ के 191 सदस्यों में से हमने केवल तीन देशों अमेरिका, चीन और कनाडा को टैरिफ पर अधिक सख्ती से आगे बढ़ते देखा है।

धनतेरस और दिवाली में जानबूझकर बनाई जा रही चांदी की किल्लत

● *14 अक्तूबर, 2025 को 10 ग्राम चांदी की कीमत पिछले दिन से बढ़कर 1,890 रुपये हो गई। यह तेजी 13 अक्तूबर, 2025 को देखी गई*

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदी में त्योहारी महीने में जोरदार तेजी जारी है, जो दिवाली सप्ताह से पहले लगातार बढ़ रही है। 14 अक्तूबर, 2025 को 10 ग्राम चांदी की कीमत पिछले दिन से बढ़कर 1,890 रुपये हो गई। यह तेजी 13 अक्तूबर, 2025 को देखी गई इसी। इस तेजी को देखते हुए निवेशकों और आम उपभोक्ताओं ने चांदी की खरदारी शुरू कर दी है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में मुंबई के सराफा बाजार में चांदी की शॉर्टज देखने को मिली। गुरुवार को मुंबई के जावेरी बाजार में चांदी खरीदने आए उपभोक्ताओं को खाली हाथ जाना पड़ा, क्योंकि बाजार चांदी की सीमित होने की वजह से डिलीवरी दो से तीन दिन में देने की बात कही। चांदी के बर्तन तो उपलब्ध थे लेकिन बार और कॉइन नहीं थे। बाजार के जानकर कहते तेजी की वजह से रिटेलर मुनाफा कमाने के लिए भी चांदी की सिमिता दिखाकर 20 से 25 हजार अतिरिक्त प्रीमियम पर बिक्री की है, जिनके पास चांदी का स्टॉक अधिक था उसने इसका फायदा लिया है।

सर्राफा बाजार में चांदी की शार्टेज नहीं

इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र मेहता ने अमर उजाला से बातचीत में बताया कि वैश्विक स्पॉट मार्केट में मूल्य अधिक होने की वजह से इसका प्रभाव देखा जा रहा था, फिलहाल सर्राफा बाजार में चांदी की कमी नहीं है। बाजार में चांदी की खरीदारी सामान्य रूप से हो रही है। उन्होंने कहा कि सोने और चांदी की कीमतें दोनों ही अपने उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। इसलिए धनतेरस और दिवाली में आभूषणों की बिक्री 25 से 30 प्रतिशत कम होने का अनुमान है, जबकि सोने और चांदी के सिक्कों की मांग बढ़ेगी। सिल्वर इंपोरियम के राहुल मेहता कहते हैं कि चांदी की उपलब्धता सीमित थी, लेकिन बिल्कुल समाप्त नहीं थी, फिलहाल बाजार में चांदी की कमी नहीं है। चांदी की उपलब्धता सीमित होने की खबर के बाद सर्राफा बाजार में उपभोक्ताओं ने जल्दबाजी में 20 से 25 हजार रुपये

अतिरिक्त प्रीमियम चुका कर भी चांदी की खरीदारी की है। फिलहाल बाजार में चांदी अब अपने मूल्य पर उपलब्ध है।

चांदी की आपूर्ति मांग से कम: मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार लगातार औद्योगिक क्षेत्र में बढ़ती चांदी की आवश्यकता और निवेश मांग की वजह से चांदी सरंचनात्मक पुनर्मूल्यांकन के दौर से गुजर रही है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक चांदी की आपूर्ति 31,000 टन है, जबकि मांग 35,700 टन से कही अधिक है। इसमें 118 मिलियन औंस की कमी हो रही है और यह कमी लगातार पांचवें साल भी जारी है। मोतीलाल ओसवाल के कमोडिटी रिसर्च प्रमुख, नवनीत दमानी चांदी में लंबी अवधि के लिए आशावान बने हुए हैं। वे कहते हैं कि घरेलू मार्चे पर चांदी 2026 के अंत तक 2.40 लाख रुपये प्रति किलोग्राम और 2027 तक 2.46 लाख तक पहुंच सकती है, यह मानते हुए कि डॉलर और रुपये का स्तर 90-92 के आसपास है।

दिवाली के बाद चांदी की कीमतों कमी के संकेत

व्यापारिक अधिकारियों और विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी एक्सचेंज ट्रेडड फंड्स (ईटीएफ) और भौतिक बार व सिक्कों की बढ़ती निवेश मांग के बीच चांदी की कीमतें आसमान पर पहुंच गई है, लेकिन दिवाली के बाद इसमें गिरावट आने की संभावना है, जिससे निवेशकों को नुसकान हो सकता है। बॉम्बे बुलियन एसोसिएशन राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार जैन कहते हैं, ऐसा कई बार देखा गया है कि धनतेरस और दिवाली के बाद चांदी के भाव में कमी आती है। चांदी के पुराने रुझानों पर नजर डालें तो धनतेरस से पहले चांदी 70 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंची और दिवाली के बाद इसकी कीमतों में 35,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट देखी गई है। हालांकि कीमतों में अधिक कमी आने की संभावना कम है, बावूजद इसके निवेशकों को थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है।

चांदी की कीमतों में तेजी की वजहें

होलसेल बुलियन एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश बाफना कहते हैं कि चांदी की कीमतों में यह तेजी उद्योगों की ओर से बढ़ती मांग, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और आपूर्ती में कमी की वजह से बनी हुई है। लेकिन दूसरी ओर इसकी कीमतें कम होने की संभावना से इनकार भी नहीं कर सकते, अगर आपूर्ति बढ़ जाती है, जो कि उद्योग की मांग की वजह से होगी, तो इसकी कीमतों में और वृद्धि आने की गुंजाइश कम हो जाएगी। चांदी में कई बार तूफानी तेजी आने के बाद गिरावट आई है। सोने की तुलना में चांदी का सबसे अधिक इस्तेमाल उद्योग में होता है, इसलिए इसको पूरी तरह सुरक्षित निवेश नहीं माना जाता है।

सिर्फ 25 की उम्र में ओलंपिक चैंपियन ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे सफल तैराकों में से एक, ऑस्ट्रेलिया की एरियार्न टिटमस ने सिर्फ 25 साल की उम्र में तैराकी से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया है. चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट टिटमस ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर यह ऐलान किया. उन्होंने कहा कि अब उनके जीवन में कुछ चीजें तैराकी से ज्यादा अहम हो गई हैं.

पेरिस ओलंपिक में रचा था इतिहास

एरियार्न टिटमस ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक 2024 में शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में अमेरिका की दिग्गज तैराक केटी लेडेकी और कनाडा की समर मैकिन्टोश को पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया था. खास बात यह रही कि उन्होंने इस इवेंट में नया विश्व रिकॉर्ड भी बनाया था.

खत्म हुआ एरियार्न टिटमस का सुनहरा करियर

टिटमस के नाम कुल 33 अंतरराष्ट्रीय पदक दर्ज हैं. इनमें 4 ओलंपिक स्वर्ण, 3 रजत, और 1 कांस्य शामिल हैं. इसके अलावा उन्होंने चार विश्व खिताब भी अपने नाम किए. उन्होंने न केवल अपनी देश की उम्मीदों पर खरा उतरीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला तैराकी में एक नया मानदंड स्थापित किया.

क्यों लिया संन्यास का फैसला?

टिटमस ने अपने बयान में कहा, मुझे हमेशा से ही तैराकी में बेहद रूचि रही है. बचपन से ही ये मेरा सपना और जुनून रहा है, लेकिन अब जब मैंने थोड़ा वक्त इस खेल से दूर बिताया, तो महसूस किया कि जीवन में और भी बहुत कुछ है, जो मेरे लिए अब ज्यादा मायने रखता है. उनके इस बयान ने फैंस को भावुक कर दिया है.

अब खेल से बाहर नई शुरुआत की तैयारी

हालांकि एरियार्न टिटमस के कोच और प्रशंसक उम्मीद कर रहे थे कि वह 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में वापसी करेंगी, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि उन्होंने नया रास्ता चुन लिया है. उन्होंने यह भी कहा कि यह फैसला आसान नहीं था, लेकिन वह इस जीवन के नए अध्याय को लेकर उत्साहित हैं.

फीफा को लेकर फैंस में भारी क्रैज, विश्व कप 2026 के 10 लाख से अधिक टिकट बिके

मियामी, एजेंसी। फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने इस महीने की शुरुआत में आधिकारिक तौर पर टिकट बिक्री शुरू होने के बाद से अपने पहले अपडेट में बताया कि अगले साल होने वाले विश्व कप के 10 लाख से अधिक टिकट बिक चुके हैं। उम्मीद के मुताबिक सबसे अधिक मांग अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको के खरीदारों की ओर से रही। ये तीन देश इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। फीफा ने कहा कि 212 अलग-अलग देशों और क्षेत्रों के लोग पहले ही टिकट खरीद चुके हैं जबकि अभी टूर्नामेंट के लिए 48 में से केवल 28 ही टीम तय हुई हैं। फीफा ने कहा कि टिकट खरीदने के मामले में शीर्ष 10 देश में इंग्लैंड, जर्मनी, ब्राजील, स्पेन, कोलंबिया, अर्जेंटीना और फ्रांस भी शामिल हैं। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक चलेगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने विज्ञप्ति में कहा, 'दुनिया भर की राष्ट्रीय टीमें ऐतिहासिक फीफा विश्व कप 2026 में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और मुझे खुशी है कि इतने सारे फुटबॉल प्रेमी भी उत्तरी अमेरिका में इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक अविश्वसनीय प्रतिक्रिया है और एक अद्भुत संकेत है कि इतिहास का सबसे बड़ा, सबसे समावेशी फीफा विश्व कप दुनिया भर के समर्थकों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। फीफा ने यह भी घोषणा की कि उसकी 'रीसेल साइट खुल गई है और न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में विश्व कप फाइनल के टिकट बृहस्पतिवार दोपहर तक 9,538 डॉलर से लेकर 57,500 डॉलर प्रति सीट की कीमत पर उपलब्ध थे।

नाओमी ओसाका के लगी चोट, जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल से हटीं

ओसाका, एजेंसी। नाओमी ओसाका बाएं पैर में चोट के कारण शुक्रवार को यहां जापान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल से हट गईं। मैच से पहले ओसाका के हटने से जैकलिन क्रिस्टियन को वाकओवर मिला और वह सेमीफाइनल में पहंच गईं। डब्ल्यूटीए टूर ने यह जानकारी दी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने कहा कि शीर्ष वरीय ओसाका दूसरे दौर के मैच के दौरान लगी चोट से नहीं उबर पाईं। क्रिस्टियन ने इस साल तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। चोट के कारण बाहर होने से पहले ओसाका ने वकाना सोनोबे और 2024 की चैंपियन सुजेन लेमेन्स को हराया। जापान ओपन के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता लेला फर्नांडिज ने रेबेका रैमकोव को 7-6, 6-3 से शिकस्त दी।

विराट-रोहित दोनों वर्ल्ड कप 2027 खेलेंगे...

● ट्रेविस हेड ने जैसे ही ये कहा अक्षर पटेल का चेहरा बदल गया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का आगाज 19 अक्टूबर से पर्थ में हो रहा है. इस सीरीज से पहले ट्रेविस हेड और अक्षर पटेल ने मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर सवाल पूछा गया. ट्रेविस हेड से पूछा गया कि ये ऑस्ट्रेलिया में विराट और रोहित दोनों की आखिरी सीरीज हो सकती है तो इसपर उन्होंने कहा कि उनके साथ खेलना सम्मान की बात है. साथ ही उन्होंने ये उम्मीद जताई कि ये दोनों दिग्गज 2027 वर्ल्ड कप भी खेलें. हालांकि ट्रेविस हेड के इस बयान के बाद अक्षर पटेल की जो भाव भंगिमा बदली उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

ट्रेविस हेड ने क्या कहा?

ट्रेविस हेड ने मीडिया से बातचीत में विराट और रोहित दोनं की तारीफ की. उन्होंने कहा, 'रोहित और विराट दोनों सफेद गेंद के खेल के महान खिलाड़ी हैं. विराट कोहली शायद सर्वकालिक महान वनडे क्रिकेटर हैं और रोहित भी उनसे ज्यादा पीछे नहीं हैं. उनके लिए काफी सम्मान है. मुझे लगता है कि दोनों वर्ल्ड कप 2027 खेलने वाले है. खेल के लिए बहुत अच्छा होगा.' ट्रेविस हेड ने जैसे ही ये कहा, गंभीर भाव से इस बात को सुन रहे अक्षर पटेल अचानक मुस्कुराने लगे. उन्होंने दोनों के वर्ल्ड कप 2027 खेलने के मुद्दे पर कुछ नहीं कहा लेकिन इस ऑलराउंडर ने इस बात की पुष्टि कर दी कि रोहित और विराट वनडे सीरीज के लिए बिल्कुल तैयार हैं.

अक्षर ने विराट-रोहित पर क्या कहा?

अक्षर पटेल ने कहा कि विराट और रोहित जानते हैं कि दोनों को क्या करना है. उन्होंने कहा, 'विराट-रोहित दोनों वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं. दोनों प्रोफेशनल खिलाड़ी हैं, जानते हैं कि क्या करना है, वो तैयार हैं. अगर आप उनकी फॉर्म के बारे में बात करेंगे तो वो अच्छी तैयारी कर रहे हैं. मुझे लगता है कि वो तैयार हैं. सभी खिलाड़ियों ने अपना फिटनेस टेस्ट दिया है और सीरीज के लिए तैयारी पूरी है.'

महिला विश्व कपः

मैच से पहले बोली इंग्लैंड की कप्तान, इस भारतीय बल्लेबाज को रोकना आसान नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में रविवार को होने वाले महिला वनडे विश्व कप के अहम मुकाबले से पहले इंग्लैंड टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता का नाम है स्मृति मंधाना। भारतीय उप-कप्तान हाल ही में अपनी शानदार फॉर्म में लौटी हैं और विपक्षी कप्तान हीथर नाइट मानती हैं कि उन्हें बल्ले से शांत रखना इंग्लैंड के लिए सबसे मुश्किल काम होगा। स्मृति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापत्तनम में 80 रनों की दमदार पारी खेली थी, भले ही वह मैच भारत हार गया हो। लेकिन इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि बाएं हाथ की यह स्टार बल्लेबाज एक बार फिर अपने रंग में लौट आई हैं। टीम इंडिया चाहेगी कि मंधाना और हरमनप्रीत कौर इंग्लैंड के खिलाफ रन बरसाएं और टीम को जीत की राह दिखाएं।

वो अब भी वही पुरानी स्मृति है- हीथर नाइटः इंग्लैंड की अनुभवी बल्लेबाज और कप्तान हीथर नाइट ने कहा, जब मैंने पहली बार उसके खिलाफ खेला था, तब से लेकर अब तक उसमें बहुत कुछ वैसा ही है।

वह अब भी वही पुरानी स्मृति है- शांत, आत्मविश्वासी और बेहद खतरनाक। बल्ले से उसे रोकना आसान नहीं होगा, और यही हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

नाइट ने भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि हरमन का जुनून और ऊर्जा भारत को एक खतरनाक टीम बनाते हैं। उन्होंने कहा, हरमन और स्मृति दोनों बिल्कुल अलग हैं- एक जहां शांत और स्थिर है, वहीं दूसरी आग और जोश से भरी हुई। हरमन का जोश टीम को प्रेरित करता है, और उनके खिलाफ खेलना हमेशा कठिन रहता है।

मंधाना की विनम्रता पर मुग्ध नाइटः हीथर नाइट ने स्मृति के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, जब मैंने उसे पहली बार देखा, तो मुझे लगा कि यह लड़की बहुत खास है। वह चाहे जितनी प्रसिद्ध हो गई हो, लेकिन उसका व्यवहार अब भी विनम्र है।

यह बात मुझे हमेशा प्रभावित करती है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने स्मृति के साथ इंग्लैंड की वेस्टर्न स्टॉर्म टीम में और बाद में आरसीबी के लिए भी खेला था। पहला डब्ल्यूपीएल सीजन उसके लिए मुश्किल था, लेकिन जिस तरह से उसने अगले साल वापसी की, वह उसके मजबूत इरादों की मिसाल है। भारत में वह सचमुच एक 'रॉकस्टार' है लेकिन इसके बावजूद जमीन से जुड़ी हुई।

इंग्लैंड की कप्तान साइवर-ब्रंट ने भी जताई चिंताः इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने भी माना कि भारत के खिलाफ मुकाबला रोमांचक होगा। उन्होंने कहा, हरमनप्रीत अगर अपने ज़ोन में आ गईं तो उन्हें रोकना लगभग नामुमकिन है।

भारत के खिलाफ ओडीआई सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को करारा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत से पहले करारा झटका लगा है. ऑस्ट्रेलिया कुल मिलाकर ऐसा बिल्कुल भी नहीं चाह रहा था, क्योंकि उनके कई स्टार खिलाड़ी पहले ही सीरीज से बाहर हैं. अब इंजरी के कारण यह स्टार ऑलराउंडर भी बाहर हो गया है.

स्टार ऑलराउंडर बाहर...

दरअसल, अ टीम के स्टार ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन चोट के कारण तीन मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं. ग्रीन को ट्रेनिंग के दौरान हल्की साइड स्ट्रेन (पेट के पास खिंचाव) की शिकायत हुई थी, जिसके चलते वे नहीं खेल पाएंगे. उनकी जगह टॉप ऑर्डर बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को टीम में शामिल किया गया है. सीरीज की शुरुआत रविवार (19 अक्टूबर) से पर्थ में हो रही है. मार्नस लाबुशेन को शुरू में ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह नहीं मिली थी, लेकिन घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के चलते अब उन्हें मौका दिया गया है. कैमरन ग्रीन की यह नई चोट ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ा झटका है. हाल ही में वह पीठ की चोट से उबरकर दोबारा गेंदबाजी करने लौटे थे. अपने पिछले वनडे मैच में उन्होंने 118* रन की बेहतरीन पारी खेली थी, जिससे टीम को काफी उम्मीदें थीं. ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की ओर से जो बयान आया है, उसके मुताबिक- कैमरन ग्रीन की चोट मामूली है और वे इस महीने के अंत तक घरेलू क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं, ताकि अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले एशेज टेस्ट की तैयारी कर सकें.

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रवक्ता ने कहा- ग्रीन थोड़े समय के लिए रिहैबिलिटेशन करेंगे और शेफील्ड शील्ड के राउंड तीन में कमबैक की प्लानिंग है.

विराट कोहली संग खेलने का टूटा था सपना, अब डेब्यू पर एमबीएस्टूडेंट ने जड़ा दोहरा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में दिल्ली की टीम अपना पहला मुकाबला हैदराबाद के खिलाफ खेल रही है. हैदराबाद के नेक्सजेन क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे एलीट ग्रुप-डी के इस मुकाबले में दिल्ली के बल्लेबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया है. दिल्ली ने अपनी पहली पारी 529/4 के स्कोर पर घोषित की. दिल्ली की तरफ से युवा बल्लेबाज आयुष दोसेजा ने 279 गेंदों पर 209 रनों की पारी खेली, जिसमें 25 चौके और पांच छक्के शामिल रहे. आयुष का ये फर्स्ट क्लास में डेब्यू मुकाबला है, जिसे उन्होंने यादगार बना दिया. दिल्ली के लिए सनत सांगवान ने भी दोहरा शतक जड़ा.

सनत ने 21 चौके और तीन छक्के की मदद से 470 गेंदों पर नाबाद 211 रन बनाए. आयुष दोसेजा का फर्स्ट क्लास डेब्यू आठ महीने पहले ही हो गया रहता, तब विराट कोहली भी दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलने उतरे थे. लेकिन मैच से एक दिन दोसेजा का टखना मुड़ गया और डेब्यू का सपना तब अधूरा रह गया. अब उसी अधूरे सपने को उन्होंने नए अंदाज में पूरा किया. आयुष ने इस दौरान सनत सांगवान के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 319 रनों की साझेदारी की, जिसने दिल्ली को मजबूत स्थिति में पहुंचाया.

इस खिलाड़ी ने भी डेब्यू पर जड़ा दोहरा शतकः आयुष दोसेजा की तरह गोवा के अभिनव तेजराणा ने चंडीगढ़ के खिलाफ अपने फर्स्ट क्लास डेब्यू पर दोहरा शतक लगाया.

अभिनव ने 320 गेंदों का सामना करते हुए 2025 रन बनाए, जिसमें 21 चौके और चार छक्के शामिल रहे. एक ही दिन दो डेब्यूटेंट बल्लेबाजों का दोहरा शतक बनाना रणजी इतिहास की एक दुर्लभ घटना मानी जा सकती है.

कोहली के साथ ना खेल पाने का दर्द बरकरार

आयुष दोसेजा ने कहा कि विराट कोहली के साथ खेलने का मौका छिन जाना उनके लिए काफी दुखद था, लेकिन उन्होंने उसे ही प्रेरणा बना लिया. उन्होंने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, किस्मत के अपने इरादे थे. विराट सर के साथ खेलने का मौका बस आया और चला गया. लेकिन रणजी डेब्यू पर दोहरा शतक लगाना उस दर्द को काफी हद तक कम कर गया. आयुष दोसेजा ने इस इनिंग्स का श्रेय साथी खिलाड़ी सनत सांगवान को भी दिया. दोसेजा कहते हैं, हमने अंडर-23 और अंडर-24 क्रिकेट एक साथ काफी खेली है. हमें पता था कि अगर सकारात्मक तरीके से क्रिकेट खेलेंगे तो रन अपने-आप आएंगे. दिलचस्प बात यह है कि आयुष क्रिकेट के साथ-साथ स्क्कूल की पढ़ाई भी कर रहे हैं. आयुष दोसेजा ने बताया, मैं मेरठ की एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी से एमबीए कर रहा हूं..

क्रिकेट का नया फॉर्मेट इस दिन होगा लॉन्च, ये हैं नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में आए दिन कोई न कोई बदलाव होते रहते हैं, लेकिन इस बार एक नए फॉर्मेट का जन्म हुआ है. जो क्रिकेट के रोमांच को और ज्यादा बढ़ा देगा. इसके लिए वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी सर क्लाइव लॉयड, साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन और टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह को टेस्ट ट्वेंटी फॉर्मेट के सलाहकार बोर्ड में शामिल किया गया. इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स के पूर्व सीईओ माइकल फोर्डहम को चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है.

क्या है नया फॉर्मेट?

टेस्ट ट्वेंटी फॉर्मेट टेस्ट क्रिकेट के पहलुओं को टी20 के साथ मिलाने की कोशिश करेगा. ये दुनिया का पहला 80 ओवर का फॉर्मेट होगा.

हालांकि दोनों टीमों को एक साथ 40 ओवर खेलने के बजाय उनको 20-20 ओवर की दो पारियां खेलने का मौका मिलेगा.

इसके लिए प्रत्येक टीम दो बार बल्लेबाजी करेगी, ठीक वैसे ही जैसे टेस्ट मैच में होता है. इसमें टेस्ट और टी20 क्रिकेट दोनों के नियम लागू होंगे. इसमें सभी चार परिणाम जीत, हार, टाई या ड्रॉ संभव हो सकते हैं.

टेस्ट ट्वेंटी कब शुरू होगा?

टेस्ट ट्वेंटी का पहला सीजन जनवरी 2026 में शुरू होगा. इसमें 6 फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी. जिनमें से तीन भारत से और तीन दुबई, लंदन और संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतिनिधित्व करेंगी. प्रत्येक टीम में 16 खिलाड़ी होंगे.

इस नए फॉर्मेट का आधिकारिक उद्घाटन 16 अक्तूबर किया गया. टेस्ट ट्वेंटी द वन वन सिक्स नेटवर्क के कार्यकारी अध्यक्ष गौरव बहिरवानी के दिमाग की उपज है. इस फॉर्मेट का पूर्व क्रिकेटरों ने काफी तारीफ की है.

पूर्व खिलाड़ियों ने क्या कहाः ाउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने कहा कि टेस्ट ट्वेंटी से क्रिकेट में रोमांच और बढ़ेगा. इसके अलावा युवा खिलाड़ियों को भी इसमें भरपूर मौका मिलेगा. वेस्टइंडीज के दिग्गज सर क्लाइव लॉयड ने कहा कि क्रिकेट के हर युग में रहने के बाद मैं ये कह सकता हूं कि खेल ने हमेशा खुद को ढाला है, लेकिन कभी इतनी सोच-समझकर नहीं. टेस्ट ट्वेंटी इस खेल की कला और लय को वापस लाता है, साथ ही इसे आधुनिक ऊर्जा से जीवंत रखता है.

धनतेरस के दिन भूलकर भी खरीदें ये 5 चीजें, जानें इस दिन क्या करें क्या न करें

इस बार धनतेरस 18 अक्टूबर को है। धनतेरस पर खरीदारी से समृद्धि बढ़ती है। लेकिन कुछ चीजें खरीदना अशुभ होता है। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता और दरिद्रता आ सकती है। आइए जानते हैं धनतेरस पर क्या नहीं खरीदना चाहिए। जानें धनतेरस पर क्या करें क्या न करें। इस बार धनतेरस का पर्व 18 अक्टूबर के दिन मनाया जाएगा। धनतेरस का पर्व कार्तिक मास की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इस बार धनतेरस के अवसर पर शनि प्रदोष व्रत का संयोग भी बन रहा है। साथ ही ब्रह्म योग और सर्वार्थ सिद्धि योग भी रहेगा। शास्त्रों के अनुसार, धनतेरस पर खरीदारी करने से धन में और समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। लेकिन, धनतेरस के दिन की गई गलतियां से आपको परेशानी भी हो सकती है। धनतेरस की खरीदारी में भूलकर भी 5 चीजों की खरीदारी नहीं करनी चाहिए। क्योंकि, ऐसा करना अशुभ माना जाता है। आइए जानते हैं धनतेरस पर किन चीजों की खरीदारी करना अशुभ होता है।

1) स्टील के बर्तन

धनतेरस पर अक्सर लोग स्टील के बर्तन खरीदते हैं लेकिन, इस बार भूलकर भी धनतेरस के मौके पर स्टील के बर्तन न खरीदें क्योंकि, स्टील को शनि का प्रतीक माना जाता है। साथ ही इस बार धनतेरस शनिवार के दिन है। ऐसे में भूलकर भी स्टील के बर्तन न खरीदें क्योंकि ऐसा करने से लक्ष्मी जी से जुड़ी शुभता कम हो जाती है।

2) सरसों का तेल

धनतेरस के मौके पर सरसों के तेल की खरीदारी भूलकर भी नहीं करना चाहिए। क्योंकि, ऐसा करने से आपके जीवन में नकारात्मक आती है। साथ ही घर में बरकत भी नहीं रहती है।

3) लोहा से जुड़े सामान

लोहे से जुड़े बर्तन, या घर की सजावट से जुड़े सामान जो लोहे से बने हों उनकी खरीदारी भी नहीं करनी चाहिए। क्योंकि, लोहा भी शनि का प्रतीक है और शनि का संबंध न्याय, कर्म और दंड है ऐसे में धनतेरस पर लोहे के सामान की खरीदारी करने से जीवन में संघर्ष बढ़ता है।

4) शीशा क्रोकरी

धनतेरस के मौके पर शीशे का सामान या क्रोकरी आदि की खरीदारी

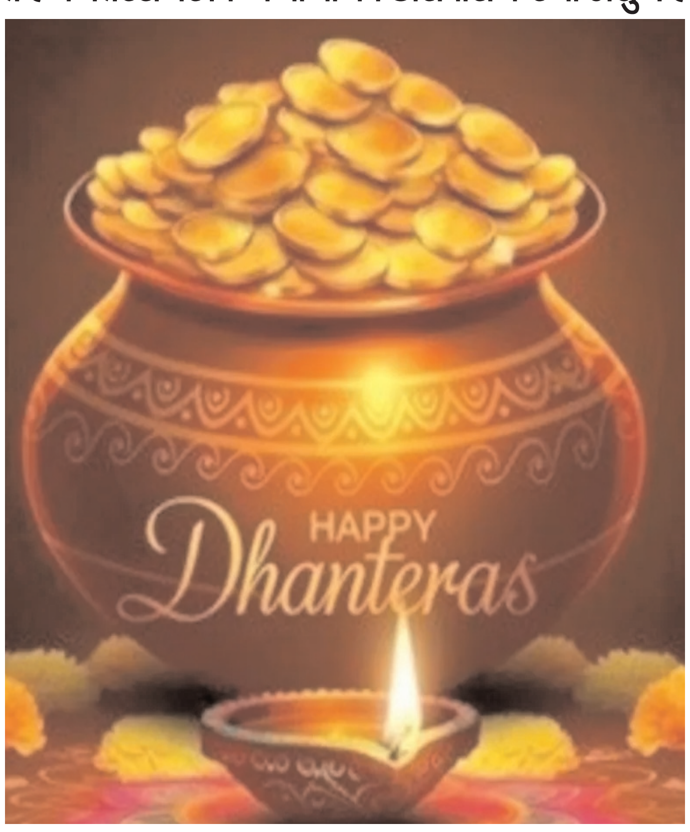

नहीं करनी चाहिए। क्योंकि, शीशे का प्रतीक राहु से माना जाता है और इन चीजों को खरीदने से घर में नकारात्मकता का वास होता है। साथ ही यह स्थायी समृद्धि का प्रतीक नहीं मानी जाती हैं।

5) एलमुनियम के बर्तन न खरीदें

धनतेरस के मौके पर एल्यूमीनियम से बने बर्तन आदि भी नहीं खरीदने चाहिए। क्योंकि, शास्त्रों में एलुमिनियम को भी राहु का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में धनतेरस के मौके पर ऐलुमिनियम के बर्तन खरीदने से घर में दरिद्रता आ सकती है।

धनतेरस पर क्या करें

1) धनतेरस के दिन मां लक्ष्मी की पोटली बनानी चाहिए। ऐसा करने से सुख समृद्धि बनी रहती है। साथ ही आर्थिक स्थिति में भी सुधार होता है। वहीं, घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

2) धनतेरस के दिन घर के हर एक कमरे में दीपक जरूर जलाएं। साथ ही घर के मुख्य द्वार पर भी दीपक जलाएं। ऐसा करने से घर में सुख समृद्धि का वास होता है।

धनतेरस पूजा विधि, मंत्र , जानें किसी मुहूर्त में करें धनतेरस की पूजा

धनतेरस का त्योहार हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और कुबेर देवता की पूजा करने का विधान होता है। साथ ही, धनतेरस पर खरीदारी करना भी बहुत लाभदायक सिद्ध होता है। इस दिन शुभ मुहूर्त में विधि-विधान से पूजा करने से आरोग्य की प्राप्ति होती है और माता लक्ष्मी की कृपा से धन-धान्य में वृद्धि हो सकती है। बता दें कि इस बार 18 अक्टूबर, शनिवार के दिन धनतेरस का त्योहार मनाया जाएगा। ऐसे में आइए विस्तार से जानें कि धनतेरस पर पूजा का शुभ मुहूर्त क्या रहेगा, पूजन विधि, आरती और मंत्र भी जानें...

इस साल 18 अक्टूबर के दिन दोपहर में 12 बजकर 20 मिनट से त्रयोदशी तिथि शुरू होगी और इसका समापन अगले दिन 19 अक्टूबर को दोपहर के 1 बजकर 52 मिनट पर होगा। शास्त्रों के अनुसार, प्रदोष काल में कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि जिस दिन लगती है उसी दिन धनतेरस मनाने की परंपरा है। ऐसे में आप 18 अक्टूबर को धनतेरस की पूजा विधि-विधान से कर सकते हैं। हालांकि, अगर आप खरीदारी 18 तारीख को न कर पाएं, तो 19 अक्टूबर को दिन के 1 बजकर 52 मिनट तक खरीदारी की जा सकती है।

शनिवार, 18 अक्टूबर को त्रयोदशी तिथि में प्रदोष काल के समय धनतेरस की पूजा करना सबसे शुभ रहेगा। पूजा करने का शुभ मुहूर्त 18 अक्टूबर को शाम के वक्त 5 बजकर 4 मिनट से लेकर 6 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। इस अवधि के दौरान भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और कुबेर देवता की पूजा करना सबसे उत्तम रहेगा। इसके अलावा, आप लाभ चौघाड़िया में यानी शाम को 6 बजकर 41 मिनट से लेकर 7 बजकर 38 मिनट के बीच में भी पूजा की जा सकती है।

कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को शाम के समय एक दीप को तेल से भरकर प्रज्वलित करें। इसके बाद, फूल-माला, धूप, कपूर आदि से विधि-विधान पूजा करें। फिर, अपने घर के द्वार पर अन्न के ढेर पर एक दीपक जलाएं। इस बात का ध्यान रखें कि रातभर दीपक जलते रहना चाहिए। इसे बीच में बिल्कुल भी नहीं बुझने देना चाहिए।

धनतेरस पर उदय व्यापिनी तिथि में गोशाला या गायों के आने-जाने के मार्ग में आठ हाथ लंबी और चार हाथ चौड़ी वेदी बनाकर उसपर सर्वतोभद्र लिखें और उसके ऊपर छत्र के आकार का वृक्ष बनाकर उसमें विविध प्रकार के फल, पुष्प और पक्षी बनाएं। वृक्ष के नीचे मण्डल के मध्य भाग में गोवर्द्धन भगवान की, उनके वाम भाग में रुक्मिणी, मित्रविन्दा, शैब्या और जाम्बवतीकी, दक्षिण भाग में सत्यभामा, लक्ष्मणा, सुदेवा और नाग्नजिति की, उनके अग्र भाग में नन्द बाबा, पृष्ठ भाग में बलभद्र और यशोदा तथा कृष्ण के सामने सुरभी, सुनन्दा, सुभद्रा और कामधेनु गौ-इनकी सुवर्णमयी सोलह मूर्तियां स्थापित करें।

उन सबका नाम मन्त्र (यथा गोवर्द्धनाय नमः आदि) से पूजन करके %गवामाधार गोविन्द रुक्मिणीवल्लभ प्रभो। गोपगोपीसमोपेत गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तु ते।% से भगवान ?को और %रुद्राणां चैव या माता वसूनां दुहिता च या। आदित्यानां च भगिनी सा नः शान्तिं प्रयच्छतु।% से गौ को अर्घ्य दे एवं %सुरभी वैष्णवी माता नित्यं विष्णुपदे स्थिता। प्रतिगृह्णातु मे ग्रासं सुरभी मे प्रसीदतु।% से गौ को ग्रास दें। इस प्रकार अलग-अलग प्रकार के फल, पुष्प, पकवान आदिसे पूजन करके बांस के पात्रों में सप्त धान्य और सात मिठाई भरकर सौभाग्यवती स्त्रियों को दे। इस प्रकार तीन दिन पूजा करनी चाहिए और व्रत रखने वाली इसी विधि से व्रत कर सकते हैं। इसके बाद, चौथे दिन प्रातः स्नानादि करके गायत्री के मंत्र से तिलों की 108 आहुति देकर व्रत का विसर्जन करें तो इससे सुख और संपत्ति का लाभ होता है।

धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा के लिए उनकी तस्वीर को लकड़ी की चौकी पर वस्त्र बिछाकर स्थापित करें। इसके बाद, आचमनी से जल लेकर तीन बार आचमन करें।

क्या कहते आपके सितारे

मेष

मेष- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेना है। आपका किसी काम को लेकर दूसरों पर निर्भर नहीं रहना है। आप ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से धन उधार ले सकते हैं। आपको परिवार के सदस्यों का पूरा साथ मिलेगा और यदि किसी काम में समस्या आ रही थी, तो वह आपके किसी परिजन की मदद से दूर होगी।

वृषभ

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती भरा रहने वाला है। आपके खर्च अधिक रहेंगे। आप बिना सोचे समझे खर्च करेंगे, जिसका असर आपकी आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। संतान किसी पढ़ाई के लिए कहीं बाहर जा सकती है। आपका कोई रुका हुआ काम पूरा करने के लिए आपको किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचना होगा। आपकी नौकरी में भी कुछ समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी।

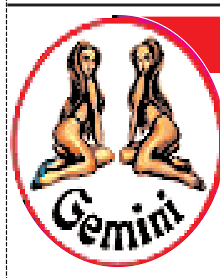

मिथुन

मिथुन- आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपकी पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जो लोग सिंगल है, वह परिवार के सदस्य से अपने प्यार को मिलवा सकते हैं। आपको अपने कर्ज को लेकर उन्हे उतारने पर पूरा ध्यान देना होगा। आपके परिवार का कोई सदस्य नौकरी के लिए घर से दूर जा सकता है। आपको प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट करने का मौका मिलेगा।

कर्क

कर्क- आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार में मधुरता बनाए रखने के लिए रहेगा। आपकी सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। आपके एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आप अपनी संतान की फरमाइश पर किसी नए वाहन की खरीदारी कर सकते हैं। आपको अपने आसपास रह रहे शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता है। आज का दिन आपके लिए आनंद में रहने वाला है।

सिंह

सिंह- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। पारिवारिक जीवन में चल रही कठिनाइयों से राहत मिलेगी। आपको घर परिवार में चल रही समस्याओं को दूर करना होगा। आपकी कुछ विशेष व्यक्तियों से मुलाकात होगी। आपको कोई फैसला थोड़ा सोच समझकर लेना होगा। आप अपनी शारीरिक समस्याओं को लेकर नजरअंदाज ना करें।

कन्या

कन्या- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। नवविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है। शेयर मार्केट में निवेश करने वाले लोगों को किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह की आवश्यकता होगी। आपकी अपनी माता जी से यदि किसी बात को लेकर नाराजगी चल रही थी, तो आप उन्हे मनाने की पूरी कोशिश करेंगे। आप इधर-उधर के कामों में पड़कर अपने कामों को आगे के लिए टाल सकते हैं।

तुला

तुला- आज का दिन आपके लिए बुद्धि और विवेक से काम लेने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपने सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आप अपने घर किसी पूजा-पाठ की तैयारी कर सकते हैं। आप किसी दोस्त के साथ कहीं घूमने फिरने जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। अविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है। आपको रोजगार के नए-नए अवसर प्राप्त होंगे

वृश्चिक

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए कुछ विशेषकर दिखाने के लिए रहेगा। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। पिताजी का कोई पुराना रोग उभरने से आप परेशान रहेंगे। आपकी भागदौड़ भी अधिक रहेगी। आप किसी नई गाड़ी की खरीदारी कर सकते हैं। आपको धन को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड नहीं रहना है। आपके भाई से किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है।

धनु

धनु- आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपके मन में टेशन बनी रहेगी। आपको किसी से कोई बात नहीं बोलनी है, जो कि बुरी लगे। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को पूरा करना होगा। आप अपने घर की मरम्मत आदि की भी योजना बना सकते हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आपको किसी यात्रा पर जाने का मौका मिल सकता है।

मकर

मकर- आज का दिन आपके लिए बिजनेस के लिए आपसे अच्छा रहने वाला है। आपको आपका रुका हुआ धन मिल सकता है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह को लेकर आप अपने किसी मित्र से बातचीत कर सकते हैं। आप किसी नए इलेक्ट्रॉनिक आइटम को अपने घर लेकर आ सकते हैं। आपको अपने कामों को पूरा करने में कुछ मुश्किलें आएंगी, लेकिन फिर भी अपने काम को आसानी से पूरा कर सकेंगे।

कुंभ

कुंभ- आज का दिन नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको किसी दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता है। आपको कार्यक्षेत्र में अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे, लेकिन आपको किसी दूसरे पर अपने कामों को लेकर डिपेंड रहने से बचना होगा। वाहनों का प्रयोग आप सावधान रहकर करें। आपको अपने कामों को समय रहते निपटाने की आवश्यकता है। जो लोग विदेशों से व्यापार करें, उन्हें कोई अच्छा लाभ मिलने की संभावना है।

मीन

मीन- आज का दिन आपके लिए रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपने यदि पार्टनरशिप में किसी बिजनेस में हाथ बढ़ाया, तो उसमें आपको बाकी का पूरा साथ मिलेगा। आपके मन में किसी बात को लेकर शांति बनी रहेगी, लेकिन भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप अच्छे भोजन का आनंद लेंगे। जीवनसाथी से यदि कुछ अनबन चल रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर होगी। आपको वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

दीपावली के शुभ अवसर पर ज़ी टीवी के कलाकार रोशन करेंगे अपने घर और रिश्ते

मुंबई। दीपावली अच्छाई पर बुराई की जीत का प्रतीक है और इसे रोशनी का त्यौहार कहा जाता है। उत्तर भारत में इस दिन भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व होता है, जो समृद्धि और सुख का स्वागत करने का प्रतीक है। इस शुभ मौके पर ज़ी टीवी के कलाकार - गंगा माई की बेटियां की शुभांगी लाटकर, सरू की मोहक मटकर, जगद्धात्री के फरमान हैदर, वसुंधरा के अभिषेक शर्मा, लक्ष्मी निवास की मानसी जोशी रॉय, तुम से तुम तक की निहारिका चौकसे, जाने अनजाने हम मिले की जयती भाटिया और जागृति - एक नई सुबह के सागर पारेख साझा कर रहे हैं अपनी दिवाली की यादें और इस बार के जश्न की अपनी योजनाएं। 'गंगा माई की बेटियां' में गंगा माई का किरदार निभा रहीं शुभांगी लाटकर कहती हैं, दिवाली हमेशा से मेरा पसंदीदा त्यौहार रहा है। इस त्यौहार से बचपन की बहुत सारी प्यारी यादें जुड़ी हैं - पूरे परिवार के साथ घर की सफाई करना, दीयों से हर कोना सजाना और मां की मदद से मिठाइयां बनाना।

कलाकारों ने साझा किए धनतेरस के अपने खास रिवाज

मुंबई। धनतेरस, दीवाली उत्सव का पहला दिन होता है और यह घर-परिवार के लिए खुशी, भक्ति और समृद्धि लेकर आता है। माना जाता है कि इस दिन की गई खरीदारी और पूजा-पाठ से जीवन में सौभाग्य और सकारात्मक ऊर्जा आती है। यह शुभ दिन बस आने ही वाला है और लोग इसे मनाने की तैयारी कर रहे हैं। इस अवसर पर एण्डटीवी की अभिनेत्रियों ने उन छोटी-छोटी रस्मों और परंपराओं के बारे में बात की, जिन्हें वे धनतेरस पर निभाती हैं, ताकि उनके जीवन में सौभाग्य और समृद्धि आए। इन कलाकारों में शामिल हैं- प्रियंवदा कांत ('घरवाली पेडवाली' की लतिका), हिमानी शिवपुरी ('हप्पू की उलटन पलटन' की कटोरी अम्मा) और विदिशा श्रीवास्तव ('भाबीजी घर पर हैं' की अनीता भाबी)। प्रियंवदा कांत, जो जल्द ही एण्डटीवी के आगामी शो 'घरवाली पेड़वाली' में लतिका की भूमिका में दिखाई देंगी, ने कहा, धनतेरस हमेशा मुझे कृतज्ञता और सकारात्मकता से भर देता है। मैं इस दिन को साधारण लेकिन सार्थक बनाने में विश्वास रखती हूँ। हर साल मैं सुबह जल्दी दीपक जलाकर माँ लक्ष्मी से स्वास्थ्य और खुशहाली की प्रार्थना करती हूँ। मैं यह भी सुनिश्चित करती हूँ कि मैं कुछ धातु की चीज़ खरीदूँ, आमतौर पर चांदी के सिक्के या बर्तन, क्योंकि माना जाता है कि यह सौभाग्य को आकर्षित करता है। मेरी माँ और मैं घर के प्रवेश द्वार को रंगोली और दीयों से सजाते हैं ताकि समृद्धि का स्वागत हो। यह छोटा सा रिवाज घर और मन दोनों को साफ कर देता है और दीवाली मनाने के लिए एक सकारात्मक तैयार करता है।

असम में सेना के कैंप पर ग्रेनेड से हमला, तीन जवान घायल; ट्रक से आए थे हमलावर

तिनसुकिया, एजेंसी। गुरुवार देर रात असम के तिनसुकिया जिले के काकोपाथर इलाके में जोरदार गोलीबारी और कई ग्रेनेड विस्फोटों की आवाजों ने स्थानीय निवासियों में दहशत फैला दी। यह घटना काकोपाथर सेना शिविर के पास हुई, जहां लगभग एक घंटे तक गोलीबारी की खबरें सामने आईं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मध्यरात्रि के आसपास भारतीय सेना की 19 ग्रेनेडियर्स यूनिट के कैंप को निशाना बनाकर ग्रेनेड फेंके गए। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि इस विस्फोट में सेना के तीन जवान घायल हो गए। घटना के बाद, सेना और पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है और नागरिकों की आवाजाही को प्रतिबंधित कर दिया गया है। हमलावरों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, हमलावरों द्वारा इस्तेमाल किया गया एक ट्रक बाद में पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश के तेंगापानी क्षेत्र में पाया गया। हालांकि अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन प्रारंभिक जांच में संदेह उल्फा (इंडिपेंडेंट) गुट की ओर जाता है, जिसका ऊपरी असम में इस तरह के हमलों का इतिहास रहा है। स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा बल स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं, और मामले की गहन जांच की जा रही है।

ह्यूस्टन के मेयर बोले-दिवाली उत्सव में आकर गर्व हुआ

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका में सर्वाधिक भारतवंशी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक ह्यूस्टन में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने दिवाली के मौके पर शहर से साझेदारी में एक कार्यक्रम किया। इसमें समुदाय के नेता, राजनयिक व भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्य एकत्रित हुए। महावाणिज्य दूत डीसी मंजूनाथ और मेयर जॉन व्हिटमायर ने ह्यूस्टन सिटी हॉल में आयोजित समारोह का नेतृत्व किया, जिसमें कांसुलर कोर के सदस्यों और सामुदायिक नेताओं ने भाग लिया। अपने संबोधन में मेयर व्हिटमायर ने भारतीय-अमेरिकी समुदाय को दिवाली की हार्दिक बधाई देते हुए कहा, मुझे भारतीय समुदाय के साथ शामिल होने पर गर्व है।

महागठबंधन में 7वें दल की एंट्री

करनी छाप को 3 सीटें मिलने का दावा; सहरसा से लड़ेंगे आईपी गुप्ता

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में विपक्षी दलों के महागठबंधन में 7वें दल की एंट्री हो गई है। पान समाज (तांती, ततवा जाति) की राजनीति करने वाले आईपी गुप्ता ने दावा किया है कि उनकी इंडियन इंक्लूसिव पार्टी को महागठबंधन में 3 सीटें मिल गई हैं। आईपी गुप्ता खुद सहरसा सीट से अपनी पार्टी के करनी छाप चुनाव चिह्न पर लड़ेंगे। उन्होंने शुक्रवार को अपना पर्चा दाखिल करने की बात कही है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि 3-4 सीटों पर उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को राजद और कांग्रेस के सिंबल पर लड़ाने पर सहमति बनी है। हालांकि, महागठबंधन के प्रमुख दल राजद या कांग्रेस की ओर से अभी इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के चीफ आईपी गुप्ता बीते कई दिनों से महागठबंधन के शीर्ष नेताओं से संपर्क में थे। बिहार वोटर अधिकार यात्रा के दौरान उनकी कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात भी हुई थी। इसके बाद पिछले सप्ताह उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के

नेता तेजस्वी यादव के साथ बैठक का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया था।

आईपी गुप्ता ने गुरुवार रात को फेसबुक पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि उनकी पार्टी महागठबंधन का हिस्सा बन गई है। हम घर वाले नहीं बल्कि गोतिया बने हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत के इतिहास में पहली बार तांती, तता, पान समाज की अपनी पार्टी चुनावी मैदान में उतरेगी।

अखिल भारतीय पान महासंघ के अध्यक्ष आईपी गुप्ता ने कांग्रेस छोड़कर नई पार्टी बनाई थी। इसी साल अप्रैल महीने में उन्होंने पटना के गांधी मैदान में पान समाज की बड़ी रैली करके सबका ध्यान खींचा था। बिहार में हुए जाति आधारित सर्वे के आंकड़ों के अनुसार तांती-ततवा जाति के लोगों की आबादी लगभग 2 प्रतिशत है। ऐसे में कम मार्जिन से हार-जीत वाली सीटों पर पान समाज के मतदाता निर्णायक भूमिका में रह सकते हैं।

बता दें कि महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, सीपीआई-माले, सीपीएम, सीपीआई और मुकेश सहनी की वीआईपी को मिलाकर 6 पार्टियां पहले से है। आईपी गुप्ता की इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के आने से कुल 7 दल हो गए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी महागठबंधन का हिस्सा नहीं बन पाई और 25 सीटों पर अलग से अपने प्रत्याशी उतार दिए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी झामुमो के भी बिहार महागठबंधन में सीटें मिलने पर अभी सस्पेंस है।

बताया जा रहा है कि लालू-तेजस्वी की आरजेडी ने अपने कोटे की सहरसा सीट आईपी गुप्ता को लड़ने के लिए दी है। 2020 में जेडीयू की मौजूदा सांसद लवली आनंद ने सहरसा से आरजेडी के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा के आलोक रंजन झा से हार गई थीं। एनडीए में भाजपा ने 2025 में फिर से मौजूदा विधायक को ही टिकट दिया है।

माँ की ममता से जन्मी सेवा "पदमा फाउंडेशन" की "निःशुल्क भोजन सेवा" की प्रेरक दास्तान

नई दिल्ली, भारतः "पदमा फाउंडेशन" पंजिकृत एक बेटे का अपनी मॉ को दिया गया श्रद्धांजलि है। उमेश अवात्रामणि व दिनेश सहरावत ने एक साथ मिलकर इस संस्था की शुरुआत अपनी मॉ की याद में की। वो मॉ, जिनकी मुस्कान में ममता और आँखों में केवल अपनापन था। आज वही भावना इस फाउंडेशन के माध्यम से आने लोगों तक पहुँचा रही है। उमेश अवात्रामणि संयुक्त अरब अमीरात में रहते हुए संस्था को भरपूर सहयोग करते हैं, और इस संस्था को उनके करीबी अधिवक्ता मित्र दिनेश सहरावत भारत में जरूरतमंदों के लिए चला रहे हैं।

इसी भावना से जन्मी "फ्री फूड सेवा" एक ऐसा प्रयास जो जरूरतमंदों तक मुफ्त और पौष्टिक भोजन पहुँचाता है। सेवा यानी निःस्वार्थ भाव से किया गया कार्य, इस पूरी पहल की आत्मा है। यह सिर्फ खाना बॉटना नहीं है, यह दिल से दिया गया सम्मान है। हर थाली में प्यार है, अपनापन है, और एक संदेश है। आप अकेले नहीं है, आपकी परवाह है।

उमेश अवात्रामणि ने कहा कि इस संस्था की शुरुआत का हमारा मुख्य उद्देश्य हमारी मॉ की उन शिक्षाओं को सम्मान देना था जो मानवता, गरिमा और हर व्यक्ति के लिए सम्मान की भावना पर आधारित थी - चाहे उनका धर्म या पृष्ठभूमि कुछ भी हो। "फ्री फूड सेवा" हमारी अध्यात्मिक और पारंपरिक परवरिश से प्रेरित है, जिसके लिए हम अपनी प्रिय माताओं के हमेशा आभारी रहेंगे।

दिनेश सहरावत बताते हैं कि "हमारी मॉ ने हमेशा सिखाया कि हर इंसान को इज्जत और स्नेह मिलना चाहिए। हम उसी भावना को आगे बढ़ा रहे हैं।"

आज यह पहल सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संवेदनाओं का सेतु बन चुकी है। पदमा फाउंडेशन आज - अस्पतालों के बाहर, बस अड्डों पर, वृद्ध आश्रमों में, नेत्रहीन बच्चों के बीच और अनाथ आश्रमों में। जहॉ यह समाज के जरूरतमंद वर्गो तक सीधी पहुंच बनाकर उन्हें सहयोग प्रदान कर रही है। हर जगह एक ही मकसद है - इंसानियत को जीवित रखना। फ्री फूड सेवा हमें याद दिलाती है कि एक मॉ का प्यार सिर्फ घर तक सीमित नहीं होता - वो पूरी दुनिया में रोशनी फैला सकता है।

वृंदावन से माया नगरी तक इन्वेस्टो ग्रुप का विस्तार- नरेश सिसोदिया

जेवर एयरपोर्ट के पास 5000 हेक्टेयर में विकसित होगा एयरोपोलिस

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास करीब 5,000 हेक्टेयर में एयरोपोलिस क्षेत्र विकसित होगा। यहां बिजनेस, मनोरंजन, वाणिज्यिक, होटल, रेस्त्रां और एविएशन गतिविधियों के जोन बनेंगे। ये सभी जोन क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से जुड़े होंगे। इस योजना पर जल्द काम शुरू करने की तैयारी है।

यमुना विकास प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि एयरोपोलिस एक ऐसा क्षेत्र होता है, जो एयरपोर्ट के आसपास बनता है, जो हवाई सेवाओं से जुड़े कामों के कारण एक शहर जैसा बन जाता है। इसे एनसीआर फंक्शनल प्लान 2032 के तहत विकसित किया जाना है। यह परियोजना दिल्ली की एयरोसिटी की तर्ज पर जेवर में नोएडा एयरपोर्ट के आसपास विकसित की जाएगी। हालांकि, इसका आकार दिल्ली की एयरोसिटी की तुलना में कई गुना बड़ा होगा। बताया गया कि दिल्ली की एयरोसिटी में ज्यादातर व्यावसायिक गतिविधियां हैं, जबकि नोएडा एयरपोर्ट के पास एयरोपोलिस रिहायशी और औद्योगिक दोनों जरूरतों को पूरा करेगा। इसका ढांचा अत्याधुनिक होगा। साथ ही, एविएशन हब, नवाचार, टेक हब, व्यावसायिक केंद्र, लॉजिस्टिक, होटल, सर्विस अपार्टमेंट्स, प्रोफेशनल ऑफिस और मनोरंजन थीम पर कार्य होंगे। योजना का काम शुरू करने की तैयारी है। परियोजना के तहत विकास कार्यों के लिए बहुउद्देश्यीय भूमि उपयोग (मल्टीपल लैंड यूज) की अनुमति दी जाएगी, ताकि जरूरत के अनुसार क्षेत्र विकसित हो सके।

पापुआ क्षेत्र में इंडोनेशियाई सेना और अलगाववादी समूह के बीच संघर्ष

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की सेना ने गुरुवार को कहा कि उसने पापुआ क्षेत्र के इंटान जाया जिले के सोआंगगामा गांव को फिर से अपने कब्जे में ले लिया। सेना का दावा है कि इस संघर्ष में 14 अलगाववादी मारे गए। हालांकि, अलगाववादियों ने यह दावा खारिज किया है और कहा कि मारे गए में केवल तीन ही लड़ाके थे, जबकि नौ आम नागरिकों की हत्या की गई। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इवान द्वि प्रिहरतोनो ने बताया कि बुधवार सुबह दर्जनों अलगाववादी, जो हथियार और धनुष-बाण लेकर आए थे, ने सैनिकों पर हमला किया। सैनिक उस समय एक अलगाववादी पोस्ट पर कार्रवाई करने की तैयारी कर रहे थे। प्रिहरतोनो के अनुसार, सैनिकों ने छह घंटे और 30 मिनट तक चली लड़ाई के बाद अलगाववादियों को खदेड़ दिया और गांव पर नियंत्रण कर लिया। उन्होंने बताया कि सैनिकों को किसी भी तरह के नुकसान का सामना नहीं करना पड़ा। सेना ने इस दौरान एक घरेलू राइफल, चार एयर राइफल, गोलियां, दूरबीन, संचार उपकरण और अलगाववादी संगठन का मॉर्निंग स्टार झंडा बरामद किया। उन्होंने कहा, बाकी अलगाववादी जंगल की ओर भाग गए और हमने उनका बेस कब्जे में ले लिया। पश्चिम पापुआ लिबरेशन आर्मी (फ्री पापुआ ऑर्गेनाइजेशन का सैन्य हिस्सा) के प्रवक्ता सेबी सांबॉम ने सेना के दावे को खारिज किया। उन्होंने कहा कि गांव में कोई अलगाववादी बेस नहीं था और मारे गए 14 लोगों में से नौ आम नागरिक थे। उनका कहना था कि केवल तीन ही अलगाववादी थे। सांबॉम ने बताया कि सेना ने एक घर को घेर लिया और उसे अलगाववादी पोस्ट समझकर आठ लोगों की हत्या कर दी। उन्होंने कहा, हमारे पास युद्ध के नियम हैं, हम कभी भी किसी आवासीय इलाके में बेस नहीं बनाएंगे। पापुआ में अलगाववादी आंदोलन 1960 के दशक से चल रहा है, जब इंडोनेशिया ने इस क्षेत्र को अपने कब्जे में लिया था। पापुआ को 1969 में इंडोनेशिया में शामिल किया गया था। जब एक संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित मतदान हुआ था, जिसे व्यापक रूप से विवादित माना गया। हाल के वर्षों में पापुआ में हिंसा बढ़ी है।

बस रही अवैध कॉलोनियों पर चले बुलडोजर, 17 एकड़ में बने मकान-दुकान और पीजी सब तोड़े

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम के जिला नगर योजनाकार ने गांव भोंडसी और गांव दौला में 17 एकड़ में बस रही अवैध कॉलोनियों पर गुरुवार को तोड़फोड़ की बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान अवैध रूप से बनाई गईं दुकानें, पीजी और चारदीवारी पर बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया गया। डीटीपी अमित मधोलिया ने बताया कि गुरुवार को भोंडसी गांव में पनप रही दो अवैध कॉलोनियों में बने ढांचों को गिरा दिया गया। यह कॉलोनी साढ़े नौ एकड़ से ज्यादा इलाके में विकसित हो रही थीं। दो निर्माणाधीन ढांचों, अवैध रूप से बनाई गई चारदीवारी, 22 डीपीसी (दीवारों की नींव) और अवैध तरीके से बनाए गए पूरे सड़क नेटवर्क को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। चार दुकानों और पीजी को तोड़ दिया गया। एक दिन पहले बुधवार को दौला गांव में ऐसी ही कार्रवाई की गई। यहां करीब आठ एकड़ भूमि को घेरने वाली अवैध चारदीवारी, अवैध रूप से बिछाए गए सीवर पाइपलाइन और बनाए गए सड़क नेटवर्क को पूरी तरह से हटा दिया गया। वहीं, गुरुग्राम के मानेसर के सेक्टर-6 की टूटी मुख्य सड़क दो विभागों के खींचतान में नहीं बनाई जा रही है। सड़क बनाने को लेकर उद्यमियों की ओर सीएम विंडो में शिकायत किए हुए पांच माह चुका है, लेकिन दोनों में आपसी सहमति नहीं होने से 10 से अधिक उद्योगों में काम करने वाले सैकड़ों कर्मियों के लिए परेशानी बनी है। उद्यमी संजय यादव, एनपी सिंह, पुनीत, मनोज जैन ने कहा कि 150 मीटर लंबी सड़क पर काफी समय से नाहरपुर गांव की ओर से सीवर ओवरफ्लो का पानी आने के कारण भर जाता था। सड़क पर एक से दो फीट तक गड्ढे होने के कारण आना जाना काफी मुश्किल हो गया है। टूटी सड़क पर आए दिन घटनाएं होती रहती है। रात में सड़क पर निकलना किसी खतरे से कम नहीं है। इसकी शिकायत के बाद भी नगर निगम, एसएसआईआईडीसी, जिला प्रशासन की ओर से कोई हल नहीं निकला। इस मामले सीएम विंडो पर बीते मई को एक शिकायत की गई। उद्यमियों का आरोप है कि एचएसआईआईडीसी की ओर से सीएम विंडो की शिकायत को यह कहकर वापस भेज दिया है। हमारे विभाग से संबंधित मामला नहीं। बाद में यह शिकायत मानेसर निगम को भेज दी गई। जहां निगमायुक्त ने शिकायत पर खुद ध्यान देकर सीवर पानी निकासी के लिए स्थाई समाधान करवा दिया। अब सड़क का काम एचएसआईआईडीसी को करना था। उद्यमियों की शिकायत को सीएम विंडो पर समाधान दिखाकर ख़त्म कर दी गई है।

किराए के लिए ख़ाली है

1-3600 वर्ग फुट कमर्शियल हॉल सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी काम्प्लेक्स फ़रीदाबाद में।
2-1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड टी सी काम्प्लेक्स सेक्टर 10 फ़रीदाबाद में ।
3 - टू बेड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में ।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फ़रीदाबाद में ।
इच्छुक व्यक्ति फ़ोन नंबर 9999446252,,9811157562 पर संपर्क करें ।

- सूचना -

फ़रीदाबाद ज़िला में भेदीनज़र समाचारपत्र में अपने समाचार,विज्ञापन देने और अख़बार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें -
1-गोपाल न्यूज़ एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर-9811477 204
2-नरेंद्र बुक्स शाप
मूँगफली चौक ऐन.आई. टी. नम्बर -5 फ़रीदाबाद
मोबाइल नम्बर : 9810229192
3-दीक्षित न्यूज़ एजेन्सी ओल्ड फ़रीदाबाद
मोबाइल-98111 59238

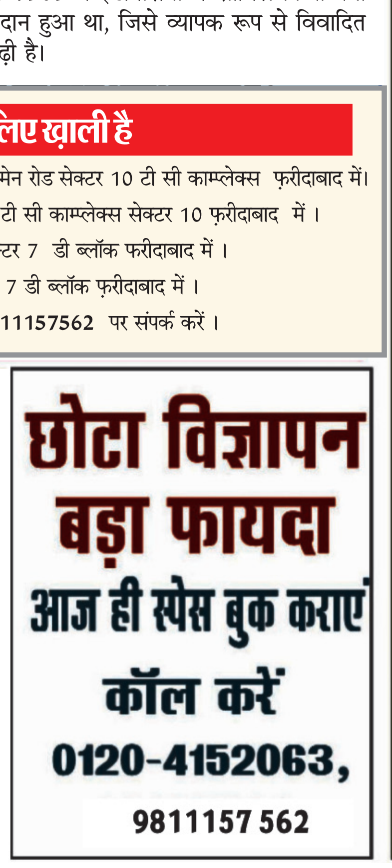

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए

सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए

बम्पर ड्रा

पहना इनाम

एक हीरो बाईक

दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम

तीसरा इनाम

बीस मोबाईल फोन

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2025से 31 दिसम्बर 2025तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2025 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम
- हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते है।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
HAR/HIN/2011/43680
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
प्लाट न. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्पलेक्स सेक्टर - 10
फरीदाबाद से प्रकाशित एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा